केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-2025

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोंडाकारकम, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश - 535003
वेबसाइट : www.ctuap.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन

2024-2025

कुलाध्यक्ष
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

कुलाधिपति
श्री मदन लाल मीना

कुलपति
प्रो टी. वी. कट्टीमनी

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
कोंडाकारकम, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश - 535003
वेबसाइट : www.ctuap.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद
1	प्रो. एम. शरतचंद्र बाबू	अध्यक्ष
2	डॉ. बोंथु कोटैया	सदस्य
3	डॉ. कुसुम	सदस्य
4	डॉ. तारकेश्वर राव इप्पिली	सदस्य
5	श्री मनीष कुमार	सदस्य
6	डॉ. एन. वी. एस. सूर्यनारायण	सदस्य सचिव

विषयसूची

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
	विज़न एवं उद्देश्य	1
	कुलपति की कलम से	2-3
	विश्वविद्यालय के बारे में	4
भाग-1: प्रशासन एवं शासन		
1.1	विश्वविद्यालय प्रशासन	5
1.2	कार्यकारी परिषद	6
1.3	वित्त समिति	7
1.4	शैक्षणिक परिषद	8-9
भाग-2: शैक्षणिक एवं गतिविधियाँ		
2.1	विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रम	10
2.2	शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए पात्रता मापदण्ड	11-12
2.3	शैक्षणिक वर्ष 2024–25 में प्रवेशित विद्यार्थियों का विवरण	13
2.4	शैक्षणिक वर्ष 2024–25 की शुल्क संरचना	14-15
2.5	विश्वविद्यालय में संकाय प्रणाली	16
2.6	विभाग और उनके संबंधित कार्यक्रम	17
2.7	संकायों के संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष	18
2.8	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	19-22
2.9	वनस्पति विज्ञान विभाग	23-31
2.10	व्यवसाय प्रबंधन विभाग	32-37
2.11	रसायन विज्ञान विभाग	38-49
2.12	कंप्यूटर विज्ञान विभाग	50-56
2.13	अंग्रेज़ी विभाग	57-59
2.14	भूविज्ञान विभाग	60-66
2.15	पत्रकारिता विभाग	67-71
2.16	सामाजिक कार्य विभाग	72-81
2.17	समाज शास्त्र विभाग	82-88
2.18	जनजातीय अध्ययन विभाग	89-96
2.19	पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग	97-104
2.20	सीटीयूएपी में कार्यक्रम एवं आउटरीच गतिविधियाँ	105-130
भाग-3: केन्द्रीय सुविधाएँ		
3.1	बुनियादी ढांचागत सुविधाएं	131
3.2	पोर्टेबल प्रयोगशालाएँ	131-139

	3.2.1 जैव प्रौद्योगिकी विभाग में उपकरण	
	3.2.2 वनस्पति विज्ञान विभाग में उपकरण	
	3.2.3 रसायन विज्ञान प्रयोगशालाएँ	
	3.2.4 कंप्यूटर लैब	
	3.2.5 सर्वर कक्ष	
	3.2.6 प्रयोगशाला / भूविज्ञान संग्रहालय	
	3.2.7 ग्रीन रूम उपकरण	
3.3	कौशल विकास केंद्र	140
3.4	केन्द्रीय पुस्तकालय	141-146
3.5	डॉ .अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र(डीएसीई)	147
3.6	परिवहन सुविधा	148
भाग-4: प्रकोष्ठ एवं समितियाँ		
4.1	समान अवसर प्रकोष्ठ	149
4.2	राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ (एनएनएस)	150
4.3	एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ	151-152
4.4	महिला प्रकोष्ठ	153-154
4.5	आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)	155-157
4.6	संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी)	158-159
4.7	अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी)	160
भाग-5: परीक्षा अनुभाग		
5.1	कार्य, डिजिटल पहल एवं उपलब्धियाँ	161-163
भाग-6: वित्तीय जानकारी		
6.1	वर्ष 2024–25 के लिए विश्वविद्यालय की वित्तीय जानकारी	164-165

विज़न एवं उद्देश्य

विज़न:

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का विश्वविद्यालय बनना , जो सीखने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने, उत्कृष्ट, प्रासंगिक शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करने, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश राज्य, राष्ट्र एवं विश्व के जनजातीय लोगों की व्यक्तिगत, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय प्रगति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हो ।

उद्देश्य:

व्यावसायिक और तकनी की विषयों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करना । उच्च शिक्षा एवं प्रशिक्षण के कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक लोगों को व्यापक पहुंच प्रदान करना । महिला शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना ।

कुलपति की कलम से

शैक्षणिक वर्ष 2024–25, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) के लिए उद्देश्यपूर्ण विकास और सुदृढ़ीकरण का काल रहा है। समावेशी एवं रूपांतरकारी शिक्षा को बढ़ावा देने की दृष्टि से, विशेषतः जनजातीय समुदायों के लिए, स्थापित विश्वविद्यालय ने अपने विशिष्ट अधिदेश के अनुरूप शैक्षणिक आधार, अनुसंधान उन्मुखता और सामुदायिक सहभागिता को निरंतर सशक्त कर रहा है।

इस वर्ष विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक सभी स्तरों पर सतत प्रगति बनाए रखी। समकालीन शैक्षणिक आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप नए शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत हेतु तैयारियाँ जारी हैं। शिक्षकों एवं विभागों ने अनुसंधान, प्रकाशन और सामुदायिक पहुँच गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया है, जिसने पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक शिक्षा के समन्वय के लिए समर्पित एक शिक्षण केन्द्र के रूप में सीटीयूएपी की भूमिका को सुदृढ़ किया है।

सीटीयूएपी के तीन अध्ययन संकाय अर्थात् विज्ञान संकाय, मानविकी एवं समाज विज्ञान संकाय तथा प्रबंधन अध्ययन संकाय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रासंगिकता के समन्वय को निरंतर आगे बढ़ाया है।

विश्वविद्यालय के तीनों संकायों ने सामूहिक रूप से विविध शैक्षणिक, अनुसंधान और सामुदायिक उन्मुख पहलों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, आउटरीच गतिविधियों, क्षेत्र अध्ययन और ग्रामीण उद्यम परियोजनाओं का आयोजन किया, जिससे विद्यार्थियों में नवाचार, अनुभवात्मक अधिगम और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहन मिला। जनजातीय जनसंख्या में सिकल सेल रोग पर आईसीएमआर-प्रायोजित चल रही अनुसंधान परियोजना स्वास्थ्य और आजीविका संबंधी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है।। विश्वविद्यालय ने "मिलेट्स क्वेस्ट 2025", "आदि चित्रा – राष्ट्रीय जनजातीय चित्रकार सम्मेलन", तथा अंतर-विश्वविद्यालय जनजातीय सांस्कृतिक सम्मेलन जैसे प्रमुख कार्यक्रमों की मेजबानी भी की, जो ज्ञान, सततता और जनजातीय विरासत के समन्वय का उत्सव हैं तथा जिसने सभी हितधारकों के बीच अंतरसांस्कृतिक समझ और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के प्रति सम्मान को प्रोत्साहित किया। सामूहिक रूप से, इन पहलों ने अनुसंधान, सृजनात्मकता और उद्यमशीलता को सुदृढ़ किया है, साथ ही समावेशी विकास और सामुदायिक सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया है, जिसके परिणामस्वरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध उत्कृष्टता और सामाजिक विकास के एकीकरण के विश्वविद्यालय के विज़न को और अधिक सुदृढता मिली है।

जनजातीय कौशल केंद्र ने कौशल विकास, आजीविका प्रशिक्षण और उद्यमिता संवर्धन के लिए जनजातीय युवाओं के बीच एक सक्रिय मंच के रूप में कार्य जारी रखा। अपनी निरंतर

गतिविधियों के माध्यम से इस केंद्र ने शिक्षा को रोजगार अनुकूल बनाते हुए स्थानीय कौशल पारिस्थितिकी को बढ़ावा दिया।

संस्थागत स्तर पर विश्वविद्यालय ने अधोसंरचना विकास, डिजिटल रूपांतरण एवं सुशासित तंत्र के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की। चिन्नामेडापल्ली और मर्रीवलासा में स्थायी परिसर की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई; शैक्षणिक सुविधाओं को उन्नत किया गया तथा केन्द्रीय पुस्तकालय को डिजिटल संसाधनों से समृद्ध किया गया। प्रशासनिक प्रक्रियाओं को डिजिटलीकरण और सहभागी शासन के माध्यम से अधिक सुव्यवस्थित किया गया। समान अवसर प्रकोष्ठ, संस्थागत नवाचार परिषद, एंटी-रैगिंग समिति एवं अन्य छात्र-कल्याण तंत्रों को और सुदृढ़ किया गया, जिससे एक समावेशी एवं सहयोगी शिक्षण वातावरण का विकास हुआ।

विश्वविद्यालय ने सरकारी एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और क्षेत्रीय संगठनों के साथ सहयोग को मजबूत करने की दिशा में भी प्रगतिशील कदम उठाए। इन साझेदारियों ने न केवल अनुसंधान एवं प्रसार गतिविधियों के अवसरों का विस्तार किया है, बल्कि जनजातीय कल्याण, सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण और सतत विकास में अर्थपूर्ण योगदान देने में सीटीयूएपी की क्षमता को भी सशक्त किया है।

जैसे जैसे विश्वविद्यालय अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, यह गहन शैक्षणिक सहभागिता, सुदृढ़ सक्रिय अनुसंधान सहयोग और प्रभावी सामुदायिक साझेदारियों की दिशा में आगे बढ़ने में अग्रसर है। हमारा सामूहिक प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि जनजातीय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल एवं अवसर प्रदान कर उनकी सामाजिक और आर्थिक उत्थान में योगदान दें।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं आंध्र प्रदेश सरकार के निरंतर सहयोग के साथ-साथ हमारे शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की निष्ठा से सीटीयूएपी को यह विश्वास है कि यह जनजातीय शिक्षा, अनुसंधान एवं सतत विकास हेतु एक मॉडल संस्थान के रूप में उभरता रहेगा।

यह वार्षिक प्रतिवेदन हमारी प्रगति और समावेशी, न्यायसंगत एवं सांस्कृतिक रूप से निहित शिक्षा को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

जय हिन्द! जय भारत!

प्रो. तेजस्वी वेंकप्पा कट्टीमनी
कुलपति

विश्वविद्यालय के बारे में

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, जिसकी स्थापना वर्ष 2019 में की गई, आंध्र प्रदेश के विजयनगरम् जिले के कोन्डाकरकम में स्थित एक प्रमुख केन्द्रीय विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना जनजातीय समुदायों की उच्च शिक्षा तक पहुँच की दीर्घकालिक आकांक्षा को पूरा करने हेतु की गई। यह विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अंतर्गत संचालित होता है तथा इसका क्षेत्राधिकार आंध्र प्रदेश राज्य में विस्तृत है एवं विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के माध्यम से पूर्णतः केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है। सीटीयूएपी का स्थायी परिसर वर्तमान में कुन्टीनवलसा और चिनामेडापल्ली गांवों में निर्माणाधीन है, जो विजयनगरम् जिले के मेंताडा और दत्तिराजेरु मंडलों में विस्तृत है।

सीटीयूएपी नियमित मोड में स्नातक, स्नातकोत्तर आदि विविध पाठ्यक्रम प्रदान करता है। प्रवेश प्रक्रिया नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के माध्यम से होती है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रूपांकित की गई है। स्थायी परिसर की स्थापना से अधोसंरचना और शैक्षणिक वातावरण में महत्वपूर्ण वृद्धि होने की अपेक्षा है।

विश्वविद्यालय एक मजबूत प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत संचालित होता है, जिसमें भारत के राष्ट्रपति कुलाध्यक्ष तथा कुलाधिपति औपचारिक प्रमुख के रूप में कार्यरत रहते हैं। कुलपति कार्यकारी अधिकारों का प्रभार संभालते हैं , जिन्हें कार्यकारी परिषद, वित्त समिति, शैक्षणिक परिषद, अध्ययन बोर्ड जैसे प्रशासनिक निकायों का सहयोग प्राप्त होता है, जो संस्थान के सुचारू संचालन और विकास को सुनिश्चित करते हैं। आगामी स्थायी परिसर की स्थापना विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा और अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के विश्वविद्यालय के मिशन को और आगे बढ़ाएगा।

भाग-1: प्रशासन एवं शासन

1.1 विश्वविद्यालय प्रशासन

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद
1	प्रो. टी. वी. कट्टीमनी	कुलपति
2	प्रो. टी. श्रीनिवासन	कुलसचिव (प्रभारी)
3	श्री सीएमए प्रताप केशरी दाश	वित्त अधिकारी
4	डॉ. शंकर रेड्डी कोल्ले	पुस्तकालयाध्यक्ष
5	प्रो. दीपक एम. शिंदे	परीक्षा नियंत्रक
6	श्री सुप्रिया दास	सहायक कुलसचिव
7	डॉ. दासरी नारायण	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
8	श्री वराह वेंकटा सतीश पी.	अनुभाग अधिकारी
9	श्री अंपलम कार्तिक	कनिष्ठ अभियंता

1.2 कार्यकारी परिषद

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद	पता एवं संपर्क
1	प्रो. टी. वी. कट्टीमनी	अध्यक्ष	कुलपति, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, विजयनगरम्, आंध्र प्रदेश – 535003
2	प्रो. जी. नागेश्वर राव	सदस्य	पूर्व कुलपति, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)
3	प्रो. अजैलिउ निउमाई	सदस्य	विभागाध्यक्ष, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति अध्ययन केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना)
4	प्रो. पी. विजया निर्मला	सदस्य	विभागाध्यक्ष, प्राणीशास्त्र विभाग, आदिकवि नन्नय्या विश्वविद्यालय, राजमहेंद्रवरम (आंध्र प्रदेश)
5	प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी	सदस्य	इतिहास विभाग, डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
6	प्रो. जी. पद्मजा	सदस्य	विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्य मनोविज्ञान केंद्र, चिकित्सा विज्ञान विद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना)
7	प्रो. आर. राजन्ना	सदस्य	कुलसचिव, कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर (कर्नाटक)
8	डॉ. आशुतोष मंडावी	सदस्य	जनसम्पर्क और विज्ञापन विभाग, कुशाभाऊ ठाकरे पी.ए.जे. विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)
9	श्रीमती वनाज़ा	सदस्य	राजनीति विज्ञान विभाग, सरकारी कला महाविद्यालय, डॉ. बी.आर.अम्बेडकर विधि, बेंगलुरु (कर्नाटक)
10	प्रो. रजनीश जैन	सदस्य	सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
11	श्री जे. श्यामला राव	सदस्य	प्रमुख सचिव, प्रभारी उच्च शिक्षा, आंध्र प्रदेश सरकार, विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश)

1.3 वित्त समिति

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद	पता एवं संपर्क
1	प्रो. टी. वी. कट्टीमनी	अध्यक्ष	कुलपति, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, विजयनगरम्, आंध्र प्रदेश – 535003
2	प्रो. जी. नागेश्वर राव	सदस्य	पूर्व कुलपति, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)
3	प्रो. वनाज़ा एम.	सदस्य	शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना)
4	प्रो. मनरूप सिंह मीना	सदस्य	प्रति उपकुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
5	प्रो. नंदिनी एन.	सदस्य	पर्यावरण विज्ञान विभाग, बेंगलूरु विश्वविद्यालय, बेंगलूरु (कर्नाटक)
6	संयुक्त सचिव (सीयू)	सदस्य	शिक्षा मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली
7	संयुक्त सचिव (सीयू)	सदस्य	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली – 110002

1.4 शैक्षणिक परिषद

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद	पता
1	प्रो. टी. वी. कट्टीमनी	अध्यक्ष	कुलपति, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, विजयनगरम्, आंध्र प्रदेश – 535003
2	प्रो. मनरूप सिंह मीणा	सदस्य	प्रति उपकुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय(इग्नू), नई दिल्ली
3	प्रो. आर. एस. सर्राजु	सदस्य	पूर्व प्रति उपकुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद (तेलंगाना)
4	श्री मुरली मनोहर पुत्ती	सदस्य	पूर्व सदस्य सचिव, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, एल.बी. स्टेडियम रोड, हैदराबाद (तेलंगाना)
5	प्रो. जी. गोपाल रेड्डी	सदस्य	पूर्व प्रति उपकुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी (बिहार)
6	डॉ. जी. कुमारस्वामी	सदस्य	वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, तारनाका, हैदराबाद (तेलंगाना)
7	प्रो. आर. पी. तिवारी	सदस्य	कुलपति, केंद्रीय पंजाब विश्वविद्यालय, भटिंडा (पंजाब)
8	प्रो. पी. सी. जोशी	सदस्य	पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
9	प्रो. बद्री नारायण तिवारी	सदस्य	निदेशक, जी. बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)
10	प्रो. एस. ए. कोरी	सदस्य	कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)
11	प्रो. एन. नगराजु	सदस्य	कुलपति, गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय, फाटक, संबलपुर (ओडिशा)
12	प्रो. राघवेन्द्र एच. फत्तेपुर	सदस्य	निदेशक, कॉलेज विकास परिषद (सीडीसी), रायचुर विश्वविद्यालय, रायचुर

13	प्रो. सुरेश वी. नडगौदार	सदस्य	कुलपति (कार्यवाहक) एवं कुलसचिव, कर्नाटक राज्य ग्रामीण एवं पंचायती राज विश्वविद्यालय, गडग (कर्नाटक)
14	प्रो. ई. सुरेश कुमार	सदस्य	पूर्व कुलपति, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, तारनाका, हैदराबाद
15	प्रो. पी. एल. पाटिल	सदस्य	कुलपति, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़ (कर्नाटक)
16	प्रो. देबप्रिया दत्ता	सदस्य	एडजंक्ट प्राध्यापक, अमृता विश्व विद्यापीठम, कोयंबटूर (तमिलनाडु)
17	प्रो. आदित्य प्रसाद दाश	सदस्य	पूर्व कुलपति, एशियाई सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान (एआईपीएच) विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (ओडिशा)
18	प्रो. अविनाश खरे	सदस्य	पूर्व कुलपति, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक (सिक्किम)
19	प्रो. रामदास गोमाजी आत्राम	सदस्य	कुलपति, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय, इंदौर (मध्य प्रदेश)
20	प्रो. राम शंकर कुरेल	सदस्य	निदेशक, बागवानी प्रौद्योगिकी संस्थान ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)
21	प्रो. काला गौड़ा बी. गुदासी	सदस्य	पूर्व कुलपति, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ (कर्नाटक)

भाग-2: शैक्षणिक एवं गतिविधियाँ

2.1 विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत शैक्षणिक कार्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करता है, जो क्षेत्र की जनजातीय समुदायों की शैक्षिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से रूपांकित हैं। विश्वविद्यालय एक समावेशी एवं बहुविषयी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देता है, जो समकालीन ज्ञान प्रणालियों का पारंपरिक स्वदेशी ज्ञान के साथ समन्वय करता है, तथा कौशल विकास, व्यवसायिक प्रशिक्षण, अनुसंधान-आधारित अधिगम और सामुदायिक सहभागिता पर विशेष बल दिया गया है। विश्वविद्यालय के मूल अधिदेश के अनुरूप जनजातीय भाषाओं, कला, संस्कृति एवं सतत आजीविकाओं के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाता है।। शैक्षणिक कार्यक्रमों, आउटरीच गतिविधियों तथा क्षमता-विकास पहलों के माध्यम से, सीटीयूएपी जनजातीय युवाओं को सशक्त बनाने, स्थानीय नेतृत्व को मजबूत करने और क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय विकास में सार्थक योगदान देने का निरंतर प्रयास करता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय जनजातीय शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरने के अपने विज़न की ओर अग्रसर है।

पाठ्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है: (स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम – 8; स्नातक पाठ्यक्रम – 5)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	अवधि
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम		
1	एम.ए. अंग्रेज़ी	2 वर्ष
2	एम.ए. समाजशास्त्र	2 वर्ष
3	एम.ए. जनजातीय अध्ययन	2 वर्ष
4	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	2 वर्ष
5	एम.एससी. रसायन विज्ञान	2 वर्ष
6	एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (एमए जेएमसी)	2 वर्ष
7	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	2 वर्ष
8	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू)	2 वर्ष
स्नातक पाठ्यक्रम		
9	बीएससी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऑनर्स/रिसर्च के साथ ऑनर्स)	4 वर्ष
10	बीएससी वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स/रिसर्च के साथ ऑनर्स)	4 वर्ष
11	बीएससी रसायन विज्ञान (ऑनर्स/रिसर्च के साथ ऑनर्स)	4 वर्ष
12	बीएससी भूविज्ञान (ऑनर्स/रिसर्च के साथ ऑनर्स)	4 वर्ष
13	बीबीए – पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन (ऑनर्स/रिसर्च के साथ ऑनर्स)	4 वर्ष

2.2 शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता मानदण्ड

क्र सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (सेमेस्टर)	प्रवेश हेतु न्यूनतम योग्यता
1	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	04	किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से 50% अंकों के साथ या संबंधित विश्वविद्यालय के ग्रेडिंग स्केल (एससी / एसटी / पी डब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए संबंधित विश्वविद्यालय के ग्रेडिंग स्केल पर 45% अंक या इसके समकक्ष) के साथ जैव रसायन विज्ञान / जैव सूचना विज्ञान / जैव प्रौद्योगिकी / वनस्पति विज्ञान / सूक्ष्म जीव विज्ञान / प्राणि विज्ञान / आनुवंशि की या समकक्ष विषय में स्नातक की डिग्री।
2	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से 50% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंकों) के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री।
3	एम.एससी. रसायन विज्ञान	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से विज्ञान संकाय की किसी भी शाखा में 50% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंकों) के साथ स्नातक की डिग्री, जिसमें रसायन विज्ञान एक विषय के रूप में होना चाहिए।
4	एम.ए. अंग्रेज़ी	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय जिसमें अंग्रेज़ी एक विषय हो, के साथ स्नातक की डिग्री तथा 50% अंक (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंक)।
5	एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से 50% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंकों) के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री।
6	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू)	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से 50% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंकों) के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री।
7	एम.ए. समाजशास्त्र	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय से 50% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंकों) के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री।
8	एम.ए. जनजातीय	04	किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय या विदेशी

	अध्ययन		विश्वविद्यालय से 50% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 45% अंकों) के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री।
9	बीबीए पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन (ऑनर्स / ऑनर्स विद रिसर्च)	08	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 40% अंकों) के साथ किसी भी विषय में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की है, आवेदन हेतु योग्य हैं ।
10	बी.एससी. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ऑनर्स / ऑनर्स विद रिसर्च)	08	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से 45% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 40% अंकों) के साथ गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान अथवा एम. बी. पी. सी. विषयों में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की हो, आवेदन हेतु योग्य हैं।
11	बी.एससी. वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स / ऑनर्स विद रिसर्च)	08	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 40% अंकों) के साथ जिसमें वनस्पति विज्ञान एक विषय हो, में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की हो, आवेदन हेतु योग्य हैं।
12	बी.एससी. रसायन विज्ञान (ऑनर्स / ऑनर्स विद रिसर्च)	08	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 40% अंकों) के साथ गणित, भौतिकी, एवं रसायन विज्ञान विषयों में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की हो, आवेदन हेतु योग्य हैं।
13	बी.एससी. भूविज्ञान(ऑनर्स / ऑनर्स विद रिसर्च)	08	किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से कुल मिलाकर न्यूनतम 45% अंकों (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी के मामले में 40% अंकों) के साथ 1. गणित, 2. भौतिकी, 3. रसायन विज्ञान, 4. भूविज्ञान, 5. जीवविज्ञान में से किसी भी तीन विषयों में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण की हो, आवेदन हेतु योग्य हैं।

2.3 शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के दौरान प्रवेशित विद्यार्थियों का विवरण

पाठ्यक्रम	स्वीकृत क्षमता	यूआर/सामान्य		ओबीसी		एस सी		एस टी		कुल
		(पुरुष)	(महिला)	(पुरुष)	(महिला)	(पुरुष)	(महिला)	(पुरुष)	(महिला)	
एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	20	3	5	3	6	1	–	1	–	19
एमबीए	20	8	2	5	2	2	1	1	1	22
एम.एससी. रसायन विज्ञान	20	8	1	4	1	–	2	–	1	17
एम.ए. अंग्रेज़ी	20	6	4	–	–	–	–	–	–	10
एम.ए. जे एम सी	20	1	4	–	–	–	–	–	–	5
एम एस डब्ल्यू	20	3	7	1	2	1	2	1	–	17
एम.ए. समाजशास्त्र	20	4	6	–	–	–	–	–	–	10
एम.ए. जनजातीय अध्ययन	20	7	2	–	–	–	–	–	–	9
बीबीए टी टी एम	30	10	5	1	–	–	–	2	–	18
बी.एससी. ए आई	30	10	6	5	3	–	2	2	–	28
बी.एससी. वनस्पति विज्ञान	30	3	12	–	–	–	–	–	–	15
बी.एससी. रसायन विज्ञान	30	11	1	–	–	–	–	–	–	12
बी.एससी. भूविज्ञान	30	5	5	–	–	–	–	–	–	10
संपूर्ण योग	310	79	60	19	14	4	7	7	2	192

2.4 शैक्षणिक वर्ष 2024–25 हेतु शुल्क संरचना

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	वर्षवार शुल्क विवरण				
		प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष	पंचम वर्ष
1	एम.एससी. रसायन विज्ञान	3460	3020	---	---	---
2	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	3820	3340	---	---	---
3	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एम एस डब्ल्यू)	3020	2580	---	---	---
4	एम.ए. समाजशास्त्र	3020	2580	---	---	---
5	एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार	3020	2580	---	---	---
6	एम.ए. अंग्रेज़ी	3020	2580	---	---	---
7	एम.ए. जनजातीय अध्ययन	3020	2580	---	---	---
8	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)	5740	5140	---	---	---
9	बी.एससी. रसायन विज्ञान (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)	3020	2690	2690	3240	---
10	बी.एससी. भूविज्ञान (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)	3020	2690	2690	3240	---
11	बी.एससी. वनस्पति विज्ञान (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)	3020	2690	2690	3240	---
12	बी.एससी. आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)	3340	2980	2980	3580	---
13	बीबीए (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन) (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च)	2980	2620	2620	5500	---
14	बी.कॉम वोकेशनल	3340	2980	2980	---	---

अन्य शुल्क:

सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को ₹1,000/- की वापसी योग्य सावधि जमा राशि जमा करनी होगी, जिसे सफलतापूर्वक नो ड्यूज़ प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर वापस कर दिया जाएगा।

आरक्षण:

विश्वविद्यालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय आरक्षण नीति का पालन करता है।

छात्रवृत्ति:

- विश्वविद्यालय पात्र विद्यार्थियों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर पंजीकरण कर छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने में सहायता प्रदान करेगा।
- विशेष रूप से आंध्र प्रदेश राज्य के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध जननभूमि छात्रवृत्ति हेतु भी विश्वविद्यालय पात्र विद्यार्थियों को आवेदन प्रक्रिया में सहायता प्रदान करेगा।

छात्रावास सुविधा:

वर्तमान में विश्वविद्यालय के पास कोई छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं है। हालाँकि, निकटवर्ती क्षेत्र में निजी हॉस्टल तथा पेइंग गेस्ट (पीजी) सुविधाएँ व्यक्तिगत भुगतान के आधार पर उपलब्ध हैं, जिन्हें विद्यार्थी स्वयं की जिम्मेदारी पर चुन सकते हैं।

प्लेसमेंट

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक पूर्णतः कार्यात्मक प्लेसमेंट प्रकोष्ठ है।

2.5 विश्वविद्यालय में संकाय प्रणाली

विश्वविद्यालय संकाय संरचना का अनुसरण करता है, जिसमें तीन संकाय, तेरह विभाग तथा चौदह पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। यह शैक्षणिक ढाँचा विद्यार्थियों को एक विविध शिक्षण वातावरण प्रदान करने हेतु निर्मित किया गया है, जिसमें सुदृढ़ शिक्षक–विद्यार्थी संवाद, तथा संरचना एवं लचीलेपन का संतुलित समायोजन शामिल है। संकाय प्रणाली का एक प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में सार्थक योगदान दे सकें।

क्र. सं.	संकाय	विभाग
1	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय	अंग्रेज़ी विभाग
		पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
		सामाजिक कार्य विभाग
		समाजशास्त्र विभाग
		जनजातीय अध्ययन विभाग
2	प्रबंधन अध्ययन संकाय	व्यवसाय प्रबंधन विभाग
		वाणिज्य विभाग
		पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग
3	विज्ञान संकाय	जैव प्रौद्योगिकी विभाग
		वनस्पति विज्ञान विभाग
		रसायन विज्ञान विभाग
		कंप्यूटर विज्ञान विभाग
		भूविज्ञान विभाग

2.6 विभाग एवं उनके संबंधित कार्यक्रम

क्र. सं.	विभाग का नाम	पाठ्यक्रम	
		स्नातक	स्नातकोत्तर
1	जैव प्रौद्योगिकी	–	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी
2	वनस्पति विज्ञान	बी.एससी. वनस्पति विज्ञान	–
3	व्यवसाय प्रबंधन	–	एमबीए
4	रसायन विज्ञान	बी.एससी. रसायन विज्ञान	एम.एससी. रसायन विज्ञान
5	कंप्यूटर विज्ञान	बी.एससी. आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स	–
6	अंग्रेज़ी	–	एम.ए. अंग्रेज़ी
7	भूविज्ञान	बी.एससी. भूविज्ञान	–
8	पत्रकारिता	–	एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार
9	सामाजिक कार्य	–	मास्टर ऑफ सोशल वर्क
10	समाजशास्त्र	–	एम.ए. समाजशास्त्र
11	पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन	बीबीए पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	–
12	जनजातीय अध्ययन	–	एम.ए. जनजातीय अध्ययन

2.7 संकायों के संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष

क्र. सं.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष	संकाय का नाम	संकायाध्यक्ष का नाम
1	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	डॉ. परिकीपांडला श्रीदेवी	विज्ञान	प्रो. टी. श्रीनिवासन
2	वनस्पति विज्ञान विभाग	प्रो. टी. श्रीनिवासन	विज्ञान	प्रो. टी. श्रीनिवासन
3	व्यवसाय प्रबंधन विभाग	डॉ. अप्पासाबा एल. वी.	प्रबंधन अध्ययन	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा
4	रसायन विज्ञान विभाग	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू	विज्ञान	प्रो. टी. श्रीनिवासन
5	कंप्यूटर विज्ञान विभाग	डॉ. बोंथु कोटैया	विज्ञान	प्रो. टी. श्रीनिवासन
6	वाणिज्य विभाग	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा	प्रबंधन अध्ययन	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा
7	अंग्रेज़ी विभाग	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू
8	भूविज्ञान विभाग	डॉ. सुरेश बाबू कालीदिंडी	विज्ञान	प्रो. टी. श्रीनिवासन
9	पत्रकारिता एवं विभाग	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू
10	सामाजिक कार्य विभाग	प्रो. टी. श्रीनिवासन	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू
11	समाजशास्त्र विभाग	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू
12	पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा	प्रबंधन अध्ययन	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा
13	जनजातीय अध्ययन विभाग	डॉ. अनिरुद्ध कुमार	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	प्रो. एम. सरतचन्द्र बाबू

2.8 जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग का परिचय:

2023 में स्थापित विश्वविद्यालय का जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शैक्षिक और अनुसंधान उत्कृष्टता का एक प्रतीक है। 20 विद्यार्थियों के शुरुआती प्रवेश के साथ, विभाग ने एक परिवर्तनकारी शिक्षण अनुभव प्रदान करने और जैव प्रौद्योगिकी ज्ञान की उन्नति में योगदान देने की यात्रा शुरू की है। विभाग में प्रवेश निष्पक्षता और योग्यता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। भावी विद्यार्थी राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित कॉमन विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) के माध्यम से कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरते हैं। यह जैव प्रौद्योगिकी से संबंधित विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अभ्यर्थियों की क्षमताओं का एक मानकीकृत एवं न्यायसंगत मूल्यांकन सुनिश्चित करता है। विभाग का पाठ्यक्रम उद्योग और शिक्षा जगत की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए ध्यानपूर्वक तैयार किया गया है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए, पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक सफलता के लिए तैयार करने के लिए, बल्कि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी) जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) परीक्षाओं जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रत्यक्ष भागीदारी के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।

पाठ्यक्रम में विविध प्रकार के विषय शामिल हैं, जिनमें आणविक जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, आनुवंशिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी के अन्य अत्याधुनिक क्षेत्र शामिल हैं। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव सैद्धांतिक ज्ञान के पूरक हैं और एक सर्वांगीण शिक्षा सुनिश्चित करते हैं। जैव प्रौद्योगि की विभाग के शिक्षक अनुभवी पेशेवर और शोधकर्ता हैं, जो विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने और उनमें जिज्ञासा की भावना को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं तक फैली हुई है, जो विद्यार्थियों को क्षेत्र की जटिलताओं को समझने के लिए मार्गदर्शन और सलाह प्रदान करती है। विभाग न केवल अकादमिक उत्कृष्टता , बल्कि अनुसंधान और नवाचार के लिए अनुकूल वातावरण बनाने पर भी केंद्रित है। विद्यार्थीयो को उद्योग भागीदारों के साथ अनुसंधान परियोजनाओं, इंटर्नशिप और सहयोगी प्रयासों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह व्यावहारिक अनुभव उन्हें अपने करियर में आनेवाली चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करता है ।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. परिकीपांडला श्रीदेवी	एम.एससी., पीएच.डी.	सह-प्राध्यापक	क्लिनिकल मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, पब्लिक हेल्थ

डॉ. परिकीपांडला श्रीदेवी

सह-प्राध्यापक

प्रकाशित शोध पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसआई / इंडेक्सिंग	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	नॉलेज, एटीट्यूड एंड प्रैक्टिसेज टुवर्ड्स सर्वाइकल कैंसर एंड इट्स स्क्रीनिंग अमंग वुमन फ्रॉम ट्राइबल पॉप्युलेशन ऑफ अनुप्पुर डिस्ट्रिक्ट.	जर्नल ऑफ प्रिवेंशन	पबमेड / डबल्यूओएस / एस्कोपस / एससीआईई	2	नहीं
2	इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) – सिकल सेल डिज़ीज़ (एससीडी) स्टिग्मा स्केल फॉर इंडिया (आईएसएसएसआई): अ प्रोटोकोल फॉर स्केल डेवलपमेंट.	जे. रेशियल एंड एथनिक हेल्थ डिस्पैरिटीज़	पबमेड / डबल्यूओएस / एस्कोपस / एससीआईई	7	नहीं
3	एक्सेस टू हेल्थकेयर अमंग ट्राइबल पॉप्युलेशन इन इंडिया: अ क्रॉस-सेक्शनल हाउसहोल्ड सर्वे.	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थ प्लैनिंग एंड मैनेजमेंट	पबमेड / डबल्यूओएस / एस्कोपस / एससीआईई	7	नहीं
4	क्रॉस-कल्चरल अडैप्टेशन, रिलायबिलिटी एंड वेलिडिटी ऑफ एमओएस शॉर्ट फॉर्म हेल्थ सर्वे (एसएफ-36) इन सिकल सेल डिज़ीज़ पेशेंट्स इन इंडिया. स्प्रिंगर नेचर पब्लिकेशंस.	इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूज़न (स्प्रिंगर)	पबमेड / डबल्यूओएस / एस्कोपस / एससीआईई	9	नहीं

प्रस्तुत शोध पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	स्ट्रैटेजीज़ एंड कॉम्प्रिहेन्सिव अप्रोच टू इंटीग्रेट ट्रेडिशनल हीलिंग प्रैक्टिसेज़ इन्टू मॉडर्न हेल्थ केयर सिस्टम. 8–9 जून 2024	एनविज़निंग न्यू भारत: एजुकेशनल रिफॉर्म्स एंड इंडिजिनस सिस्टम्स	टीएचईटीए और यूवीएएस, कोयंबटूर, तमिलनाडु	राष्ट्रीय

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	स्तर
1	कॉम्प्रिहेन्सिव केयर मॉडल फॉर डायग्नोसिस, ट्रीटमेंट एंड मैनेजमेंट ऑफ सिकल सेल डिज़ीज बाई इम्प्रूविंग कैपेसिटी ओएफ हेल्थ सिस्टम एंड कम्यूनिटी	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सिकल सेल डिज़ीज़ एडवांसेज ईन मैनेजमेंट एंड प्रीवेंशन	आईसीएमआर-सीआरएमसीएच, चंद्रपुर	अंतरराष्ट्रीय

2	रिसर्च एंड स्ट्रैटेजीज़ फॉर इंटीग्रेशन ऑफ ट्राइबल हीलिंग प्रैक्टिसेज़ इन कंटेम्पररी हेल्थ केयर सिस्टम	आयुर्धन 2024 - एन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ओन हार्मोनाइजिंग आयुर्वेदा, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फोर ए हेल्थियर फ्यूचर	यूनिवर्सिटी ऑफ पतंजलि, हरिद्वार	राष्ट्रीय
3	कॉम्प्रिहेन्सिव सिकल सेल पेशन्ट केयर थ्रू गवर्नमेंट हेल्थ सिस्टम एंड रिडक्शन ओएफ सोशल स्टिग्मा	महाराष्ट्र सिकल सेल टॉक सीरीज़	नेशनल एलायंस फोर सिकल सेल आर्गेनाइजेशंस (एनएएससीओ)	राष्ट्रीय
4	हार्नेसिंग बायोटेक्नोलॉजी फॉर एम्पावरिंग ट्राइबल कम्युनिटीज फोर ए सस्टेनेबल फ्यूचर	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "डेवलपिंग न्यू होराइजन्स फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट" ओन 6-7 फरवरी 2025	डिपार्टमेंट्स ओएफ फिजिकल साइंसेज & इंटरनल क्वॉलिटी एश्योरेंस सेल एट सेंट पायस एक्सडिग्री एवं पीजी कॉलेज, हैदराबाद	अंतरराष्ट्रीय
5	पब्लिक हेल्थ ऐज़ की करियर चॉइस : एड्रेसिंग इंडिया'ऍस् हेल्थ कंसर्न्स	इंटरडिसिप्लिनरी टॉक सीरीज़	सामाजिक कार्य विभाग, सीटीयूएपी	संस्थागत
6	ब्रिजिंग द गैप: मॉलिक्यूलर बायोलॉजी टेक्नीक्स ट्रांसफॉर्मिंग पब्लिक हेल्थ डायग्नॉस्टिक्स	नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग ट्रेंड्स इन बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी	डिपार्टमेंट ओएफ बायोटेक, बरहमपुर यूनिवर्सिटी, ओरिसा	राष्ट्रीय

सत्र की अध्यक्षता/रिसोर्स पर्सन:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	इन कैपेसिटी
1	रीसर्च एंड स्ट्रेटेजीज़ फ़ॉर इंटीग्रेशन ऑफ़ ट्राइबल हीलिंग प्रैक्टिसेज़ इन कॉन्टेम्परेरी हेल्थ केयर सिस्टम	फ़ैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (गुरु दक्षता), 9 दिसम्बर 2024	मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, म.प्र.	राष्ट्रीय
2	इंटीग्रेटिंग सोशल साइंस एंड पब्लिक हेल्थ: सोशियो-डेमोग्राफ़िक कोरिलेट्स ऑफ़ सर्वाइकल कैंसर रिस्क अवेयरनेस एंड प्रिवेंशन आफ्टर एचपीवी स्क्रीनिंग	वन-वीक शॉर्ट टर्म प्रोग्राम अंडर मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी),	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ पंजाब, भटिंडा, 19 फ़रवरी 2025	राष्ट्रीय
3	होलिस्टिक सोशल साइंस एप्रोचेज़ टू सिकल सेल केयर: स्ट्रेंथनिंग डायग्नोसिस, ट्रीटमेंट एंड कम्युनिटी सपोर्ट	वन-वीक शॉर्ट टर्म प्रोग्राम अंडर मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी),	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ पंजाब, भटिंडा, 18 फ़रवरी 2025	राष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	कार्यकारी परिषद सदस्य	केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
2	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग	केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
3	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी), वनस्पति विज्ञान विभाग	केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

अनुसंधान परियोजना:

क्र. सं.	शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	अवधि	स्वीकृत राशि	पीआई/ कोपीआई
1.	सिकल सेल डिज़ीज़-रिलेटेड स्टिग्मा, इकनॉमिक लॉस एंड क्वालिटी ऑफ़ लाइफ़ अमंग द ट्राइबल पॉपुलेशन ऑफ़ इंडिया – विजयनगरम, एपी	आईसीएमआर, न्यू दिल्ली	3 वर्ष (फ़रवरी 2023 टू जनवरी 2026)	80 लाख	पीआई

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल
1	समीक्षा संपादक	फ्रंटियर्स ऑफ़ एंडोक्रिनोलॉजी
2	समीक्षा संपादक	फ्रंटियर्स ऑफ़ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर
3	समीक्षक	मोलेक्यूलर बायोटेक्नोलॉजी
4	समीक्षक	द लैंसेट रीजनल हेल्थ – साउथईस्ट एशिया
5	समीक्षक	प्लोस वन पब्लिशर्स: प्लॉस जर्नल्स
6	समीक्षक	फ्रंटियर्स इन जेनेटिक्स पब्लिशर्स: फ्रंटियर्स जर्नल्स
7	समीक्षक	वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी पब्लिशर्स: बीएमसी स्प्रिंगर नेचर
8	समीक्षक	साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ पैरासिटोलॉजी पब्लिशर्स: एसएजेपी जर्नल्स

सम्मेलन, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	भूमिका	आयोजक
1.	टू-डे वर्कशॉप ऑन "ओपन एक्सेस पब्लिशिंग सपोर्टेड बाय ओआरसीआईडी-जीपीएफ़" ऑन 12-13 दिसम्बर 2024	2 दिन	कन्वीनर	आईआईटी-दिल्ली & सीटीयूएपी

पीएच.डी. पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1.	मिस्टर धीरेंद्र कुमार	क्लिनिकल प्रोफाइलिंग एंड मॉलिक्यूलर स्टडी ऑफ़ कॉम्प्लिकेशंस एसोसिएटेड विद सिकल सेल डिज़ीज़	ओंगोइंग

		एंड अदर हिमोग्लोबिनोपैथीज़ इन सेंट्रल इंडिया	

2.9 वनस्पति विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय:

जनजातीय विश्वविद्यालय विजयनगरम का वनस्पति विज्ञान विभाग आदिवासी ज्ञान परंपरा और वैज्ञानिक अनुसंधान की समन्वित भावना को प्रतिबिंबित करते हुए, वनस्पति संबंधी अनुसंधान और शिक्षा पर केंद्रित है, जिसमें जनजातीय अधिदेश पर विशेष बल दिया जाता है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध विजयनगरम क्षेत्र में स्थित यह विभाग अपने नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों और अनुसंधान पहलों के माध्यम से जनजातीय समुदायों में विद्यमान विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए समर्पित है।। वनस्पति विज्ञान विभाग,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020(एनईपी2020)के निर्देशों के अनुरूप,विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली वनस्पति विज्ञान शिक्षा प्रदान करने हेतु विविध शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग द्वारा संचालित प्रमुख पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं:

- बी.एससी.(ऑनर्स)वनस्पति विज्ञान: चार-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम, जिसमें पादप जीवविज्ञान की व्यापक आधारभूत समझ के साथ जनजातीय क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।
- बी.एससी.(ऑनर्स विथ रिसर्च)वनस्पति विज्ञान: चार-वर्षीय विशेषीकृत स्नातक पाठ्यक्रम, जिसमें मुख्य वनस्पति अध्ययन के साथ शोध कार्य का समावेश किया गया है।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
प्रो. टी. श्रीनिवासन	एम.एससी., पीएच.डी.	प्राध्यापक	प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी , बायो प्रॉस्पेक्टेशन
डॉ. अनिरुद्ध कुमार	एम.एससी., पीएच.डी.	सह - प्राध्यापक	प्लांट पैथोलॉजी

प्रो. टी.श्री निवासन
प्राध्यापक

सत्र की अध्यक्षता/रिसोर्स पर्सन:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक
1.	कल्टीवेटिंग द फ्यूचर एडवांसेज :इन प्लांट साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी फ़ॉर सस्टेनेबिलिटी 2025	वनस्पति विज्ञान विभाग, सीटीयूएपी	कन्वीनर एंड चेयर्ड साइंटिफ़िक सेशन-I

विश्वविद्यालय कोर्ट/अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पद का नाम	विश्वविद्यालय का नाम
1.	अध्यक्ष, अध्ययन बोर्ड, वनस्पति विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
2.	अध्यक्ष, अध्ययन बोर्ड, सामाजिक कार्य विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
3.	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, रसायन विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
4	डीआरसी अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
5	डीआरसी अध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
6	डीआरसी अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
7	डीआरसी अध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
8	डीआरसी अध्यक्ष, भूविज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
9	डीआरसी सदस्य, सामाजिक कार्य विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
10	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, वनस्पति विज्ञान विभाग	रायलसीमा यूनिवर्सिटी, कर्नूल
11	सदस्य, डिपार्टमेंटल कमेटी, वनस्पति विज्ञान विभाग	रायलसीमा यूनिवर्सिटी, कर्नूल
12	सदस्य सचिव, कोर्ट	सीटीयूएपी, विजयनगरम

पीएच.डी. पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	Status
1.	मिस्टर अमन साकेत	आइसोलेशन एंड स्ट्रक्चरल कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ़ अल्कलॉइड्स फ्रॉम *पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस एल.*एंड इवैल्यूएशन ऑफ़ देयर बायोलॉजिकल एक्टिविटी	ऑनगोइंग
2.	मिस हेना चौधरी	आइसोलेशन, स्ट्रक्चरल एंड फ़ंक्शनल कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ़ टैनेन फ्रॉम *पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस एल.*	ऑनगोइंग
3	मिस शिवानी सिंह	कैरेक्टराइज़ेशन एंड फ़ंक्शनल वैलिडेशन ऑफ़ कोफैक्टर्स इंड्यूस्ड मिटिगेशन ऑफ़ साल्ट स्ट्रेस इन	ऑनगोइंग

		ओराइज़ा सटाइवा एल.	

डॉ. अनिरुद्ध कुमार

सह - प्राध्यापक

प्रकाशित शोध पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईआईए सएस न.	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	फोर्टिफाइंग क्रॉप्स विद माइक्रोन्यूट्रीएंट्स फ़ॉर सस्टेनेबल ग्लोबल न्यूट्रिशनल सिक्योरिटी	एग्रोनॉमी जर्नल	1435-0645	11	सह लेखक
2.	बायोसिंथेसिस ऑफ़ सिल्वर नैनोपार्टिकल्स यूज़िंग ग्रीन टी एक्स लीफ़ एक्सट्रैक्ट एंड देयर बायोलॉजिकल एंड कीमोथेराप्युटिक एक्टिविटी	जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर	1872-8014	05	सह लेखक
3.	फाइटोकैमिकल स्क्रीनिंग एंड एंटीमाइक्रोबियल एक्टिविटीज़ ऑफ़ गुइज़ोटिया अबिस्सिनिका एललीफ़ . एंड फ्लावर एक्सट्रैक्ट्स	जर्नल ऑफ़ नेचुरल पेस्टिसाइड रिसर्च	2773-0786	05	सह लेखक

प्रकाशित अध्याय:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1.	मेजर प्रोटीन फ़ैमिलीज़ इनवॉल्व्ड इन प्लांट डिफ़ेन्स	आईओपी पब्लिशिंग लिमिटेड, यूके	03	सह लेखक

पुस्तक संपादित:

क्र. सं.	पुस्तक शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1.	एडवांसेज़ इन बायोकैमिकल एंड मॉलिक्यूलर मैकेनिज़्म्स ऑफ़ प्लांटपैथोजन इंटरैक्शन-	आईओपी पब्लिशिंग लिमिटेड, यूके	2	हाँ

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	नाइंथ एडिशन ऑफ़ ग्लोबल कॉन्ग्रेस ऑन प्लांट बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, हेल्ड ऑन मार्च 27–29, 2025 इन सिंगापुर थ्रू वर्चुअल मोड	मैग्नस ग्रुप एलएलसी, 150 साउथ वैकर ड्राइव #2400, शिकागो, आईएल 60606, यूएसए	अंतर्राष्ट्रीय
2	सेल वॉल डिग्रेडिंग एंज़ाइम लाइपेज़ डाउनरेग्युलेट द प्रोटीन्स एक्सप्रेशन इनवॉल्व्ड इन फ़ोटोसिंथेटिक प्रोसेसेज़	वनस्पति विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, सीटीयूएपी, विजयनगरम	राष्ट्रीय
3	प्लांट एक्सट्रैक्ट मॉड्युलेट्स राइस प्लांट फ़ोटोसिस्टम II एंड एंटीऑक्सिडेंट एंज़ाइम एक्टिविटी टू इंड्यूस रेसिस्टेंस	द अल्बीडो मीटिंग्स, ब्रूमफ़ील्ड, कोलोराडो 80020, यूनाइटेड स्टेट्स	अंतर्राष्ट्रीय
4	प्राइमिंग विथ प्लांट एक्सट्रैक्ट्स इन्ड्यूसिस डिफ़ेन्स इन होस्ट प्लांट अगेन्स्ट पाथोजन	स्कॉलर्स कॉन्फ्रेन्सेज़ लिमिटेड, इंग्लैंड, NE15 6DZ	अंतर्राष्ट्रीय
5	सेल वॉल डिग्रेडिंग एंज़ाइम लाइपेज़ डाउनरेग्युलेट द प्रोटीन्स एक्सप्रेशन इनवॉल्व्ड इन फ़ोटोसिंथेटिक प्रोसेसेज़	द अल्बीडो मीटिंग्स, ब्रूमफ़ील्ड, कोलोराडो 80020, यूनाइटेड स्टेट्स	अंतर्राष्ट्रीय

सत्र की अध्यक्षता/रिसोर्स पर्सन:

क्र. सं.	सम्मेलन / सेमिनार	आयोजक	दायित्व
1	कल्टीवेटिंग द फ्यूचर: एडवांसिस इन प्लांट साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी फ़ॉर सस्टेनेबिलिटी 2025	वनस्पति विज्ञान विभाग, सीटीयूएपी	ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी
2	9th ग्लोबल कॉन्ग्रेस ऑन प्लांट बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी	मैग्नस ग्रुप एलएलसी, 150 साउथ वैकर ड्राइव #2400, शिकागो, आईएल 60606, यूएसए	मोडरेटर

विश्वविद्यालय कोर्ट/अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, वनस्पति विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
2	अध्यक्ष, अध्ययन बोर्ड, जनजातीय अध्ययन विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
3	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, भूविज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
4	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
5	डीआरसी सदस्य, वनस्पति विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
6	डीआरसी सदस्य, डिपार्टमेंट ऑफ़ ट्राइबल स्टडीज़	सीटीयूएपी, विजयनगरम
7	डीआरसी सदस्य, वनस्पति विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम

अनुसंधान परियोजना:

क्र.	शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	अवधि	स्वीकृत	पीआई / को-

सं.				राशि	पीआई
1	सिकल सेल डिज़ीज़–रिलेटेड स्टिग्मा, इकोनॉमिक लॉस एंड क्वालिटी ऑफ़ लाइफ़ अमंग ट्राइबल पॉपुलेशन ऑफ़ इंडिया	आईसीएमआर, नई दिल्ली	3 वर्ष	₹49,000,00	को–पीआई

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	इम्पैक्ट फैक्टर
1	फ़ाइटोरिमेडिएशन ऑफ़ प्लांट पैथोजन फ़ाइटोप्लाज़्मा यूज़िंग लैन्टाना कैमरा एल. एक्सट्रैक्ट: ए नोवल अप्रोच	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फ़ाइटोरिमेडिएशन	3.1
2	पोटेंशियल यूज़ ऑफ़ आर्गेमोन ओक्रोल्यूका स्वीट एंड आर्गेमोन मैक्सिकाना लिन ऐज़ अल्टरनेटिव पेस्टिसाइड: ए सिस्टमेटिक रिव्यू ऑन देयर बायोलॉजिकल एक्टिविटी एंड फ़ाइटोकैमिस्ट्री	फिज़ियोलॉजिकल एंड मॉलेक्यूलर प्लांट पैथोलॉजी	3.3
3	सॉयल सस्टेनेबिलिटी इन द ग्लोबल एग्रीकल्चरल सिस्टम (बुक रिव्यू)	सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस बुक्स	पुस्तकों को इम्पैक्ट फैक्टर प्रदान नहीं किया जाता

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम / क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	वर्कशॉप ऑन ओपन एक्सेस पब्लिशिंग	2 दिन	संयुक्त रूप से सीटीयूएपी एवं आईआईटी दिल्ली

पीएच.डी.पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1	मिस्टर मदन मोहन	असेसमेंट ऑफ़ फ़ाइटोकैमिकल, न्यूट्रिशनल एंड मेटाबॉलिक प्रॉपर्टीज़ ऑफ़ फ़िंगर मिलेट (*एल्युसिन कोराकाना एल.)* लैंड्रेसेज़ (एनआरएल. नं.2001363006)	ऑनगोइंग
2	मिस्टर शरद के. दूबे	अंडरस्टैंडिंग द एंटीमाइक्रोबियल एक्टिविटीज़ ऑफ़ प्लांट एक्सट्रैक्ट्स एंड देयर रोल इन इंड्यूसिंग डिफ़ेन्स रिस्पॉन्सेज़ इन राइस प्लांट्स सस्टिबल टू बैक्टीरियल ब्लाइट डिज़ीज़ (एनआरएल. नं.2001363010)	ऑनगोइंग
3	मिस दीपिका नामदेव	कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ़ फ़ाइटो–केमिकल्स एंड असेसमेंट ऑफ़ क्रूड एक्सट्रैक्ट्स फ़ॉर एंटीऑक्सिडेंट एंड एंटीमाइक्रोबियल प्रॉपर्टीज़ (एनआरएल. नं.2002365003)	ऑनगोइंग

4	मिस्टर शिवम कुमार	अनरेवलिंग द जेनेटिक नेक्सस ऑफ़ कजानस कजान एल. विथ वाइल्ड एक्सेशन्स थ्रू एक्सप्लोरेशन ऑफ़ क्रूशियल जेनेटिक एलीमेंट्स टुवर्ड्स एन्हांसिंग एबायोटिक स्ट्रेस टॉलरेंस एंड प्रोडक्टिविटी (एनआरएल. नं.22050013)	ऑनगोइंग

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

कल्टीवेटिंग द फ्यूचर: एडवांसेज ईन प्लांट साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी फोर सस्टेनेबिलिटी – 2025

भूमिका

वनस्पति विज्ञान विभाग ने 27–28 फरवरी 2025 के दौरान "कल्टीवेटिंग द फ्यूचर: एडवांसेज ईन प्लांट साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी फोर सस्टेनेबिलिटी" विषय पर एक **राष्ट्रीय सम्मेलन- कम-कार्यशाला** का सफल आयोजन किया।

यह सम्मेलन शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं एवं शिक्षकों के लिए एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ, जहां जलवायु परिवर्तन, खाद्य असुरक्षा और पर्यावरणीय क्षरण जैसी वैश्विक चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई। विचार-विमर्श में इस तथ्य पर बल दिया कि पादप विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी सतत कृषि उत्पादन, जैव विविधता संरक्षण और टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

सम्मेलन का आयोजन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया था:

1. **अत्याधुनिक अनुसंधान का प्रदर्शन** – सततता में योगदान देने वाले पादप विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के हालिया प्रगतियों को प्रस्तुत करना।
2. **सहयोग को बढ़ावा देना** – शिक्षा, उद्योग और सरकारी संगठनों के बीच अंतरविषयक साझेदारी के अवसर प्रदान करना।
3. **शिक्षा एवं जागरूकता संवर्धन** – सततता से जुड़े मुद्दों पर ज्ञान के प्रसार को प्रोत्साहन देना।
4. **नीतिगत पहलुओं की खोज** – जैव प्रौद्योगिकी के जिम्मेदार विकास हेतु आवश्यक नियामक और नैतिक ढाँचे पर चर्चा करना।

उद्घाटन सत्र

उद्घाटन सत्र की शोभा प्रोअप्पा राव पोडिले ., पूर्व कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय, ने बढ़ाई, जो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में प्रोपोडिले . ने वैश्विक खाद्य एवं पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए पादप विज्ञान नवाचारों को सतत कृषि पद्धतियों के साथ समन्वित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सम्मेलन को और समृद्ध बनाने के लिए डॉ. अरविंद कुमार, उपाध्यक्ष, वैश्विक अनुसंधान एवं विकास, प्रसाद सीड्स प्रा. लि., हैदराबाद, तथा डॉ. राणा प्रताप सिंह, प्रोफ़ेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विशिष्ट वक्ता

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के अतिरिक्त, सम्मेलन में भारत के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से आए प्रख्यात वक्ताओं ने भी सहभागिता की। इनमें प्रमुख हैं:डॉ. हितेन्द्र के. पटेल, सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट, सीसीएमबी, हैदराबाद, डॉ. देबाशीष डे, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी, डॉ. प्रसांत कुमार सिंह, सह - प्राध्यापक, जैव रसायन

विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ. आर. कृष्णा चैतन्य, सह - प्राध्यापक, केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक, कलबुरगी, डॉ. राकेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, केंद्रीय विश्वविद्यालय कर्नाटक, कलबुरगी, डॉ. शालिनी मुदालकर, सहायक प्राध्यापक, फॉरेस्ट कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, हैदराबाद, डॉ. शुभ नारायण दास, सहायक प्राध्यापक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, डॉ. वी. श्रीहर्ष राचपुडी, सहायक प्राध्यापक, जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, डॉ. एस. जे. एस. रामादेवी, सहायक प्राध्यापक, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज़, संबलपुर विश्वविद्यालय, और डॉ. के. माधना शेखर, सहायक प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान विभाग, गितम स्कूल ऑफ साइंसेज़, विशाखापत्तनम।

इन सभी विशेषज्ञों ने तकनीकी सत्रों के माध्यम से पादप विज्ञान और सतत विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी में नवीन शोध प्रवृत्तियों, अभिनव पद्धतियों तथा व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान की।

भागीदारी और परिणाम

सम्मेलन में देशभर से सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कुल 25 प्रतिभागियों जिनमें संकाय सदस्य, शोधार्थी, स्नातकोत्तर तथा स्नातक विद्यार्थी शामिल थे, ने इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम में कई शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें फसल सुधार, स्ट्रेस फिज़ियोलॉजी, आणविक जीवविज्ञान, पर्यावरणीय जैवप्रौद्योगिकी तथा सतत कृषि जैसी विविध विषय-वस्तुओं को शामिल किया गया। इस आयोजन ने शैक्षणिक नेटवर्किंग और सहयोग को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया, जिससे विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और उद्योग के बीच भविष्य में अनुसंधान साझेदारियों की नींव पड़ी।

निष्कर्ष

"प्लांट साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी फोर सस्टेनेबिलिटी – 2025" पर आयोजित यह राष्ट्रीय सम्मेलन- कम -कार्यशाला शैक्षणिक रूप से मील का पत्थर सिद्ध हुई, जिसने विशिष्ट विशेषज्ञों और युवा शोधकर्ताओं को एक मंच पर लाकर विचारों का आदान-प्रदान करने और सतत समाधान बढ़ावा देने का अवसर प्रदान किया। सम्मेलन की विचार-विमर्श प्रक्रियाएँ और निष्कर्ष पौध विज्ञान एवं जैवप्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अनुसंधान को आगे बढ़ाने, भविष्य की नीतियों को दिशा देने तथा सतत प्रथाओं को प्रोत्साहित करने में सार्थक योगदान देने की अपेक्षा की जाती है।

छात्र उपलब्धियों की प्रमुख झलकियाँ – वनस्पति विज्ञान विभाग

बी.एससी.वनस्पति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर छात्र उपलब्धियाँ

- **सुश्री एल. सरन्या (नामांकन संख्या: 24104012)** ने भी कई कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। विज्ञान दिवस (26 फरवरी 2025) पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.एससी.वनस्पति विज्ञान पाँचवें सेमेस्टर – छात्र उपलब्धियाँ

- **सुश्री ज्योतिर्मयी बेहरा (नामांकन संख्या: 23204009)** स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर सीटीयूएपी में आयोजित समारोहों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जहाँ 15 अगस्त 2024 को आयोजित प्रतियोगिताओं में उन्होंने दौड़, खोखो और रिले में प्रथम पुरस्कार तथा वॉलीबॉल में द्व-ितीय पुरस्कार प्राप्त किया। 27 अप्रैल 2024 को आयोजित युवामंथन मॉडल यूनाइटेड नेशंस में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि (प्रथम पुरस्कार) का सम्मान प्राप्त किया। स्वच्छता पखवाड़ा 2024 (1–15 सितंबर 2024) में एथ्नोबॉटनी प्रदर्शनी और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- **श्री कोरोप्रोलु शिवा मणिकान्त (नामांकन संख्या: 23204011)** ने स्वच्छता पखवाड़ा 2024 में भाग लिया और प्रश्नोत्तरी में द्वितीय पुरस्कार और जेएएम (जस्ट ए मीनूट्स) में तृतीय पुरस्कार जीता। 10 सितंबर 2024 को MyGov कैंपस एम्बेसडर प्रोग्राम के अंतर्गत सीटीयूएपी कैंपस एम्बेसडर के रूप में चयनित हुए। उन्होंने विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2024–25 में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। 22 मार्च 2025 को आदित्य विश्वविद्यालय, सुरमपालेम में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त किया और इसके पश्चात 28 मार्च 2025 को आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में काकीनाडा जिले का प्रतिनिधित्व किया।
- **श्री अनीश बेहरा (नामांकन संख्या: 23204002)** ने 27 अप्रैल 2024 को आयोजित युवामंथन मॉडल यूनाइटेड नेशंस में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि पुरस्कार प्राप्त किया। 27 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रश्नोत्तरी और भाषण प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- **श्री केतावत किशन (नामांकन संख्या: 23204010)** ने स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) पर आयोजित खो-खो प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता। 28 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार तथा एथ्नोबॉटनी प्रदर्शनी में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- **सुश्री पिल्ला अश्लेशा (नामांकन संख्या: 23204016)** ने स्वच्छता पखवाड़ा 2024 (1 सितंबर 2024) में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। 27 अप्रैल 2024 को आयोजित युवामंथन मॉडल यूनाइटेड नेशंस में तृतीय मेरिट प्राप्त की। स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) पर वॉलीबॉल में द्वितीय पुरस्कार जीता। 27 अप्रैल 2024 को विश्व पृथ्वी दिवस भाषण प्रतियोगिता भाग लिया और सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- **सुश्री गूगुलोठ पल्लवी (नामांकन संख्या: 23204008)** ने स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) के अवसर पर सीटीयूएपी में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार और वॉलीबॉल में प्रथम पुरस्कार जीता।
- **श्री साईकिरण (नामांकन संख्या: 23204017)** ने स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) पर आयोजित प्रश्नोत्तरी और क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

- **श्री तलाठोती धनुष (नामांकन संख्या: 23204019)** ने स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) के अवसर पर सीटीयूएपी में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- **श्री बिबेकानंद मज़ी (नामांकन संख्या: 23204004)** ने स्वच्छता पखवाड़ा 2024 (1 सितंबर 2024) में प्रश्नोत्तरी में तृतीय पुरस्कार और प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। 27 अप्रैल 2024 को विश्व पृथ्वी दिवस पर जंक एंड आर्ट प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता। स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) के अवसर पर सीटीयूएपी में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता भाग लिया और में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

बी.एससी.वनस्पति विज्ञान नवें सेमेस्टर – छात्र उपलब्धियाँ

- **श्री एम. मोहन कल्याण (नामांकन संख्या: 21304006)** ने स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) के अवसर पर सीटीयूएपी में आयोजित प्रतियोगिताओं में क्रिकेट में प्रथम पुरस्कार और प्रश्नोत्तरी में उपविजेता स्थान प्राप्त किया।
- **सुश्री एस. सौम्या (नामांकन संख्या: 21304013)** ने स्वतंत्रता दिवस 2024 (15 अगस्त 2024) के अवसर पर सीटीयूएपी में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उपविजेता स्थान प्राप्त किया।

2.10 व्यवसाय प्रबंधन विभाग

विभाग का परिचय:

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश में व्यवसाय प्रबंधन विभाग एक प्रमुख विभाग है, जो दो-वर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम के माध्यम से उत्कृष्ट प्रबंधकीय कौशल और नेतृत्व क्षमताओं के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप विभाग के अनुभवी संकाय सदस्य, जिनमें शैक्षणिक योग्यता और उद्योग अनुभव का संतुलित समन्वय है, अतिथि व्याख्यान, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ, केस-आधारित शिक्षण और औद्योगिक भ्रमण जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर जोर देते हैं।शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विभाग एक गतिशील और व्यावहारिक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देता है, जो विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, और वास्तविक जीवन अनुप्रयोग विकसित करता है।विभाग एक विशेष प्लेसमेंट सेल के माध्यम से यह सुनिश्चित करता है कि हमारे विद्यार्थी न केवल ज्ञानवान हों, बल्कि अपने व्यावसायिक सफ़र को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग-तत्पर और आत्मविश्वासपूर्ण भी हों। एक समृद्ध अनुभव के लिए विभाग से जुड़ें, जहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता, व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और सर्वांगीण विकास के माध्यम से विद्यार्थियों को भविष्य नेता बनने हेतु तैयार किया जाता है।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. अप्पासाबा एल. वी.	एमबीए, पीएच. डी.	सह प्राध्यापक	उपभोक्ता व्यवहार; भावनात्मक बुद्धिमत्ता; रिटेलिंग; सोशल मीडिया मार्केटिंग; मूल्य प्रोत्साहन; विपणन अनुसंधान रणनीतियाँ; संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन
डॉ. गंगू नायडू मंडला	एमए, एम कॉम, एमबीए, पीएच. डी.	सहायक प्राध्यापक	सामान्य प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, व्यवहारिक वित्त एवं कॉर्पोरेट वित्त, सुरक्षा विश्लेषण, सूक्ष्म एवं समष्टि अर्थशास्त्र

डॉ. गंगू नायडू मंडला

सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईआई एसएस न.	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	ऑप्टिमाइज़िंग रिमोट वर्क परफ़ॉर्मेंस मैनेजमेंट: एथिकल इम्प्लिकेशंस ऑफ़ एआई एंड एआई एडवांसमेंट्स	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑप्टिमाइज़ेशन टेक्नीक्स इन द फ़ील्ड ऑफ़ इंजीनियरिंग	5076173	4	सह लेखक
2.	आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट ऑन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट : ऑपर्च्युनिटीज़ एंड चैलेंजेज़	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑप्टिमाइज़ेशन टेक्नीक्स इन द फ़ील्ड ऑफ़ इंजीनियरिंग	5081934	4	मुख्य लेखक
3	द राइज़ एंड फॉल ऑफ़ चंदा कोचरआईसीआईसीआई :'स गवर्नेंस ब्रेकडाउन एंड इट्स लिंकेंज टू एसडीजी	जर्नल ऑफ़ लाइफस्टाइल एंड एसडीजीज़ रिव्यू	2965-730X	6	सह लेखक
4	डिजिटल फ़ाइनेंशियल लिटरेसी इन रूरल हाउसहोल्ड्स : ए स्टडी ऑफ मन्यम पार्वतीपुरम डिस्ट्रिक्ट ईन आंध्र प्रदेश	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकनॉमिक पर्सपेक्टिव्ज़	1307-1637	4	मुख्य लेखक
5	इन्वेस्टर'ज़ अवेयरनेस टुवर्ड्स क्रिप्टो करंसी इन इंडिया	अकाडमी ऑफ़ मार्केटिंग स्टडीज़ जर्नल	1528-2678	1	मुख्य लेखक

प्रकाशित अध्याय:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1.	द इम्पैक्ट ऑफ़ साइकोलॉजिकल एंड कोविड-19 पैंडेमिक स्ट्रेस ऑन पीपल इन्वॉल्व्ड इन द एग्रीकल्चरल इंडस्ट्री, इकोनॉमिक्स एंड अप्लाइड इन्फ़ॉर्मैटिक्स,	दूनारिया दे जोस	02	हां

प्रस्तुत शोध पत्र:

1. मंडला, गंगू नायडू एंड आर. कासी रामन एंड इप्पिली, तारकेश्वर राव एंड पवार, वीलिस, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट ऑन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट: ऑपर्च्युनिटीज़ एंड चैलेंजेस (15 नवम्बर 2024). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द 3rd इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ऑप्टिमाइज़ेशन टेक्नीक्स इन द

फ़ील्ड ऑफ़ इंजीनियरिंग (आईसीओएफई -2024). उपलब्ध: एसएसआरएन: https://ssrn.com/abstract=5081934 http://dx.डीओआई.org/10.2139/ssrn.5081934

2. शेट्टीगर, रूपा एंड रविशंकर, ए. एंड पवार, वीलिस एंड मंडला, गंगू नायडू, ऑप्टिमाइजिंग रिमोट वर्क परफ़ॉर्मेंस मैनेजमेंट: एथिकल इम्प्लीकेशंस ऑफ़ एआई एंड एआई एडवांसमेंट्स (15 नवम्बर 2024). प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द 3rd इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ऑप्टिमाइज़ेशन टेक्नीक्स इन द फ़ील्ड ऑफ़ इंजीनियरिंग (आईसीओएफई-2024). उपलब्ध: एसएसआरएन: https://ssrn.com/abstract=5076173 http://dx.डीओआई.org/10.2139/ssrn.5076173.

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. औद्योगिक अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने 30 नवम्बर 2024 को काजू उद्योग का भ्रमण किया। इस औद्योगिक भ्रमण ने उन्हें काजू प्रसंस्करण विधियों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रथाओं तथा आपूर्ति श्रृंखला संचालन के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान की।

2. एमबीएके प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने 1–2 फरवरी 2025 को जीआईटीएएम विश्वविद्यालय में आयोजित उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनका उत्साह, समर्पण और उत्कृष्ट प्रदर्शन संस्थान की श्रेष्ठ भावना को दर्शाता है।

3. विद्यार्थियों ने 4 फ़रवरी 2025 को जीआईटीएएम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम में आयोजित विशेष व्याख्यान में भाग लिया, जिसे जीआईटीएएम विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ . वेंकटेश्वर राव द्वारा प्रस्तुत किया गया।

4. "सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन" पर विशेष व्याख्यान

प्रबंधन अध्ययन संकाय, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, विजयनगरम ने 21 फरवरी 2025 को दोपहर 2:00 बजे विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में "सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। सत्र के रिसोर्स पर्स श्री सिद्धारूडा कांबले, रीजनल सेल्स मैनेजर, वी स्टार क्रिएशन्स प्राइवेट लिमिटेड, (कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना) थे। अपने सारगर्भित व्याख्यान में श्री कांबले ने आज के प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिवेश में विक्रय एवं वितरण रणनीतियों के महत्व पर व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किए। उन्होंने यह रेखांकित किया कि प्रभावी विक्रय प्रबंधन और कुशल वितरण चैनल किस प्रकार संगठन की सफलता में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

5. उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण विकास को सशक्त बनाना पर व्याख्यान

प्रो. विष्णुकांत एस. चटपल्लि, पूर्व कुलपति, कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विश्वविद्यालय (केएसआरडीपीआरयू) ने "एम्पावरिंग रुरल डेवलपमेंट थ्रॉग एंटरप्रेन्योरशिप" विषय पर 7 मार्च 2025 को दोपहर 3:00 बजे विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक विशेष व्याख्यान दिया। यह कार्यक्रम प्रबंधन अध्ययन संकाय, सीटीयूएपी द्वारा आयोजित किया गया।

6. केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, विजयनगरम के प्रबंधन अध्ययन संकाय के विद्यार्थियों ने 4 फरवरी 2025 को आईआईएम विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित एपीसेंटर '25 – द ई-सुम्मिटऑफ़ आईआईएम विशाखापट्टनम में भाग लिया।"व्हेयर आइडियाज़ क्रिएट इम्पैक्ट" विषय पर आधारित इस शिखर सम्मेलन में उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों और उद्यमियों ने हिस्सा लिया, जिसने विद्यार्थियों को ज्ञान-विनिमय, नेटवर्किंग और उद्यमशीलता से संबंधित अंतर्दृष्टियों के लिए एक सशक्त मंच प्रदान किया।

2.11 रसायन विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय:

रसायन विज्ञान विभाग वर्तमान में तीन पाठ्यक्रम संचालित करता है: 4-वर्षीय बी.एससी. रसायन विज्ञान (ऑनर्स/ऑनर्स विथ रिसर्च), 2-वर्षीय एम.एससी. रसायन विज्ञान, पीएच.डी. (रसायन विज्ञान) । इन सभी कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप तैयार किया गया है। विभाग में उत्कृष्ट शोध-उन्मुख शिक्षकों की टीम तथा अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की उपलब्धता एक मजबूत शैक्षणिक एवं अनुसंधान वातावरण प्रदान करती है। विद्यार्थी प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे आईआईएससी, आईआईटी और राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में परियोजना कार्य एवं इंटर्नशिप में सक्रिय रूप से संलग्न हैं। विभाग में विश्वविद्यालय का सर्वाधिक प्लेसमेंट रिकॉर्ड भी है तथा अग्रणी औषधि उद्योग (फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज) के साथ सुदृढ़ सहयोग बनाए रखता है,जिससे विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट शैक्षणिक, शोध एवं करियर अवसर सुनिश्चित होते हैं।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू	एम.एससी., पीएच.डी.	प्राध्यापक	अकार्बनिक रसायन (इनोर्गेनिक केमिस्ट्री)
डॉ. सुरेश बाबू कालीदिंडी	एम.एससी., पीएच.डी.	सह प्राध्यापक	पदार्थ रसायन (मैटीरियल्स केमिस्ट्री)
डॉ. किशोर पडाला	एम.एससी., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	कार्बनिक रसायन (ओर्गेनिक केमिस्ट्री)

प्रो. एम. शरतचंद्र बाबू
प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन/आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	फ़ैसाइल सिंथेसिस ऑफ़ बेंजइमिडाज़ोल बेस्ड मोनो– एंड बाइ–मेटैलिक ज़िओलिटिक इमिडाज़ोल फ्रेमवर्क्स फ़ॉर एन्हैंस्ड CO_2 कैप्चर परफ़ॉर्मेंस	इनऑर्गेनिक केमिस्ट्री कम्युनिकेशन्स 165 (2024) 112576	1879-0259	7	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
2	इफ़ेक्ट ऑफ़ द कन्सन्ट्रेशन ऑफ़ निकेल नैनोपार्टिकल्स एंड आयन्स ऑन द जर्मिनेशन ऑफ़ सीड्स: इन्फ्लुएन्स ऑफ़ आफ्टर–इफ़ेक्ट्स ऑन यंग व्हीट सीडलिंग्स	नैनोबायोटेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, 19(5) (2024) 761–768	2635-1684	5	सह लेखक
3	रीसेंट एडवांसेज़ इन डुअल फ़ोटोरिडॉक्स / निकेल कैटलाइज्ड अल्कीन डाइ–कार्बो–फ़ंक्शनलाइज़्ड रिएक्शन्स	केम कम्यून., 60 (2024) 8946–8977	1364-548X	5	सह लेखक

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन "नैनोमैटेरियल्स फ़ॉर एनर्जी, कैटालिसिस एंड एनवायर्नमेंट" — "हाइड्रोजन स्टोरेज इन नैनोस्ट्रक्चर्ड मैटेरियल्स"	रसायन विज्ञान विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय (दिसम्बर 2024)	राष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	कार्यकारी परिषद सदस्य (ईसी), केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
2	अध्यक्ष, बीओएस, रसायन विज्ञान विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
3	अध्यक्ष, अध्ययन बोर्ड, विज्ञान एवं मानविकी	जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरजाडा, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	जर्नल	प्रकाशक

1	फ़्यूल	एल्सेवियर
2	केमिस्ट्री सेलेक्ट	वाइली
3	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाइड्रोजन एनर्जी	एल्सेवियर

पीएच.डी. पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1	अभिषेक दोसोडिया	थर्मोफिज़िकल एंड करोजन कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ़ एथिलीन ग्लाइकोल–बेस्ड नैनोफ़्लुइड्स फ़ॉर ऑटोमोटिव एंड सोलर थर्मल एप्लीकेशन्स.	2024 में प्रदान

डॉ. सुरेश बाबू कालीदिंडी
सह प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएस एन/आईएस बीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	एडवांसमेंट्स इन पोरस फ्रेमवर्क मैटेरियल्स फ़ॉर केमिरेसिस्टिव हाइड्रोजन सेंसिंग: एक्सप्लोरिंग MOFs एंड COFs	डाल्टन ट्रांज़ैक्शंस, 2025, 54(9), 3526–3550	1477-9234	5	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
2	कैटालिटिक गैस–ड्रिवन एक्सफोलिएशन ऑफ़ सल्फ़ोनिक एसिड–लिंक्ड कोवेलेंट ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क नैनोस्ट्रक्चर्स फ़ॉर हाइड्रोजन सेंसिंग	ACS एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स, 2024, 7(20), 23416–23422	2574-0970	10	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
3	स्पॉन्टेनियस्ली डेकोरेटेड पैलेडियम नैनोपार्टिकल्स ऑन रेडॉक्स–एक्टिव कोवेलेंट ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क फ़ॉर केमिरेसिस्टिव हाइड्रोजन गैस सेंसिंग	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाइड्रोजन एनर्जी, 2024, 81, 270–279	0360-3199	4	करेस्पॉन्डिंग ऑथर

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टॉल्क ओन "इनोवेटिव कैटलिस्ट्स फ़ॉर टर्निंग बायोमास इंटू वैल्यू–ऐडेड केमिकल्स" नैनोमैटेरियल्स फ़ॉर एनर्जी, कैटालिसिस एंड एनवायर्नमेंट (एनएमसीई-2024), हेल्ड फ्रॉम 5–7 दिसम्बर 2024	रसायन विज्ञान विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम	राष्ट्रीय
2	डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टॉल्क ओन "ग्रीन नैनो कैटालिसिस – हाइड्रोजन एनर्जी" एट द इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन बायो–बेस्ड एनवायर्नमेंट फ़ॉर सस्टेनेबल टेरिटरी (आईसी-बेस्ट), हेल्ड फ्रॉम 7–8 नवम्बर 2024	रसायन विज्ञान विभाग, , सरकारी महाविद्यालय (A), राजामुंद्री	अंतरराष्ट्रीय
3	डिलिवर्ड एन इनवाइटेड टॉल्क ओन "एचपीएलसी: बेसिक्स टू लेटेस्ट डेवलपमेंट्स" एट द वन–डे नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस्ड टेक्नीक्स फ़ॉर प्यूरीफिकेशन एंड कैरेक्टराइज़ेशन ऑफ़ ऑर्गेनिक कंपाउंड्स, ऑन 7 फ़रवरी 2025, स्पॉन्सर्ड डीएसटी - एसईआरबी	रसायन विज्ञान विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम	राष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	अध्यक्ष	अध्ययन बोर्ड, भूविज्ञान विभाग, सीटीयूएपी
2	सदस्य	अध्ययन बोर्ड, जैव प्रौद्योगिकी विभाग

अनुसंधान परियोजना:

क्र. सं.	शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	अवधि	स्वीकृत राशि	पीआई/ को पीआई
1	डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ गैस सेंसर्स बेस्ड ऑन सेमिकंडक्टर ऑक्साइड्स क्रिस्टलाइन फ्रेमवर्क हाइब्रिड्स (एसओ@सीएफ) फ़ॉर वाइड–रेंज डायनमिक हाइड्रोजन सेंसिंग	परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस)	मेजर	₹41,80,500	पीआई
2	डेवलपमेंट ऑफ़ काजू नट शेल लिक्विड (सीएनएसएल)–बेस्ड टर्मिटिसाइड फ़ॉर इको–फ्रेंडली पेस्ट कंट्रोल एंड वुड प्रिज़र्वेशन	सीटीयूएपी	माइनर	₹2,55,000	पीआई

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	जर्नल	प्रकाशक
1	एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स	अमेरिकन केमिकल सोसाइटी
2	एसीएस एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेज़	अमेरिकन केमिकल सोसाइटी
3	एडवांस्ड मैटेरियल्स	वाइली

पीएच.डी. पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1	वी. कृष्णवेणी	क्रिस्टलाइन फ्रेमवर्क्स एंड देयर मेटल हाइब्रिड्स फ़ॉर इफ़ेक्टिव हाइड्रोजन सेंसिंग एंड कैटालिसिस	सबमिटेड
2	पी. ह्यमवती	हाइड्रोजन जेनरेशन फ़्रॉम अमोनिया बोरेन ओवर मेटल–ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स	प्रगति पर

डॉ किशोर पडाला .
सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन/आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	रीसेंट एडवांसेज़ इन डुअल फ़ोटोरिडॉक्स / निकेल कैटालाइज़्ड अल्कीन कार्बो–फ़ंक्शनलाइज़्ड रिएक्शन्स	केम. कम्यून. 2024, 60, 8946–8977 (IF = 4.2)	1359-7345	5	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
2	ए कॉम्प्रिहेन्सिव एक्सप्लोरेशन ऑफ़ द सिनर्जिस्टिक रिलेशनशिप बिटवीन डीएमएसओ एंड पेरऑक्साइड इन ऑर्गेनिक सिंथेसिस	टॉपिक्स इन करंट केमिस्ट्री, 2024, 382, 36 (IF = 8.8)	2365-0869	6	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
3	रीसेंट एडवांसेज़ इन 4CzIPN–मेडिएटेड फ़ंक्शनलाइज़ेशन्स विथ एसिल प्रीकर्सर्स: सिंगल एंड डुअल फ़ोटोकैटलिटिक सिस्टम्स	केम. कम्यून. 2025, 61, 3601–3635 (IF = 4.2)	1359-7345	3	करेस्पॉन्डिंग ऑथर

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	**सम्मेलन**: 30th इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ऑर्गेनोमेटैलिक केमिस्ट्री (आईसीओएमसी), **टाइटल ऑफ़ द टॉक:** "बियॉन्ड मेटल्स: डीएमएसओरोल इन फ़ैसिलिटेटिंग C–C एंड C–N बॉन्ड सिंथेसिस"	30th इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ऑर्गेनोमेटैलिक केमिस्ट्री (आईसीओएमसी), जेपी पैलेस, आगरा, इंडिया, फ्रॉम 14–18 जुलाई 2024	अंतरराष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, बीओएस, रसायन विज्ञान विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

अनुसंधान परियोजना:

क्र. सं.	शीर्षक	वित्तपोषित संस्था	अवधि	स्वीकृत राशि	पीआई/को.

					पीआई
1	रोडियम कैटालाइज़्ड एनैन्टियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ़ साइक्लोप्रोपेन डेरिवेटिव्स एंड ऐप्लिकेशन टू नैचुरल प्रोडक्ट / बायोलॉजिकली एक्टिव मॉलेक्यूल्स	एसईआरबी, डीएसटी, इंडिया	दिसम्बर 2021 से मार्च 2025 (3 वर्ष)	₹38,79,832	पी आई

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	जर्नल	प्रकाशक
1	ऑर्गैनिक एंड बायोमॉलेक्यूलर केमिस्ट्री	आरएससी

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	रिफ्रेशर कोर्स इन केमिस्ट्री	20-01-2025 से 01-02-2025	मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी), हैदराबाद विश्वविद्यालय

पीएच.डी. पर्यवेक्षण (को-गाइड):

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1	श्री सुमित कुमार	डीएमएसओ ऐज़ ए सी1 सोर्स फ़ॉर मेटल–फ़्री सी–सीएंड सी–एनबॉन्ड फ़ॉर्मेशन	पूर्ण
2	श्री उप्पुलुरु अजय	सस्टेनेबल मेटल–फ़्री स्ट्रैटेजीज़ फ़ॉर द सिंथेसिस ऑफ़ हेटेरोसाइकल्स वाया अल्काइन फ़ंक्शनलाइज़ेशन	प्रगति पर

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

"रिसेंट ट्रेंड्स आईएन मैटीरियल साइंस रिसर्च & ग्लोबल अपॉर्च्यूनिटीज" पर संगोष्ठी

मटीरियल साइंस रिसर्च एक बड़ा और अंतःविषय क्षेत्र है जो मटीरियल्स की प्रॉपर्टीज़, स्ट्रक्चर और एप्लीकेशन्स को एक्सप्लोर करता है। यह भौतिकी, रसायन विज्ञान और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों को जोड़कर नए मटीरियल्स विकसित करता है या ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मेडिसिन वगैरह जैसे अलग-अलग एप्लीकेशन्स के लिए मौजूदा मटीरियल्स को बेहतर बनाता है।

इस संदर्भ में, रसायन विज्ञान विभाग ने 17-08-2024 को सीटीयूएपी सेमिनार हॉल में 'रिसेंट ट्रेंड्स ईन मैटीरियल्स साइंस रिसर्च & ग्लोबल अपॉर्च्यूनिटीज' पर एक दिन की संगोष्ठी का आयोजन किया। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के जाने-माने साइंटिस्ट, प्रो. बी.वी.आर. चौधरी इस कार्यक्रम के प्रतिष्ठित वक्ता थे। प्रो. चौधरी, जो ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए मटीरियल, खासकर ली-आयोन बैटरी पर अपने शुरुआती काम के लिए जाने जाते हैं, को 2018 में क्लैरिवेट एनालिटिक्स ने अत्यधिक उद्धृत शोधकर्ता के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी। सिंगापुर की मटीरियल्स रिसर्च सोसाइटी के अध्यक्ष और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ़ मटीरियल्स रिसर्च सोसाइटीज़ (आईयूएमआरएस) के पूर्व अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने दुनिया भर में मटीरियल साइंस को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रो. चौधरी ने 'रिसेंट एडवांसेज ईन मैटीरियल्स साइंस टॉवर्ड एनर्जी एप्लिकेशंस' पर एक व्याख्यान दिया और विज्ञान स्नातकों के लिए संभावनाओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में माननीय कुलपति, प्रो. टी.वी. कट्टिमनी द्वारा सुशोभित किया गया।

"इंडस्ट्री कनेक्ट: नेविगेटिंग द फार्मा लैंडस्केप" पर संगोष्ठी

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री एक तेज़ी से बदल रहा क्षेत्र है, जो अत्याधुनिक अनुसंधान, नियामक परिवर्तनों और तकनीकी प्रगतियों द्वारा प्रेरित है। नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा अनुसंधान और व्यावहारिक अनुप्रयोग दोनों के लिए अवसर सृजित करने हेतु शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के बीच सुदृढ़ सहयोग स्थापित करना अत्यंत आवश्यक है।

इस संदर्भ में, रसायन विज्ञान विभाग ने 30 अगस्त 2024 को सीटीयूएपी सेमिनार हॉल में 'इंडस्ट्री कनेक्ट: नेविगेटिंग द फार्मा लैंडस्केप' शीर्षक से एक दिन की संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डॉ. एएमएल पुन्ना राव, जनरल मैनेजर, डिविस लैबोरेटरीज और मिस्टर टी. श्रीनिवास रेड्डी, मैनेजिंग डायरेक्टर, रेनबो फार्मा ट्रेनिंग सेंटर हैदराबाद प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में शामिल हुए । दोनों विशेषज्ञों ने फार्मास्यूटिकल उद्योग के वर्तमान परिदृश्य पर सारगर्भित व्याख्यान दिए और इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले स्नातकों के लिए आवश्यक प्रमुख कौशलों पर भी विचार किया।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित छात्र आउटरीच कार्यक्रम एवं डीऍस्टी-सर्ब द्वारा प्रायोजित

सामाजिक वैज्ञानिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत (एसएसआर)डीएसटीएसईआरबी - परियोजना के तहत, विभाग ने 11 सितंबर, 2024 को सीटीयूएपी सेमिनार हॉल में एक दिन का छात्र आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जेडपीएचएस कोंडाकर्मा के 8वीं, 9वीं और 10वीं क्लास के 30 विद्यार्थियों ने केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रेरणा प्रदान करना और सार्थक सीखने के अनुभव उपलब्ध कराना था, इसमें प्रेरणादायक व्याख्यान, करियर मार्गदर्शन सत्र, पुरस्कारों सहित वाक्–प्रतियोगिता तथा हमारे उन्नत प्रयोगशालाओं और पुस्तकालय सुविधाओं का मार्गदर्शित भ्रमण शामिल था।।

प्रो. एम. शरतचंद्र बाबू, डॉ. सुरेश बाबू कालिडिंडी, और डॉ. किशोर पडाला ने विद्यार्थियों से बातचीत की, उन्हें करियर गाइडेंस दी और विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों और सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा, स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने आने वाले विद्यार्थियों के साथ बातचीत की, और उन्हें रसायन विज्ञान के क्षेत्र में प्रेरणा और जानकारी दी। यह कार्यक्रम बहुत सफल रहा,

इससे पढ़ाई में दिलचस्पी बढ़ी और इसमें हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को करियर के संभावित रास्तों के बारे में कीमती जानकारी मिली।

.

"फार्मा कनेक्ट: बिल्डिंग इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स" पर विशिष्ट व्याख्यान

फार्मास्यूटिकल उद्योग एक गतिशील और अत्यधिक विनियमित क्षेत्र है, जिसमें तकनीकी विशेषज्ञता, नियामक ज्ञान तथा सॉफ्ट कौशलों के संयोजन की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में सफल होने के लिए पेशेवरों में नियामक अनुपालन एवं प्रलेखन, डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या, अनुकूलनशीलता तथा सतत सीखने के प्रति प्रतिबद्धता जैसे आवश्यक कौशल होना अनिवार्य है।

इस संदर्भ में, रसायन विज्ञान विभाग ने 26 सितंबर 2024 को सीटीयूएपी सेमिनार हॉल में 'फार्मा कनेक्ट: बिल्डिंग इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स' नाम से एक व्याख्यान और छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में एक जाने-माने वक्ता, डॉ. गिरीश दीक्षित, अध्यक्ष, ईसाई फार्मा, विशाखापत्तनम और सीटीयूएपी प्रोफेसर ऑफ़ प्रैक्टिस शामिल थे। डॉदीक्षित ने फार्मास्यूटिकल . उद्योग में आवश्यक प्रमुख विशेषज्ञता क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जिनमें गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज़ (जीऍम्पी), गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिसेज़ (जीऍल्पी), और एफडीए द्वारा निर्धारित नियामक ढाँचे शामिल हैं।

ग्रीन एंड सस्टेनेबल केमिस्ट्री पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

सीटीयूएपी के रसायन विज्ञान विभाग ने 21-22 फरवरी, 2025 को "ग्रीन और सस्टेनेबल केमिस्ट्री" पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें जाने-माने वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ, शोधकर्ता और शिक्षाविद एक साथ आए। उद्घाटन समारोह में डॉ. बी.वी. शशिधर, डायरेक्टर, ईसाई फार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गेस्ट ऑफ ऑनर थे, और प्रो. अखिला कुमार साहू, हैदराबाद विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि थे। दोनों वक्ताओं ने पर्यावरणअनुकूल - रासायनिक प्रक्रियाओं और सतत औद्योगिक प्रथाओं पर विशेष बल दिया। सीटीयूएपी के कुलपति आधारित नवाचार के प्रति-कट्टिमणि ने शोध .वी .टी .प्रोविश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

आईआईटी, आईआईएसईआर, वीऐटी और ऐसीटी के जाने-माने वक्ताओं ने हरित संश्लेषण, उत्प्रेरण, नवीकरणीय ऊर्जा तथा अपशिष्ट प्रबंधन पर अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम में मुख्य सत्र, तकनीकी प्रस्तुतियाँ और पैनल चर्चा शामिल थीं, जिन्होंने रासायनिक उद्योग में सतत विकल्पों पर मूल्यवान विचार विमर्श को-प्रोत्साहित किया।।

इस सम्मेलन का आयोजन शिक्षकों प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू, डॉ. सुरेश बाबू और डॉ. किशोर पडाला ने द्वारा किया गया, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों और करीब 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने युवा शोधकर्ताओं के लिए नेटवर्किंग और भविष्य की शोध पहलों पर सहयोग का एक मंच प्रदान किया। सीटीयूएपी सतत रसायन विज्ञान में अनुसंधान को आगे बढ़ाने और वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

छात्र गतिविधियाँ

प्लेसमेंट:

क्र. सं..	नामांकन संख्या	विद्यार्थी का नाम	वर्तमान पद	संगठन का नाम
1	23101001	अटाडा अपाला राजू	रसायन विज्ञान प्रशिक्षु	डिवीस लेबोरेटरीज
2	23101003	बोड्डेपल्ली साई कुमार	रसायन विज्ञान प्रशिक्षु	डिवीस लेबोरेटरीज
3	23101009	जाजिमोग्गला रविकुमार	रसायन विज्ञान प्रशिक्षु	डिवीस लेबोरेटरीज
4	23101013	एन. चिरंजीवा नीलकंठम नायडू	रसायन विज्ञान प्रशिक्षु	डिवीस लेबोरेटरीज
5	23101019	ताले श्रीवन कुमार	रसायनज्ञ	ज़ेनेक्स फ़ैसिलिटी मैनेजमेंट
6	202021002005	चिर्रा लोकेश	रसायन विज्ञान प्रशिक्षु	डिवीस लेबोरेटरीज
7	202021002009	कड्डाला खगस्वर राव	रसायन विज्ञान प्रशिक्षु	डिवीस लेबोरेटरीज
8	202021002015	सिंगमपल्ली ज्योतिका	अनुसंधान सहयोगी प्रशिक्षु	सिंगीन साइंटिफ़िक सॉल्यूशंस लिमिटेड
9	22101016	एस. नीलावथी	रसायनज्ञ	डॉ. रेड्डी's
10	22101011	के. सौजन्या	रसायनज्ञ	डॉ. रेड्डी's
11	201920003013	गुग्गिलापु साई सिरीषा	रसायनज्ञ	डेक्कन फ़ाइन केमिकल्स, विशाखापत्तनम

उच्च शिक्षा

क्र. सं.	नामांकन संख्या	विद्यार्थी का नाम	वर्तमान पद	संगठन का नाम
1	202021002003	बोनी विकास	पीएचडी	गितम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम
2	202021002016	उम्मिडी एषिता	पीएचडी	गितम विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम
3	201920003019	माजी दिव्या	पीएचडी	गितम विश्वविद्यालय, हैदराबाद
4	201920003022	नरिसिपुरम काय्या	परियोजना सहायक	गितम विश्वविद्यालय, हैदराबाद

5	22101013	नवीन कुमार	परियोजना सहायक	गितम विश्वविद्यालय, हैदराबाद
6	22101009	जीवीकेएम कृष्ण प्रसाद	पीएचडी	वीआईटीएस, चेन्नई
7	22101007	जिनोप्रगतीश बी	पीएचडी	एसआरएम, आंध्र प्रदेश
8	22101014	पी. वराहलु	पीएचडी	एसआरएम, आंध्र प्रदेश

2.12 कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विभाग का परिचय:

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में की गई है |विभाग ने 2021-22 तक साइबर सुरक्षा में डिप्लोमा, कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जैसे कार्यक्रम संचालित किए। वर्तमान में, विभाग 30 की प्रवेश क्षमता के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्नातक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है, जो कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में उभरती हुई व्यापक तकनीक है। विभाग का उद्देश्य गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना और कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगि की के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लक्ष्य को प्राप्त करना है। तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगि की और नवाचार की निरंतर आवश्यकता के साथ, विभाग, शिक्षा और सूचना प्रौद्योगि की उद्योग दोनों में गुणवत्ता पूर्ण पेशेवर तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से , विश्वविद्यालय का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्नातक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल अनुप्रयोग आधारित अनुसंधान में इंटर्नशिप प्रदान करता है, बल्कि स्थानीय/राष्ट्रीय/एमएनसी आईटी/आईटी ईएस उद्योगों में आयोजित की जा रही विस्तार गतिविधियों के लिए अवसर भी प्रदान करता है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग राज्य/राष्ट्रीय/एमएनसी स्तर की कंपनियों में सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर/नेटवर्किंग सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)/सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं (आईटीईएस) जैसी सेवाओं के साथ अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है ताकि विद्यार्थीयो की रोजगार क्षमता को मजबूत किया जा सके और अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के पूरा होने से पहले उन्हें इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए जा सकें।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. बोंथु कोटैया	पीएचडी	सह प्राध्यापक - एवं हेड	डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, सॉफ़्ट कम्प्यूटिंग, न्यूरल नेटवर्क्स, फ़ज़ी लॉजिक, न्यूरो-फ़ज़ी सिस्टम्स, रिकमेंडर सिस्टम्स, साइबर क्राइम्स और साइबर सिक्योरिटी, डेटा साइंस
डॉ. पी. एस. लता कल्यामपुडी	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	क्लाउड कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग, वायरलेस कम्युनिकेशंस, साइबर सिक्योरिटी, कम्प्यूटर विज़न

डॉ. बोंथु कोटैया
सह - प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन/ आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	ए सर्वे ऑन क्रिप्टोकरेन्सी प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग हाइब्रिड अप्रोचेस ऑफ़ डीप लर्निंग मॉडल्स	आईईईई एक्सप्लोर	979-8-3503-2142-5	2	प्रथम लेखक
2	क्रिप्टोकरेन्सी प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग द टेक्नीक ऑफ़ डीप लर्निंग एंड सेंटिमेंट एनालिसिस	एआईपी पब्लिशिंग	978-0-7354-4796-7	2	प्रथम लेखक
3	बिटकॉइन प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग एलएसटीएम एंड सीएनएन	एसएसआरएन	5190840	3	प्रथम लेखक

प्रस्तुत शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	क्रिप्टोकरेन्सी प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग द टेक्नीक ऑफ़ डीप लर्निंग	सम्मेलन	मैनचेस्टर मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
2	ए सर्वे ऑन क्रिप्टोकरेन्सी प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग हाइब्रिड अप्रोचेस डीप लर्निंग मॉडल्स	सम्मेलन	RVS इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
3	बिटकॉइन प्राइस प्रेडिक्शन यूज़िंग एलएसटीएमएंड सीएनएन	सम्मेलन	मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

पीएच.डी. पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1	सुश्री संध्या सत्यार्थी	एजाइल सॉफ़्टवेयर रिक्वायरमेंट स्पेसिफ़िकेशन सिक्योरिटी एनालिसिस यूज़िंग एसएएसटी टूल्स	अवार्डेड
2	मोहम्मद मुस्तफ़ीज़ उल हक़	हाइब्रिड एमओओसी रिकमेंडेशन सिस्टम यूज़िंग मशीन लर्निंग टेक्नीक्स	अवार्डेड
3	सुश्री इस्मत फ़ातिमा	डीप लर्निंग बेस्ड स्मार्ट रिकमेंडेशन सिस्टम फ़ॉर टूरिज़्म यूज़िंग बिग डेटा एनालिटिक्स	प्रगति पर

डॉ. पी.एस. लता कल्यामपुडी

सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन/आईएसबीएन / डीओआई	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	ब्रेस्ट लम्प असेसमेंट: ऐन IoT–इंटीग्रेटेड फ्रेमवर्क विथ एडवांस्ड लोकलाइज़ेशन टेक्नीक्स	डेटा एंड मेटाडेटा	https://doi.org/10.5294/dm2025849	7	सह लेखक

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, बीओएस — कंप्यूटर विज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
2	सदस्य, अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी) — अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी)	सीटीयूएपी, विजयनगरम

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल / सम्मेलन	इम्पैक्ट फ़ैक्टर
1	थम्बक्राफ्ट: ऑटोमेटेड थम्बनेल जेनरेटर	9th इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन कम्प्यूटर विज़न एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी -2024)	–
2	इफ़िशिएंट डीप लर्निंग फ्रेमवर्क फ़ॉर ग्लॉकोमा डिटेक्शन इन कलर फ़ंडस इमेजेज़	9th इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन कम्प्यूटर विज़न एंड इमेज प्रोसेसिंग (सीवीआईपी -2024)	–

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	कैपेसिटी बिल्डिंग फ़ॉर प्रमोटिंग ऑफ़ पॉज़िटिव मेंटल हेल्थ, रेज़िलियंस एंड वेलबीइंग इन हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स (एचई)	08.01.2025	मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (एमएमटीटीपी)
2	जावा फ़ुल स्टैक विथ रिएक्ट जेएस और एआई	02.12.2024 से 22.12.2024	बैरिनोविज़न सॉल्यूशन्स इंडिया प्रा. लि., हैदराबाद द्वारा, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), आई-एसटीईएम, भारत सरकार के सहयोग से
3	ओरसीआइडीसपोर्टेड टू–डे वर्कशॉप ऑन ओपन एक्सेस पब्लिशिंग	12.12.2024 से 13.12.2024	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के केन्द्रीय पुस्तकालय के सहयोग तथा ओरसीआइडी जीपीएफ के समर्थन से।

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

"जावा फुल्ल स्टैक विथ रिएक्ट जेऍस् एंड एआई" पर राष्ट्रीय स्तर का अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऍस्टीटीपी)

एआईसीटीई, नैसकॉम और ब्रेन ओ विजन के साथ मिलकर 2 से 21 दिसंबर 2024 तक "जावा फुल्ल स्टैक विथ रिएक्ट जेऍस् एंड एआई" पर एक वर्चुअल राष्ट्रीय स्तर का अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ऍस्टीटीपी) आयोजन किया, इस कार्यक्रम की मेज़बानी विभाग के अध्यक्ष डॉ. बोंथु कोटैया ने की, कार्यक्रम का समन्वय किया और विभाग के सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सक्रिय रूप से शामिल हुए तथा प्रमाण पत्र प्राप्त किए।

इस 15-दिवसीय प्रशिक्षण में व्यावहारिक प्रदर्शन सहित एक व्यापक पाठ्यक्रम शामिल था। पहले चरण (दिन 1–3) में जावा की मूल बातें, ओओपी अवधारणाएँ और रिएक्ट के मूल तत्वों का परिचय दिया गया । दिन 4–6 में स्प्रिंग बूट, रेस्ट एपीआईएस और रिएक्ट इंटीग्रेशन एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। दिन 7–9 में जावा स्ट्रीम्स, मल्टीथ्रेडिंग और एआई की मूल बातें, जिसमें मशीन लर्निंग और एपीऐ उपयोग शामिल थे, को विस्तारित रूप से कवर किया गया। दिन 10–12 में रिएक्ट के साथ एआई एकीकरण, रियल-टाइम एआई कार्यों का कार्यान्वयन करने और एआई एप्लीकेशन के लिए यूऐ/यूऍक्स् डिजाइन करने पर पर जोर दिया गया। अंतिम चरण (दिन 13–15) में डॉकर और क्लाउड सेवाओं का इस्तेमाल करके परियोजना कार्यान्वयन, परीक्षण, डीबगिंग और डिप्लॉयमेंट पर ज़ोर दिया गया।

इस ऍस्टीटीपी के माध्यम से विद्यार्थियों ने जावा फुल्ल स्टैक, रिएक्ट.जेऍस् और एआई में व्यापक कौशल सेट प्राप्त किया, जिससे इंटेलिजेंट एप्लीकेशन के एंड-टू-एंड डेवलपमेंट विकास में सक्षम हुए । इस प्रशिक्षण ने उनकी रोजगार क्षमता, बहुमुखी प्रतिभा और उद्योग तैयारियों को बढ़ाया, जिससे वे फुल-स्टैक डेवलपर, एआई विशेषज्ञ और सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर करियर के लिए तैयार हुए, साथ ही उभरती तकनीकों में उनके कौशल को भविष्य के लिए भी तैयार किया।

विंग्स ऑफ़ इनोवेशन:एम्पावरिंग स्किल्स थ्रॉ ड्रोन टेक्नोलॉजी

दो-दिवसीय कार्यशाला, "विंग्स ऑफ़ इनोवेशन: एम्पावरिंग स्किल्स थ्रॉ ड्रोन टेक्नोलॉजी", 12–13 मार्च 2025 को। कार्यशाला का उद्देश्य तकनीक में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, जिसमें कृषि, वानिकी, निगरानी और संबंधित करियर अवसरों में इसके अनुप्रयोगों को रेखांकित किया गया।

पहले दिन कृषि में ड्रोन इमेजिंग (मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग, फसल निगरानी, मिट्टी विश्लेषण), एग्रोफॉरेस्ट्री में ड्रोन अनुप्रयोग (वन मानचित्रण, वन्यजीव संरक्षण, आपदा प्रतिक्रिया), तथा निगरानी ड्रोन और पायलट प्रशिक्षण पर तकनीकी सत्र शामिल थे, जिन्हें सीटीयूएपी और सेंचुरियन यूनिवर्सिटी यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किया गया।

दूसरे दिन ड्रोन से माध्यम से कृषि रसायन छिड़काव, व्यावहारिक पायलट प्रशिक्षण, प्रमाणन और सेंटुरियन यूनिवर्सिटी की ड्रोन रिसर्च सुविधा (सुपर बी लैब) की फील्ड विज़िट शामिल थी, जहाँ प्रतिभागियों को ड्रोन निर्माण, कैलिब्रेशन और औद्योगिक अनुप्रयोगों का प्रत्यक्ष अनुभव मिला।

समापन सत्र में सीटीयूएपीकी तकनीक-आधारित शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं प्रतिक्रिया प्रदान की गई। कार्यशाला ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को तकनीकी विशेषज्ञता, व्यावहारिक कौशल और उद्योग-संबंधी अंतर्दृष्टियों से सुसज्जित किया,जिससे विश्वविद्यालय के नवाचार, कौशल विकास और उभरती प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित दृष्टिकोण को और मजबूत किया गया।

जॉब-रेडी स्किल्स पर जागरूकता

19 मार्च 2025 को कंप्यूटर लैब में सेंटुरियन यूनिवर्सिटी, विजयनगरम के विभागाध्यक्ष डॉ. शुभ्रत कुमार परीदा द्वारा कोडिंग स्किल्स पर एक सत्र आयोजित किया गया। डॉ. परीदा ने कोडिंग कौशल को बढ़ाने, साक्षात्कार की तैयारी करने और सॉफ्टवेयर उद्योग में करियर अवसरों का अन्वेषण करने पर मूल्यवान अंतर्दृष्टियाँ साझा कीं। उन्होंने उद्योग की प्रवृत्तियों, कौशल विकास पर जोर दिया और छात्रों को प्रौद्योगिकी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। चर्चा किए गए करियर अवसरों में एल्गोरिदम स्पेशलिस्ट, एआई/एमलविशेषज्ञ, साइबर सिक्योरिटी इंजीनियर, रिसर्च साइंटिस्ट, रोबोटिक सर्जिकल टेक्नीशियन, ग्राफिक डिजाइनर, कंटेंट डेवलपर, और इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स मैनेजर जैसी भूमिकाएँ शामिल थीं, जिससे विद्यार्थियों की उभरते तकनीकी क्षेत्रों के प्रति जागरूकता बढ़ी।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

1. श्री वी. वी. वासु, द्वितीय वर्ष बी.एससी. एआई, ने 19.10.2024 को विशाखापत्तनम में भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता, विज़न फॉर विकसित भारत (विविभा-2024) में भाग लिया और शोध पत्र पुरस्कार के लिए एक सर्टिफिकेट प्राप्त किया।
2. सुश्री के. राजश्री, द्वितीय वर्ष बी.एससी. एआई, ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।
3. सुश्री के. राजश्री, द्वितीय वर्ष बी.एससी. एआई, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित वाद-विवाद (इलोक्यूशन) प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।
4. सुश्री के. सिंधुजा और सुश्री बी. लिप्सिका, द्वितीय वर्ष बी.एससी. एआई, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित वाद-विवाद (इलोक्यूशन) प्रतियोगिता में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार जीता।

5. श्री वी. वी. वासु, द्वितीय वर्ष बी.एससी. एआई, ने विकसित भारत–2047 कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार जीता।
6. श्री डी. सिंद्दंथ टी, द्वितीय वर्ष बी.एससी. एआई, ने विकसित भारत–2047 कार्यक्रम के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित अपशिष्ट से आश्चर्य (वेस्ट टू वंडर) प्रतियोगिता में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार जीता।
7. श्री रोशन कुमार, प्रथम वर्ष बी.एससी. एआई, ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।

2.13 अंग्रेज़ी विभाग

विभाग का परिचय:

अंग्रेज़ी विभाग, भाषा, साहित्य और संचार अध्ययन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। एक विषय के रूप में अंग्रेज़ी आलोचनात्मक सोच, सृजनात्मकता, सांस्कृतिक जागरूकता और विश्लेषणात्मक कौशल को विकसित करती है, जो व्यक्तिगत, पेशेवर और शैक्षणिक विकास के लिए आवश्यक हैं। विभाग का उद्देश्य साहित्यिक परंपराओं, समकालीन कथाओं और भाषाई दक्षता की गहन समझ विकसित करना है, करने के साथ साथ विद्यार्थियों को विविध सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोणों के साथ संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करना है।

विभाग दो-वर्षीय मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए.) इन अंग्रेज़ी कार्यक्रम प्रदान करता है, जिसे साहित्यिक अध्ययन, आलोचनात्मक सिद्धांत और भाषा दक्षता में मजबूत आधार देने के लिए तैयार किया गया है। पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को विभिन्न साहित्यिक विधाओं, वैचारिक ढाँचों और अंतर्विषयक दृष्टिकोणों का अन्वेषण करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे उन्नत शैक्षणिक, अनुसंधान और संचार कौशल विकसित कर सकें। कक्षा शिक्षण, साहित्यिक गतिविधियाँ, संगोष्ठियाँ और शोध परियोजनाओं के माध्यम से यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को अकादमिक, अनुसंधान, मीडिया, सामग्री विकास, रचनात्मक कला, प्रशासनिक सेवाएं और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए तैयार करता है।.

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. बालुमुरी वेंकटेश्वरलु	एम.ए., एम.एड., पीएच.डी.	सहायक प्राध्यापक	अंग्रेज़ी, अमेरिकी और यूरोपीय साहित्य भारतीय लेखन के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान

डॉ. बालुमिरी वेंकटेश्वरलू

सहायक प्राध्यापक

प्रस्तुत शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	"रिवाइटलाइज़िंग वॉइसेज़: प्रिज़र्विंग ट्राइबल लैंग्वेजेज़ एंड ओरल ट्रेडिशन्स ऐज़ पिलर्स ऑफ़ इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम्स इन कंटेम्पररी सोसाइटी"	टू–डे नेशनल सेमिनार ऑन प्रिज़र्विंग द पास्ट, एम्पावरिंग द फ़्यूचर: इंडिजिनस नॉलेज सिस्टम्स इन कंटेम्पररी सोसाइटी	शिक्षा विश्वविद्यालय महाविद्यालय, आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय , राजमहेंद्रवरम	राष्ट्रीय
2	"नैरेटिंग द ट्रेडिशन्स: अ स्टडी ऑन द रोल ऑफ़ अमर चित्र कथा इन ब्रिजिंग द गैप बिटवीन एन्शिएंट एंड कंटेम्पररी सोसाइटी"	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन ग्राफ़िक नैरेटिव्स एंड कॉमिक्स स्टडीज़ ऐज़ वर्ल्ड लिटरेचर फ़िनोमेना	भारतीय और विश्व साहित्य विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू), हैदराबाद	अंतरराष्ट्रीय
3	"अनवेलिंग सोशल रियलिज़्म: अ डीप डाइव इंटू लिंडा सू पार्क'स ए लोंग वॉक टीओ वाटर "	पैन-एनआईटी ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज़ रिसर्च कॉन्क्लेव (एचएसएसआरसी 2024)	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एनआईटी वारंगल	अंतरराष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट अध्ययन बोर्ड की सदस्यता /:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	विश्वविद्यालय नामांकित सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	श्री शिवानी कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग (ए), चिलकापालेम, श्रीकाकुलम (जेएनटीयू-जीवी)
2	विश्वविद्यालय नामांकित सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	विशाखा इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (ए), विशाखापटनम (जेएनटीयू-जीवी)
3	विश्वविद्यालय नामांकित सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	बाबा इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज़ (ए), विशाखापटनम (जेएनटीयू-जीवी)
4	विश्वविद्यालय नामांकित सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	अवंथि इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (ए), अनकापल्ली (जेएनटीयू-जीवी)
5	विश्वविद्यालय नामांकित सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	अवंथि इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (ए), विजयनगरम (जेएनटीयू-जीवी)
6	आंतरिक सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	अंग्रेजी विभाग, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
7	आंतरिक सदस्य, कंप्यूटर विज्ञान अध्ययन बोर्ड	कंप्यूटर विज्ञान विभाग, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
8	सदस्य, अंग्रेज़ी अध्ययन बोर्ड	अंग्रेजी विभाग, पर्वथनेनी ब्रह्मैया सिद्धार्थ कला एवं विज्ञान महाविद्यालय (ए), विजयवाड़ा, कृष्णा विश्वविद्यालय

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

एक विद्यार्थी गांधी फैलोशिप के अंतर्गत, जो कि पिरामल फाउंडेशन का प्रमुख कार्यक्रम है, तेलंगाना के आकांक्षी जिलों की सेवा में संलग्न है, जबकि शेष चार विद्यार्थियों ने डिग्री कॉलेजों और इंजीनियरिंग कॉलेजों में अंग्रेज़ी के सहायक प्राध्यापक के रूप में नियुक्तियाँ प्राप्त की हैं।

2.14 भूविज्ञान विभाग

विभाग का परिचय:

वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही इस विभाग की स्थापना की गई थी । यह विभाग आग्नेय, काया पलट और तटीय तलछटी क्षेत्रों को शामिल करते हुए अपने विविध भूवैज्ञानिक परिदृश्य का लाभ उठाता है । यह अनूठी सेटिंग भूविज्ञान, पृथ्वी विज्ञान और पर्यावरण अध्ययन में शैक्षणिक और शोध की संभावनाएं प्रदान करती है। विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को गहन क्षेत्र अध्ययन से लाभ होता है जिससे समुद्री जीव विज्ञान, भूविज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों में अनुभवजन्य अनुसंधान और अंतः विषय सहयोग को बढ़ावा मिलता है। इसके अतिरिक्त, विभाग का ध्यान खनिज, जल और भूमि सहित संसाधनों के उपयोग को समझने पर है, जो जनजातीय क्षेत्रों में सतत विकास पहल, सामुदायिक सहभागिता और प्रभावी संरक्षण प्रयासों का समर्थन करता है, तथा भूवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि को सामाजिक-आर्थिक कारकों के साथ एकीकृत करता है ।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ .एम . प्रसाद	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	पर्यावरण भू-रसायन, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियाँ (दूरसंवेदन और जीआईएस), जल भू-विज्ञान।

डॉप्रसाद .एम .

सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन /आईएसबीएन / डीओआई	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	जियो–स्पेशियल इनसाइट्स इंटू अर्बन ग्रोथ एंड लैंड कवर ट्रांसफ़ॉर्मेशन इन अनंतपुर सिटी, इंडिया	एनवायरनमेंट, डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी	https://doi.org/10.1007/s10668-024-05180-6	5	सह लेखक
2	ए कॉम्प्रिहेन्सिव रिव्यू ऑफ़ डोलोमाइट जियो–केमिस्ट्री एंड इट्स जियोलॉजिकल इम्प्लीकेशन्स	इंडियन जर्नल ऑफ़ नैचुरल साइंसेज़	आईएसएसएन: 0976–0997	3	प्रथम लेखक

सम्मेलन में प्रस्तुत शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	रोल ऑफ़ जियो–स्पेशियल टेक्नोलॉजीज़ इन सिंकहोल्स मैपिंग एंड मॉनिटरिंग: ए स्टडी फ्रॉम कडप्पा बेसिन, इंडिया	नेशनल सेमिनार ऑन एडवांसेज़ इन जियोफिज़िक्स फ़ॉर ए सस्टेनेबल फ़्यूचर: एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड नैचुरल रिसोर्सेज़ (एजीएसईईएन)	भूभौतिकी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय , विशाखापट्टनम द्वारा आयोजित	राष्ट्रीय संगोष्ठी

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, अनुसंधान सलाहकार सदस्य, अनुसंधान कार्यक्रम एवं नीति विकास (समिति-II), (आरडीसी)	सीटीयूएपी, विजयनगरम
2	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, भूविज्ञान विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
3	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, अंग्रेजी विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल
1.	एन्वायर्नमेंटल रिस्क असेसमेंट ऑफ़ एनलजेसिक्स एंड एंटीबायोटिक्स ईन एंड फिजिको-केमिकल पैरामीटर ऑफ़ इफ्लूएंट्स फ्रॉम थ्री सेलेक्टेड हॉस्पिटल्स आईएन कुमासी मेट्रोपोलिस, घना	द साइंटिफिक वर्ल्ड जर्नल - द वाइली पब्लिशर

2.	नॉन-कार्सिनोजेनिक हेल्थ रिस्क असेसमेंट ड्यू टू फ्लोराइड एक्सपोजर ईन मोगामुरेरू रिवर बासिन, व़ाइऍस्आर् डिस्ट्रिक्ट, आंध्र प्रदेश, इंडिया-	जर्नल ऑफ़ इंडियन जियोफिजिकल यूनियन - ऐजीयू पब्लिशर

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन इंटीग्रेटेड एंड सस्टेनेबल सॉलिड &लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) प्रोजेक्ट", "स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम)" के अंतर्गत	1–9 मार्च 2025	जाटू आश्रम, पर्वतिपुरम, आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित
2	पार्टिसिपेटेड ईन वन–डे वर्कशॉप 'समावेश–10'	11 फ़रवरी 2025	भारतीय पेट्रोलियम एवं ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम एवं आई-एसटीईएम, भारत सरकार के सहयोग से
3	ओरसीआईडी सपोर्टेड टू–डे वर्कशॉप ऑन ओपन एक्सेस पब्लिशिंग	12–13 दिसम्बर 2024	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश एवं केंद्रीय पुस्तकालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

आंध्र विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग का भ्रमण

15 जुलाई 2024 को आंध्र विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के भ्रमण की एक झलक विभाग शिक्षकों के साथ हुए संवाद, विभिन्न प्रयोगशालाओं और भूवैज्ञानिक उपकरणों के अवलोकन, तथा विशाल खनिजों, शैलों, क्रिस्टल मॉडलों, बीच प्लेसर्स और कोल भूविज्ञान संग्रह वाले भूवैज्ञानिक संग्रहालय के अनुभव को दर्शाती है। थिन सेक्शन और पॉलिश्ड सेक्शन बनाने वाली प्रयोगशालाएँ भूविज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आकर्षक रहीं। विद्यार्थियों को विभागाध्यक्ष प्रो. के. एस. एन. रेड्डी और प्रो. युगंधर राव के प्रेरणादायी मार्गदर्शन को सुनने का अवसर भी मिला।

नैचुरल आर्च का भूवैज्ञानिक क्षेत्र भ्रमण: एक भू-धरोहर स्थल (15.07.2024)

"नेचुरल आर्च" — चट्टानों पर समुद्री लहरों और समुद्री जल की क्रिया द्वारा निर्मित एक भूवैज्ञानिक संरचना है, जो आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में भीमिली बीच रोड के निकट मंगमरिपेटा में कई हजार वर्ष पहले बनी थी।.

जिला भूजल एवं जल ऑडिट विभाग, विजयनगरम का भ्रमण

भूविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों और विभाग शिक्षकों ने 3 सितंबर 2024 को भूविज्ञान के क्षेत्र में उद्योग और संस्थानों के साथ सहयोग विकसित करने के उद्देश्य से जिला भूजल एवं जल ऑडिट विभाग, विजयनगरम का भ्रमण किया। जिला भूजल एवं जल ऑडिट विभाग के उप निदेशक श्री एन. वी. के. दुर्गा प्रसाद ने विजयनगरम जिले में भूजल की संरचना, भूजल विभाग द्वारा जिले में भूजल की स्थिति में सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों का विवरण दिया तथा भूविज्ञान क्षेत्र में राज्य एवं केंद्र सरकार के विभागों में उपलब्ध नौकरी अवसरों के बारे में छात्रों को जानकारी प्रदान की।

एक दिवसीय संगोष्ठी "जियोस्पेशियल एंड हाइड्रोजियोलॉजिकल एप्लिकेशंस ईन नेचुरल रिसोर्सेज मैनेजमेंट" (28 दिसंबर 2024) पर प्रख्यात संसाधन व्यक्तियों के साथ, जैसे कि

1. प्रो. एन. जनार्दन राजू, डीन, पर्यावरण विज्ञान संकाय एवं चीफ प्रॉक्टर,, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली स्कूल के डीन और चीफ
2. प्रो. एम. जगन्नाध राव, एमेरिटस प्राध्यापक, भू-भौतिकी विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम एवं पूर्व कुलपति, आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, राजमहेंद्रवरम
3. डॉ. मेराज आलम, सहायक प्राध्यापक, भूविज्ञान विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, म.प्र.

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भूविज्ञान और पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में नवीन तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान प्रदान करना था।

भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियाँ प्राकृतिक संसाधनों के मानचित्रण, भूमि, जल, मिट्टी, वन, एवं खनिज संसाधनों में स्थानिक और कालिक भिन्नताओं के आकलन एवं निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दूसरी ओर, हाइड्रोजियोलॉजी स्थलमंडल, जीवमंडल, जलमंडल और वायुमंडल के बीच पारस्परिक क्रिया को समझने में महत्त्वपूर्ण है।एक जनजातीय विश्वविद्यालय होने के नाते, जिसमें खनिज, जल, मिट्टी, वन एवं कृषि जैसे समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों से युक्त जनजातीय क्षेत्रों की रक्षा का दायित्व है, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों और हाइड्रोजियोलॉजी का ज्ञान इन संसाधनों के संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह ज्ञान विद्यार्थियों जो कि आगामी भूवैज्ञानिकों है, को इन क्षेत्रों के महत्व को समझने, अनुसंधान समस्याएँ या परियोजनाएँ लेने, तथा इन विशेषीकरणों में स्टार्टअप शुरू करने हेतु प्रेरित करता है, जिससे जनजातीय क्षेत्रों का समग्र विकास संभव हो सके।मूलभूत आंकड़ों की समझ, खनिज एवं जल संसाधनों का आकलन, भूमि उपयोग पैटर्न, जल संसाधन क्षमता, भूजल प्रवाह, वर्षा जल संचयन स्थलों और कृत्रिम रिचार्ज संरचनाओं की पहचान—इन सभी का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों की आजीविका में सुधार तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन को सुनिश्चित करना है।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

श्री कुशुम्बा बाला श्री नंदक

1. स्वतंत्रता दिवस एवं 6वें स्थापना दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम पुरस्कार जीता।

2. स्वतंत्रता दिवस एवं 6वें स्थापना दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया और द्वितीय पुरस्कार जीता।

3. सुश्री लगुडू संतोषी, X सेमेस्टर, इंटीग्रेटेड एम.एससी., भूविज्ञान की छात्रा, को सीएसआईआर –एनजीआरआई (राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान), हैदराबाद में 01 दिसंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक विंटर इंटर्नशिप के लिए चयनित किया गया।

4. श्री कुशुम्बा बाला श्री नंदक को 16.10.2024 को जेएनटीयू हैदराबाद में भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता, विज़न फॉर विकसित भारत (विविभा–2024) में राज्य स्तरीय उत्कृष्ट एवं मेधावी शोध पत्र पुरस्कारप्राप्त हुआ।

2.15 पत्रकारिता विभाग

विभाग का परिचय:

पत्रकारिता विभाग की स्थापना 2020 में महत्वाकांक्षी मीडिया कर्मियों और विद्यार्थियों को औपचारिक शैक्षणिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी । इस विभाग का उद्देश्य पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में शैक्षिक शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में विकसित होना और राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र में सबसे अधिक नेटवर्क वाले अनुसंधान केंद्र के रूप में उभरना है । एक सार्थक प्रयास के साथ, विभाग नई उचाईया छूने के लिए तैयार है। मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय के तहत पत्रकारिता विभाग उच्च योग्य शिक्षक के नेतृत्व में एक नया विभाग है। डिजिटल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के विकास के साथ, पत्रकारिता और जनसंचार ने लोगों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है।

विभाग के विशिष्ट रूप से डिज़ाइन किए गए पाठ्यक्रम और विशिष्ट शिक्षण पद्धति उद्योग की बढ़ती मांग के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं। विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल को बढ़ा वा देने और विकसित करने के लिए, विभाग अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे और सुविधाओं से सुसज्जित है जैसे कि टी वी स्टूडियो , पेशेवर प्रकाश और ध्वनि प्रणाली , इनडोर और आउटडोर शूटिंग, रिकॉर्डिंग और साक्षात्कार प्लेटफार्मों, समाचार और जर्नल प्रकाशन, गैररेखीय - संपादन प्रणाली, ग्राफिक्स वर्कस्टेशन और भाषा प्रयोगशा लाओं के लिए प्रसारण गुणवत्ता वाले एचडी कैमरे। यह पाठ्यक्रम एक बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि पत्रकार समाज के भीतर सूचना देने और लोगों की सोच को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को शिक्षक और विशेषज्ञों के एक एलिट वर्ग से मार्गदर्शन और प्रशिक्षण मिलता है जो विद्यार्थियों को पत्रकारिता के विभिन्न उद्योगआधारित तरीकों से विकसित करते हैं। पाठ्यक्रम के दायरे से परे, विभाग पत्रकारिता और जनसंचार में अपने करियर की तैयारी में विद्यार्थियों के पारस्परिक और संचार कौशल को भी आकार देता है ।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. तारकेश्वर राव इप्पिली	पीएचडी	सहायक प्राध्यापक	टेलीविज़न अध्ययन, वैश्विक सं चार, नया मीडिया और डिजिटल मीडिया अध्ययन, मीडिया अनुसंधान।

डॉ. तारकेश्वर राव इप्पिली

सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन /आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	टुवर्ड्स सस्टेनेबल हेल्थ: एग्ज़ामिनिंग हेल्थ कम्युनिकेशन इन रूरल वैक्सीनेशन इनिशिएटिव्स	शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स	2582-7472	3	हां
2	पंचलाइन्स एंड अर्बन रिदम्स: एक्सप्लोरिंग द कल्चरल इम्पैक्ट ऑफ़ स्टैंड–अप कॉमेडी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मल्टिडिसिप्लिनरी रिसर्च	2455-3662	2	हां
3	डिजिटल फ़ाइनेंशियल लिटरेसी इन रूरल हाउसहोल्ड्स: ए स्टडी ऑफ़ मन्यम–पर्वतीपुरम डिस्ट्रिक्ट इन आंध्र प्रदेश	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक परस्पेक्टिव्स	1307-1637	4	नहीं

प्रकाशित अध्याय:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	द डॉन ऑफ़ न्यू फ्रंटियर्स: एक्सप्लोरिंग एमर्जिंग मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स	यूरिका पब्लिकेशन्स	1	हां
2	टेक्नोलॉजिकल इनोवेशंस एंड सोशल सॉल्यूशन्स: ए कॉम्प्रिहेन्सिव रिव्यू	पझस्सिराजा कॉलेज	1	हां
3	ब्रिजिंग द एजुकेशन–एम्प्लॉयबिलिटी गैप: इवैल्यूएटिंग द इम्पैक्ट ऑफ़ एनईपी 2020 इन इंडिया	यूरिका पब्लिकेशन्स	1	हां
4	टेक्नोलॉजिकल डिसरप्शन इन मीडिया: चैलेंजेस एंड अपॉर्च्युनिटीज़	रमणशील पब्लिकेशन	1	हां
5	आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट ऑन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट: अपॉर्च्युनिटीज़ एंड चैलेंजेस	आईसीओएफई -2024	3	नहीं
6	ट्रांसफ़ॉर्मिंग टीचर एजुकेशन इन इंडिया: द इम्पैक्ट एंड रेलिवेंस ऑफ़ एनईपी 2020	थिंक पेन पब्लिकेशन	1	हां

प्रस्तुत शोध–पत्र:

क्र.	शीर्षक	सम्मेलन / सेमिनार	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय

सं.				
1	टेक्नोलॉजिकल इनोवेशंस एंड सोशल सॉल्यूशन्स: ए कॉम्प्रिहेन्सिव रिव्यू	इनोवेटिव अप्रोचेस टू सोशल इम्पैक्ट इन विज़न विकसित भारत @2047	डिपार्टमेंट ऑफ़ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन, पझस्सिराजा कॉलेज	राष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, अध्ययन बोर्ड पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
2	सदस्य, अध्ययन बोर्ड समाजशास्त्र विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	इम्पैक्ट फ़ैक्टर
1	2020 प्रेसिडेन्शियल इलेक्शन एंड प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स: की कैंडिडेट अट्रीब्यूट्स दैट प्रेडिक्ट वोटर बिहेवियर विथ इलेक्शन रिज़ल्ट्स 2020	आईएएमसीआर	1.4
2	व्हाट टेक्नोलॉजी हैज़ डन टू जर्नलिस्टिक ऑनेस्टी: ए क्लिक, कोड एंड कॉन्सीक्वेंसेस एनालिसिस	एशियन जर्नल ऑफ़ एजुकेशन एंड सोशल स्टडीज़	2.3
3	फ़ैक्टर्स इन्फ़्लुएंसिंग यूज़ ऑफ़ सोशल नेटवर्क अमंग यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स इन तंज़ानिया	एशियन जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड रिसर्च एंड रिपोर्ट्स	–
4	ऑटोमेशन ऑफ़ द एवरीडे: स्क्रीन कल्चर्स एंड द यूथ	शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स	–
5	इम्पैक्ट ऑफ़ टेलीविजन ऑन अवेयरनेस अबाउट गवर्नमेंट स्कीम्स ऑन रूरल वीमेन	शोधकोश: जर्नल ऑफ़ विज़ुअल एंड परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स	–

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन एनईपी 2020: ओरिएंटेशन एंड सेंसिटाइज़ेशन	दस दिन	यूजीसी - एमएमटीटीसी, जेएनवी विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान
2	टू–डे वर्कशॉप ऑन ओपन एक्सेस पब्लिशिंग	दो दिन	सीटीयूएपी, विजयनगरम, सेंट्रल लाइब्रेरी आईआईटी –दिल्ली के सहयोग से
3	एआईसीटीई इवैल्यूएटेड पेटेंट कोर्स	14 दिन	आंध्र विश्वविद्यालय और टर्निप इनोवेशन

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

सीटीयूएपी में कार्यशाला ने मीडिया में जनजातीय आवाज़ों को सशक्त किया

जनजातीय समुदायों और मुख्यधारा मीडिया के बीच अंतर को कम करने के एक ऐतिहासिक प्रयास में, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 20–21 फरवरी 2025 को "फ्रॉम मार्जिस टू मेनस्ट्रीम: ट्राइबल पर्सपेक्टिव्स ईन मीडिया " शीर्षक से दो-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। पत्रकारिता विभाग और सामाजिक कार्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में मीडिया पेशेवरों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों के विविधतापूर्ण समूह ने भाग लिया, जिसमें भारतीय पत्रकारिता में जनजातीय पहचान और मुद्दों के के चित्रण पर विचार-विमर्श किया गया । कार्यशाला का उद्घाटन प्रो. के. जी. सुरेश , पूर्व कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय तथा पूर्व महानिदेशक, आईआईएमसी द्वारा किया गया, जिन्होंने मुख्य वक्ता के रूप में एक प्रभावशाली संबोधन में यह जोर दिया कि मीडिया की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह जनजातीय समुदायों की वास्तविक आवाज़ और सांस्कृतिक गरिमा को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने कहानीकारों और पत्रकारों को प्रेरित किया कि वे पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों और जनजातीय कथानकों को ऐसे प्रस्तुत करें जिससे उनका सशक्तीकरण हो, न कि शोषण।

उद्घाटन सत्र में मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सरतचंद्र बाबू ने अध्यक्षीय संबोधन भी शामिल था, जिसमें उन्होंने समावेशी शैक्षणिक संवाद और हाशिये पर पड़े दृष्टिकोणों के प्रति आलोचनात्मक सहभागिता के लिए सीटीयूएपी की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया। इस कार्यशाला में सीजीनेटस्वर के सह-संस्थापक शुभ्रांशु चौधरी जैसे वक्ताओं के विचारोत्तेजक व्याख्यान शामिल थे, जिन्होंने जनजातीय सशक्तिकरण में नागरिक पत्रकारिता की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डाला तथा अप्पला नायडू, प्रिंसिपल करेस्पॉन्डेंट, द हिंदू, आंध्र प्रदेश, ने जनजातीय क्षेत्रों से अपने प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग अनुभवों को साझा किया। दो दिनों के दौरान प्रतिभागियों ने मीडिया नैतिकता, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और नीति संबंधी मुद्दों जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम का समापन इस दृढ़ आह्वान के साथ हुआ कि सभी हितधारक मिलकर भारत के मीडिया परिदृश्य को पुनर्गठित करें, ताकि वह जनजातीय समुदायों की विविध और समृद्ध वास्तविकताओं को समुचित रूप से स्थान दे सके।

कैप्चरिंग मोमेंट्स: फ़ोटोग्राफ़ी कार्यशाला ने रचनात्मकता को प्रेरित किया

विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस के अवसर पर, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के पत्रकारिता विभाग ने 20 अगस्त 2024 को एक फ़ोटोग्राफ़ी कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में श्री बीरा अशोक, एक प्रसिद्ध फ़ोटोग्राफ़र, लेखक और अंतरराष्ट्रीय यात्री, ने भाग लिया और फ़ोटोग्राफ़ी कला पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया, जिसमें संरचना, प्रकाश और चित्रों के माध्यम से कहानी प्रस्तुत करना जैसे प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया। व्याख्यान के बाद, श्री अशोक ने एक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया, जिसमें विद्यार्थियों को अपने नए सीखे कौशलों को वास्तविक समय में लागू करने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. तरकेश्वर राव इप्पिली द्वारा किया गया, जिन्होंने फ़ोटोग्राफ़ी में रचनात्मकता और तकनीकी ज्ञान के महत्व पर जोर दिया तथा विद्यार्थियों को अपने अनूठे दृष्टिकोणों का अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला जिसकी शुरुआत पत्रकारिता विभागाध्यक्ष एवं मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू के स्वागत भाषण से हुई, विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल और रचनात्मक अंतर्दृष्टि विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुई और इससे उनकी फ़ोटोग्राफ़ी में आत्मविश्वास और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

प्लेसमेंट:

क्र. सं..	नामांकन संख्या	विद्यार्थी का नाम	वर्तमान पद	संगठन का नाम
1	23106001	जी अजय .	सोशल मीडिया प्रशिक्षु	लेपास्टार्ट टेक्नोलॉजी
3	23106004	आर प्रणय बाबू .	उपसंपादक-	साक्षी टीवी
4	23106005	वाई ईश्वर व्यास .	टीआर्. रिलेशनशिप एग्ज़ीक्यूटिव	सीआईटीआई बैंक

2.16 सामाजिक कार्य विभाग

विभाग का परिचय:

सामाजिक कार्य विभाग शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण पर केंद्रित है। सामाजिक कार्य एक ऐसा पेशा है व्यक्तियों, परिवारों, समूहों और समुदायों के कल्याण को बढ़ाने के लिए समर्पित है। विभाग सामाजिक न्याय, मानव गरिमा और नैतिक आचरण जैसे मूल्यों पर जोर देता है, साथ ही शिक्षार्थियों को सामाजिक कार्य क्षेत्र के लिए आवश्यक सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करता है।

विभाग दो-वर्षीय मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) पाठ्यक्रम प्रदान करता है, जो कि सामान्य सामाजिक कार्य विषयों के माध्यम से सशक्त नींव प्रदान कर विद्यार्थियों को विशिष्ट क्षेत्रों में जाने से पहले आवश्यक व्यावसायिक कौशल विकसित करने में सहायता प्रदान करता है।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. नागेश एम .	एमएसडब्ल्यू, पीएचडी, यूजीसी नेट	सहायक प्राध्यापक	मानव संसाधन प्रबंधन, सामुदायिक संगठन, एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

डॉ. नागेश एम.
सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन/आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	डिजिटल फ़ाइनेंशियल लिटरेसी इन रूरल हाउसहोल्ड्स: अ स्टडी ऑफ़ मण्यम पर्वतिपुरम डिस्ट्रिक्ट इन आंध्र प्रदेश	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव्स	1307-163	4	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
2	अ स्टडी ऑन द इम्पैक्ट ऑफ़ चाइल्ड मैरिज ऑन सोशियो–इकोनॉमिक डेवलपमेंट ऑफ़ यूथ इन अराकू वैली: अ केस स्टडी फ्रॉम नॉर्थ आंध्र प्रदेश	जर्नल ऑफ़ इन्फ़ॉर्मेशन एंड कम्प्यूटेशनल साइंस	1548-7741	3	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
3	कम्युनिटी मेंटल हेल्थ प्रोग्राम्स फ़ॉर सिकल सेल पेशेंट्स: फ़ंक्शन्स ऑफ़ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स – अ क्वालिटेटिव स्टडी इन आंध्र प्रदेश	साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ पार्टिसिपेटिव डेवलपमेंट	0976-2701	2	हाँ
4	अ स्टडी ऑन द रिलेवेंस ऑफ़ अम्बेडकर'स आइडियोलॉजी इन मॉडर्न सोशल वर्क	साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ पार्टिसिपेटिव डेवलपमेंट	0976-2701	2	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
5	रिवाइज़िंग अम्बेडकर'स विज़न: अ क्रिटिकल इवैल्युएशन ऑफ़ इट्स रिलेवेंस ऑन मार्जिनलाइज़्ड कम्युनिटीज़ इन द विजयनगरम डिस्ट्रिक्ट	साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ पार्टिसिपेटिव डेवलपमेंट	0976-2701	3	करेस्पॉन्डिंग ऑथर

प्रकाशित पुस्तक अध्याय:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	एजिंग इन द टी गार्डन्स: ट्राइबल विमेन इन द नॉर्थ–ईस्टर्न डुआर्स ऑफ़ इंडिया – "रीविज़िटिंग ट्राइबल हेरिटेज ऑफ़ इंडिया एंड कॉन्टेम्पररी इश्यूज़"	अलाइड पब्लिशर	2	हाँ

2	अ स्टडी ऑन हेल्थ इश्यूज़, चैलेंजेज़ एंड सोशल इंक्लूज़न ऑफ़ एल्डरली इंटर–स्टेट माइग्रेंट्स: अ केस स्टडी ऑफ़ कोल्लम डिस्ट्रिक्ट, केरल	सेंट फ़िलोमीना'स कॉलेज, मैसूरू	2	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
3	टेली–हेल्थ प्लेटफ़ॉर्म्स इन इंडिया: ऐन इनोवेशन इन एल्डरली हेल्थकेयर	सेंट फ़िलोमीना'स कॉलेज, मैसूरू	2	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
4	एजिंग इन आइसोलेशन एंड इट्स इम्पैक्ट – अ केस स्टडी ऑफ़ एचआईवी इन्फ़ेक्टेड एल्डरली पर्सन्स	सेंट फ़िलोमीना'स कॉलेज, मैसूरू	2	करेस्पॉन्डिंग ऑथर

प्रस्तुत शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	ए स्टडी ऑन हेल्थ इश्यूज़, चैलेंजेज़ एंड सोशल इंक्लूज़न ऑफ़ एल्डरली इंटर–स्टेट माइग्रेंट्स: ए केस स्टडी ऑफ़ कोल्लम डिस्ट्रिक्ट, केरल	सम्मेलन	सेंट फिलोमेना'स कॉलेज, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
2	टेलीहेल्थ प्लेटफ़ॉर्म्स इन इंडिया: ऐन इनोवेशन इन एल्डरली हेल्थकेयर	सम्मेलन	सेंट फिलोमेना'स कॉलेज, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
3	एजिंग इन आइसोलेशन एंड इट्स इम्पैक्ट — ए केस स्टडी ऑफ़ एचआईवी –इन्फ़ेक्टेड एल्डरली पर्सन्स	सम्मेलन	सेंट फिलोमेना'स कॉलेज, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
4	ए स्टडी ऑन द रेलिवेन्स ऑफ़ अंबेडकर'स आइडियोलॉजी इन मॉडर्न सोशल वर्क	संगोष्ठी	समाज कार्य विभाग, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय , श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	राष्ट्रीय
5	रीविज़िंग अंबेडकर'स विज़न: ए क्रिटिकल इवैल्यूएशन ऑफ़ इट्स रेलिवेन्स ऑन मार्जिनलाइज्ड कम्युनिटीज़ इन विजयनगरम डिस्ट्रिक्ट	संगोष्ठी	समाज कार्य विभाग, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय , श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	राष्ट्रीय

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	केरियर्स इन सोशल वर्क अक्रॉस सेक्टर्स	समाज कार्य विभाग, पीबीएमएम महाजन पीजी सेंटर, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय

2	केरियर अपॉर्च्युनिटीज़ इन सोशल वर्क	सामाजिक कार्य विभाग, कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास और पंचायत राज विश्वविद्यालय, गडग, कर्नाटक	राष्ट्रीय
3	रोल ऑफ़ सोशल वर्कर्स इन सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ़ मार्जिनलाइज़्ड कम्युनिटीज़	सेंट जोसेफ यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, ह्यूस्टन डाउनटाउन यूनिवर्सिटी, टेक्सास, USA के सहयोग से	अंतरराष्ट्रीय
4	वर्ल्ड सोशल वर्क डे – 2025	डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	राज्य
6	"रिफ़्लेक्शन ऑन रिफ़्लेक्टिव टीचिंग इन हायर एजुकेशन" — इंटरनेशनल फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम	डॉन बॉस्को कॉलेज, सुल्तान बथरी, वायनाड, केरल	अंतरराष्ट्रीय
7	इम्पॉर्टेंस ऑफ़ सेल्फ़ डिसिप्लिन एंड कम्युनिकेशन स्किल्स फ़ॉर अकैडमिक ग्रोथ	जीव फ़ाउंडेशन, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
8	रोल ऑफ़ अ टीचर इन मैनेजिंग द चिल्ड्रन इन द प्रेज़ेंट सीनारियो	सेंट मैरीज़ एंड सेंट रीटा' शैक्षणिक संस्थान, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
9	सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी	समाजशास्त्र विभाग, मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल, क्राइस्ट विश्वविद्यालय – मानित विश्वविद्यालय, बैंगलोर, कर्नाटक	विश्वविद्यालय
10	रोल ऑफ़ सोशल वर्क वैल्यूज़ एंड एथिक्स इन द एरा ऑफ़ सोशल मीडिया	विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मैसूरु, कर्नाटक (30 सितम्बर 2024)	नेशनल
11	रोल ऑफ़ स्टूडेंट्स इन द सस्टेनेबिलिटी एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट	महाराजा प्रौद्योगिकी संस्थान, थंडवपुरा, मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
12	फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम — लेक्चर ऑन 'फ़्रॉम क्लासरूम्स टू सोसाइटी: टीचर' रोल'	क्राइस्ट पीयू और जूनियर कॉलेज — आवासीय (क्राइस्ट विश्वविद्यालय कैंपस), बैंगलोर, कर्नाटक	राष्ट्रीय

सत्र की अध्यक्षता/रिसोर्स पर्सन:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	इन कैपेसिटी
1	थ्री–डे नेशनल कॉन्फ़्रेन्स ऑन इनोवेशन्स इन इंटरवेंशन्स फ़ॉर द इंडिजिनस पॉप्युलेशन	आपदा प्रबंधन में मनो-सामाजिक सहायता विभाग, एनआईएमचएएनएस, बेंगलुरु	चेयर्ड ए सेशन
2	एम्पावरिंग द मार्जिनलाइज़्ड: आंबेडकर'स कॉन्ट्रिब्यूशन टू सोशल वर्क प्रैक्टिस	समाज कार्य विभाग, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय , श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश	चेयर्ड ए सेशन

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, सामाजिक कार्य विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

2	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, जनजातीय अध्ययन विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
3	सदस्य डीआरसी, सामाजिक कार्य विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
4	सदस्य, डीआरसी, जनजातीय अध्ययन विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
5	सदस्य डीआरसी, समाजशास्त्र विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
6	सदस्य, डीआरसी, अंग्रेजी विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

अनुसंधान परियोजना:

क्र. सं.	शीर्षक	फंडिंग एजेंसी	अवधि	स्वीकृत राशि	पीआई/ को. पीआई
1	रूट्स एंड रेज़िलियंस: ए होलिस्टिक स्टडी ऑफ़ द बेडगाम्पाना ट्राइब ऑफ़ माले महादेश्वरा हिल्स, वेस्टर्न घाट्स, कर्नाटक	सीटीयूएपी	6 महीने	₹1,00,000	**पीआई**
2	रूरल डेवलपमेंट थ्रू पॉलिटिकल एंड कोऑपरेटिव मूवमेंट्स: ए स्टडी ऑफ़ हुल्कोटी विलेज ऑफ़ गदग डिस्ट्रिक्ट इन कर्नाटक ऐज़ ए मॉडल विलेज	सीटीयूएपी	6 महीने	₹75,000	**पीआई**

शोध–पत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	इम्पैक्ट फ़ैक्टर
1	कॉन्टूर्स ऑफ़ लाइवलीहुड: सोशियो–इकोनॉमिक रिएलिटीज़ ऑफ़ सेक्स वर्कर्स इन मैंगलोर सिटी	दीक्षा — पीयर–रिव्यूड	–

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

पार्टिसिपेटरी एक्शन रिसर्च पर व्याख्यान

सामाजिक कार्य विभाग ने "पार्टिसिपेटरी एक्शन रिसर्च – रिलेवेंस टू सोशल वर्क प्रैक्टिस" शीर्षक से एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। जिसमें प्रो. बिपिन जोजो, प्राध्यापक एवं संकायाध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई, विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य भागीदारी आधारित क्रियात्मक अनुसंधान की पद्धतियों और सामाजिक कार्य में उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों की समझ को बढ़ाना था। प्रो. जोजो की विशेषज्ञता और आकर्षक प्रस्तुति ने सामाजिक मुद्दों के समाधान में सहयोगात्मक अनुसंधान दृष्टिकोणों के महत्व को रेखांकित किया, जिससे प्रतिभागियों में प्रभावी सामाजिक कार्य के प्रति गहन प्रतिबद्धता विकसित हुई।

इनसाइटफुल इंटरडिसिप्लीनरी टॉक सीरीज

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के सामाजिक कार्य विभाग ने हाल ही में अपनी इंटरडिसिप्लिनरी टॉक सीरीज़ के तहत दो असरदार सत्र आयोजित किए। 9 दिसंबर, 2024 को, सीरीज़ के उद्घाटन सत्र में डॉ. जितेंद्र मोहन मिश्रा, संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन संकाय, सीटीयूएपी रिसोर्स पर्सन थे। डॉ. मिश्रा ने मूल्यवान जानकारियाँ साझा कीं, जिससे विद्यार्थियों के अंतर्विषयक ज्ञान में वृद्धि हुई और उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण का दायरा बढ़ा।

दूसरा सत्र 30 दिसंबर 2024 को आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व डॉ. परीकिपंडला श्रीदेवी ने किया। उन्होंने "पब्लिक हेल्थ एज़ ए की केरियर चोइस एड्रेसिंग इंडिया'ऍस् हेल्थ कंसर्न्स" विषय पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। उनके सत्र में भारत की प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान में पब्लिक हेल्थ करियर की बढ़ती भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। विभाग ने दोनों वक्ताओं को उनके मूल्यवान योगदान के लिए धन्यवाद दिया, जिनके ज्ञानवर्धक योगदानों ने विद्यार्थियों को मूल्यवान ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान किया, जो उनके शैक्षणिक और करियर लक्ष्यों को दिशा देने में सहायक होगा।

जनजातीय ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण पर संगोष्ठी

जनजातीय विरासत के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 6–7 फरवरी 2025 को "रेसिलिएंस एंड रीकंस्ट्रक्शन ऑफ़ ट्राइबल नोलेज सिस्टम्स" पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह आयोजन

सामाजिक कार्य विभाग द्वारा समाजशास्त्र, अंग्रेज़ी और जनजातीय अध्ययन विभागों के सहयोग से किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन केरल की प्रसिद्ध जनजातीय चिकित्सक पद्मश्री लक्ष्मी कुट्टी अम्मा ने किया। श्रोताओं को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के महत्व पर बल दिया और पारंपरिक औषधियों तथा उनकी उपचार क्षमता के बारे में अपना विस्तृत ज्ञान साझा किया, विशेषकर जो केरल में उपयोग की जाती हैं।

संगोष्ठी के प्रमुख वक्ताओं में जनजातीय कार्यकर्ताओं डॉ. माडेगोवडा, डॉ. रत्नम्मा, और नरेश बिस्वास शामिल थे, जिन्होंने जनजातीय समुदायों की दृढ़ता और पारंपरिक ज्ञान संरक्षण पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। मीडिया पेशेवर श्री संबशिव राव, सीनियर करेस्पॉन्डेंट, द हिंदू, ने भी चर्चा में भाग लिया और आदिवासी मुद्दों को उजागर करने में मीडिया की भूमिका पर जोर दिया। विशिष्ट गोंड चित्रकार श्री मयंक सिंह श्याम और श्री राहुल सिंह श्याम, जिन्होंने जनजातीय कला और संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, भी संसाधन व्यक्तियों के रूप में उपस्थित रहे।अपने अध्यक्षीय संबोधन में माननीय कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने भविष्य की पीढ़ियों के लिए जनजातीय ज्ञान प्रणालियों के पुनर्निर्माण और संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। संगोष्ठी ने जनजातीय पहचान, संस्कृति और सतत विकास पर व्यापक संवाद को सफलतापूर्वक प्रोत्साहित किया।.

ट्राइबल डेवलपमेंट नीतियों और एनजीओ योगदान पर व्याख्यान

नीति और उसके क्रियान्वयन के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से, सामाजिक कार्य विभाग ने "फ्रॉम पॉलिसी टू प्रैक्टिस: ट्राइबल डेवलपमेंट स्कीम्स एंड द रोल ऑफ़ एनजीओएस ईन इंडिया" शीर्षक से एक अंतर्विषयक व्याख्यान 11 मार्च 2025 को आयोजित किया। इस सत्र में वक्ता डॉ. दिव्या के., सहायक प्राध्यापक, जनजातीय अध्ययन विभाग, सीटीयूएपी, ने एक ज्ञानवर्धक सत्र

प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सरकार की जनजातीय कल्याण पहलों की व्यापक समझ प्रदान करना था। उन्होंने जनजातीय समुदायों के उत्थान के लिए तैयार की गई विभिन्न नीतियों और विकास योजनाओं पर चर्चा की और इन कार्यक्रमों के व्यावहारिक क्रियान्वयन में एनजीओ की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। डॉ. दिव्या ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका जैसे क्षेत्रों में जनजातीय आबादी द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए समयोचित और प्रभावी हस्तक्षेपों की आवश्यकता को रेखांकित किया। सत्र में इन नीतियों के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और उनकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहयोगात्मक प्रयासों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और नीतिगत तथा जमीनी स्तर की पहलों के माध्यम से जनजातीय विकास को कैसे सुदृढ़ किया जा सकता है, इस पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्राप्त किए। इस कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों की जनजातीय विकास के प्रति समझ को समृद्ध किया, बल्कि उन्हें इन समुदायों के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित भी किया।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत शोध पत्र:

क्रम संख्या	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	टेलीहेल्थ प्लेटफ़ॉर्म्स इन इंडिया: ऐन इनोवेशन इन एल्डर्ली हेल्थकेयर	सम्मेलन	सामाजिक कार्य विभाग, सेंट फ़िलोमेना'स कॉलेज (ऑटोनॉमस), मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
2	ए स्टडी ऑन हेल्थ इश्यूज़, चैलेंजेज़ एंड सोशल इंक्लूज़न ऑफ़ एल्डर्ली इंटरस्टेट माइग्रेंट्स: अ केस स्टडी ऑफ़ कोल्लम डिस्ट्रिक्ट, केरल	सम्मेलन	सामाजिक कार्य विभाग, सेंट फ़िलोमेना'स कॉलेज (ऑटोनॉमस), मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
3	एजिंग इन आइसोलेशन एंड इट्स इम्पैक्ट: अ केस स्टडी ऑफ़ एचआईवी –इन्फेक्टेड एल्डर्ली पर्सन्स	सम्मेलन	सामाजिक कार्य विभाग, सेंट फ़िलोमेना'स कॉलेज (ऑटोनॉमस), मैसूरु, कर्नाटक	राष्ट्रीय
5	अ स्टडी ऑन द रिलेवेंस ऑफ़ अंबेडकर'स आइडियोलॉजी इन मॉडर्न सोशल वर्क	संगोष्ठी	आईसीएसएस द्वारा प्रायोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, समाज कार्य विभाग, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित	राष्ट्रीय
6	रिवाइजिंग अंबेडकर'स विज़न: अ क्रिटिकल इवैल्युएशन ऑफ़ इट्स रिलेवेंस ऑन मार्जिनलाइज़्ड कम्युनिटीज़ इन द विजयनगरम डिस्ट्रिक्ट	संगोष्ठी	आईसीएसएस द्वारा प्रायोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, समाज कार्य विभाग, डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित	राष्ट्रीय

2.17 समाजशास्त्र विभाग

विभाग का परिचय:

विभाग की स्थापना विद्यार्थियों को प्रबुद्ध, प्रभावशाली और उत्तरदायी नागरिक बनाने के उद्देश्य से की गई थी, जो अपने स्थानीय समुदायों, व्यापक समाज और राष्ट्र में विविधता की सराहना करते हो और उसे अपनाते हो। विभाग समाज, सामाजिक अंतःक्रियाओं और सामाजिक संरचनाओं के व्यवस्थित अध्ययन और समझ को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग का उद्देश्य समाज की संरचना और कार्यप्रणाली में अंतर्दृष्टि प्रदान करना है, जिससे विद्यार्थियों को यह समझने में मदद मिले कि परिवार, धर्म, शिक्षा, राजनीति और अर्थव्यवस्था जैसी सामाजिक संस्थाएँ मानव व्यवहार और सामाजिक व्यवस्था को कैसे आकार देती हैं। विभाग समाजशास्त्रीय शोध और अनुभवजन्य विश्लेषण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। विद्यार्थी डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए विभिन्न टूल्स के बारे में सीखते हैं, जिससे वे विभिन्न सामाजिक घटनाओं पर अनुभवजन्य अध्ययन करने में सक्षम होते हैं। विभाग सामाजिक समस्याओं को दूर करने, सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सामुदायिक जुड़ाव और सक्रिय भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है। विभाग वर्तमान में समाजशास्त्र में 2 वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करता है, जिसमें समाजशास्त्र में मुख्य पाठ्यक्रम और संचार और मीडिया का समाजशास्त्र, स्वास्थ्य का समाजशास्त्र, आजीविका और सामाजिक उद्यमिता का समाजशास्त्र, संगठन का समाजशास्त्र, राजनीतिक समाजशास्त्र, समाज में विचलन और अपराध जैसे वैकल्पिक विषयों के रूप में विशेष पेपर शामिल हैं। ये वैकल्पिक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जटिल सामाजिक मुद्दों और अंतःविषय अनुसंधान और सहयोग की अधिक व्यापक समझ प्रदान करते हैं। विभाग पाठ्यक्रम वैकल्पिक प्रदान करता है, जिससे विद्यार्थीयो को उनकी रुचियों के अनुरूप समाजशास्त्र के विशिष्ट क्षेत्रों को गहराई से जानने का अवसर मिलता है।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. प्रमा चटर्जी	पीएच.डी.	सहायक प्रोफ़ेसर	जनजातीय समाज, विज्ञान और समाज

डॉ. प्रमा चटर्जी
सहायक प्रोफ़ेसर

प्रकाशित अध्याय:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	कम्युनिटी–बेस्ड टूरिज़्म ऐज़ अ सस्टेनेबल डायरेक्शन फ़ॉर द टूरिज़्म इंडस्ट्री: एविडेंस फ़्रॉम द इंडियन सुंदरबन्स	आईजीआई ग्लोबल साइंटिफ़िक पब्लिशिंग	04	सह-लेखक
2	ए स्टडी ऑन परसेप्शन्स एंड प्रेजुडिसेस: अंडरस्टैंडिंग ग्लोबल एटिट्यूड्स टुवर्ड्स पीपल विथ डिसएबिलिटीज़, एस्पेशली वीमेन	आईजीआई ग्लोबल साइंटिफ़िक पब्लिशिंग — https://doi.org/10.4018/979-8-3693-9291-1.ch002		

प्रस्तुत शोध पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	"प्रेज़ेन्टेड पेपर ऑनलाइन ऑन 'असेसिंग द फ़्यूचर इम्पैक्ट ऑफ़ द नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 ऑन एजुकेशन' — 11/05/2024"	वन–डे नेशनल सेमिनार ऑन 'विक्सित भारत @ 2047: ए चैलेंजिंग रेज़ोल्यूशन'	सामाजिक विज्ञान संकाय, श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़	राष्ट्रीय

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	वन–डे नैशनल वेबिनार ऑन नैशनल एजुकेशन पॉलिसी एंड वोकेशनल एजुकेशन — 16 अगस्त 2024	गवर्नमेंट कॉलेज नवरोजाबाद, उमरिया, मध्य प्रदेश, उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा प्रायोजित	राष्ट्रीय
2	लेक्चर ऑन 'कल्चरल इम्प्रिंट्स ऑफ़ ट्राइबल सोसाइटी: लिविंग मीडियम ऑफ़ कम्यूनिकेशन्स' — 20 सितम्बर 2024, इन 'रिफ्रेशर कोर्स इन ट्राइबल कल्चर एंड फोकलोर (इंटरडिसिप्लिनरी)' — 17.09.2024 टू 30.09.2024 (ऑनलाइन)	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (एम.पी.)	राष्ट्रीय

3	लेक्चर ऑन 'नारी शक्ति: समानता, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता' — वन–डे नैशनल वेबिनार ऑन विमेन्स डे 2025 सेलिब्रेशन	शासकीय दंतेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ़	राष्ट्रीय

सत्र की अध्यक्षता/रिसोर्स पर्सन:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	इन कैपेसिटी
1	सेशन चेयर फ़ॉर द टेक्निकल सेशन ऑन मिलेट्स इन स्कूल मील्स एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम — टू–डे नेशनल कॉन्फ्रेन्स 'मिलेट क्वेस्ट 2025: बिल्डिंग रेज़िलियंस फ़ीडिंग द वर्ल्ड' (24–25 फ़रवरी 2025)	जनजातीय अध्ययन, समाजशास्त्र, समाज कार्य और व्यवसाय प्रबंधन विभाग, सीटीयूएपी	–
2	सेशन चेयर फ़ॉर टेक्निकल सेशन 01 — "आदि चित्रा: नेशनल ट्राइबल पेंटर्स कॉन्क्लेव", 1–2 मार्च 2025	समाजशास्त्र, अंग्रेजी, जनजातीय अध्ययन और सामाजिक कार्य विभाग, सीटीयूएपी, विजयनगरम	–
3	सेशन चेयर फ़ॉर टेक्निकल सेशन 06 — "आदि चित्रा: नेशनल ट्राइबल पेंटर्स कॉन्क्लेव", 1–2 मार्च 2025	समाजशास्त्र, अंग्रेजी, जनजातीय अध्ययन और सामाजिक कार्य विभाग, सीटीयूएपी, विजयनगरम	–

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, अध्ययन बोर्ड, समाजशास्त्र विभाग	सीटीयूएपी
2	सदस्य,अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी) – अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी)	सीटीयूएपी

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	इम्पैक्ट फ़ैक्टर
1	"मेटा–एनालिसिस ऑफ़ वेलफ़ेयर पॉलिसी मॉडलिंग ऑन 'फूड सिक्योरिटी': ऐन इंडियन केस (1990–2021)"	स्प्रिंगर नेचर (सोशल साइंसेज़)	–
2	"प्रिज़र्विंग कुलिनरी हेरिटेज एंड प्रमोटिंग सस्टेनेबिलिटी: ऐन ओवरव्यू ऑफ़ बॉटैनिकल न्यूट्रीशन रिगार्डिंग हर्ब्स एंड स्पाइसेज़ यूज़्ड ऑन द टेरिटरी ऑफ़ टुडे'स कैमरून"	स्प्रिंगर नेचर	–
3	"टेरीटोरियल रेज़िलिएंस ऑफ़ इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज: अ केस स्टडी ऑफ़ बुलफ़ाइटिंग इन स्पेन"	सोशल साइंसेज़	–
4	"अंडरस्टैंडिंग द स्टेटस ऑफ़ द भोटिया कम्युनिटी इन उत्तराखंड: अ सिस्टमेटिक रिव्यू"	स्प्रिंगर नेचर	–
5	"ड्राइवर्स ऑफ़ पैंडेमिक–इन्ड्यूस्ड लॉसेज़ एंड शॉर्टेजेज़ अमंग अर्बन स्लम ड्वेलर्स: अ केस फ़्रॉम बांग्लादेश"	सोशल साइंसेज़	–

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	पार्टिसिपेशन इन नेशनल लेवल शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम–2K24 ऑन जावा फुल स्टैक विथ रिएक्ट जेएस एंड एआई	02/12/2024 – 22/12/2024	ब्रेनोविज़न सॉल्यूशन्स, तेलंगाना एंड एआईसीटीई
2	टू–डेज़ वर्कशॉप ऑन ओपन एक्सेस पब्लिशिंग में पार्टिसिपेशन	12/12/2024 – 13/12/2024	सीटीयूएपी एंड आईआईटी दिल्ली
3	वन–डे ऑनलाइन वर्कशॉप ऑन एआई पावर्ड लाइफ़लॉन्ग लर्निंग: हाउ एआई इज़ रीशेपिंग द टीचिंग–लर्निंग इकोसिस्टम	17/12/2024	अनुदेशात्मक मीडिया केंद्र, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू य विश्वाविद्यालय, हैदराबाद
4	ऑनलाइन ट्रेनिंग सेशन ऑन कैपेसिटी बिल्डिंग फ़ॉर प्रमोटिंग ऑफ़ पॉज़िटिव मेंटल हेल्थ, रेज़िलियंस एंड वेलबीइंग इन एचईआई	24/12/2024	—

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में सांख्यिकी पर व्याख्यान

समाजशास्त्र विभाग ने 3 अक्टूबर 2024 को सीटीयूएपी परिसर में "स्टैटिस्टिक्स ईन सोशल साइंस रिसर्च" पर एक व्याख्यान आयोजित किया। वक्ता प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन संकाय एवं अध्यक्ष (कार्यवाहक) समाजशास्त्र थे। सामाजिक विज्ञान के विभिन्न विभागों के छात्रों ने इस व्याख्यान में भाग लिया। प्रो. मिश्रा ने सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सांख्यिकीय उपकरणों और विधियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि सांख्यिकी कैसे शोधकर्ताओं को जटिल सामाजिक घटनाओं का विश्लेषण करने, सार्थक निष्कर्ष निकालने और सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसने प्रतिभागियों को सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में मात्रात्मक दृष्टिकोणों के एकीकरण की गहरी समझ प्रदान की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रमा चटर्जी, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग, द्वारा किया गया। कार्यक्रम ने अंतरविषयक शिक्षण के महत्व को सफलतापूर्वक रेखांकित किया और प्रतिभागियों में शैक्षणिक उत्साह को बढ़ावा दिया। व्याख्यान का समापन डॉ. प्रमा चटर्जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

"रीकंस्ट्रक्शन ऑफ़ इंडियन विलेज" पर विशेष व्याख्यान:

सामाजिक कार्य, समाजशास्त्र, जनजातीय अध्ययन एवं अंग्रेज़ी विभागों ने संयुक्त रूप से 31 दिसंबर 2024 को "रीकंस्ट्रक्शन ऑफ़ इंडियन विलेज" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रकाश भट, मानद प्राध्यापक, कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विश्वविद्यालय, गदग, थे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपी और मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। डॉ. भट ने एक प्रेरणादायक और विचारोत्तेजक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय ग्रामों के पुनर्निर्माण के लिए नवोन्मेषी और सतत पहलों पर चर्चा की। अपनी परियोजनाओं के उदाहरण देते हुए उन्होंने सामुदायिक सहभागिता, संसाधन अनुकूलन, और ग्रामीण विकास रणनीतियों के महत्व पर जोर दिया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपी, ने ग्रामीण विकास में सामुदायिक भागीदारी और सतत विकास रणनीतियों के कार्यान्वयन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसमें सीटीयूएपी के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी एवं संकाय शिक्षक सक्रिय रूप से शामिल हुए। डॉ. भट के व्यावहारिक उदाहरणों और कदम उठाने योग्य सुझावों ने प्रतिभागियों को ग्रामीण विकास में योगदान हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और भारत की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में ग्रामीण पुनर्निर्माण के महत्व पर सार्थक संवाद को प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

1. सुश्री साई लक्ष्मी, एम.ए. (समाजशास्त्र), द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा, ने 25 जनवरी 2025 "सिचुएशनल लीडरशिप आईएन रामायण" विषय पर शोध-पत्र प्रस्तुत किया। रामनारायण मंदिर वीजेडएम टुडे में आयोजित फर्स्ट यूथ ग्लोबल कॉन्क्लेव ओन रामायण कार्यक्रम "वाल्मीकी रिसर्च सेंटर" द्वारा नेशनल संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के तहत आयोजित किया गया था।

2. श्री दुर्गा प्रसाद, एम.ए. (समाजशास्त्र), द्वितीय सेमेस्टर के छात्र, ने 17–21 फरवरी 2025 को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा आयोजित इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया। सीटीयूएपी का प्रतिनिधित्व करते हुए वे केरल गए। उन्हें केरल लोक सेवा आयोग के चेयरमैन द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

3. सुश्रीवी. सिरीषा, एम.ए. (समाजशास्त्र), चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा, ने 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर "गर्ल्स राइटों – इक्वैलिटीज – एम्पावरमेंट" विषय पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

2.18 जनजातीय अध्ययन विभाग

विभाग का परिचय:

जनजातीय अध्ययन विभाग सीधे तौर पर जनजातीय समुदायों के साथ संलग्न होता है और उन्हें अनुसंधान परियोजनाओं तथा पहलों में सम्मिलित करता है। एक अंतर्विषयक विषय के रूप में यह मानवशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास, भाषाविज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और राजनीतिक विज्ञान जैसे विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों के साथ सहयोग करता है, ताकि जनजातीय जीवन और उसके विभिन्न क्षेत्रों के साथ अंतर्संबंधों की व्यापक समझ प्रदान की जा सके। विभाग जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक विरासत और अधिकारों के प्रति जागरूकता, समझ और सम्मान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही, विभाग जनजातीय शिक्षा और समाज, विशेषकर आंध्र प्रदेश में, समावेशन, विविधता और सामाजिक न्याय के व्यापक लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रयासरत है।

समग्र रूप से, जनजातीय अध्ययन विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान, सांस्कृतिक संरक्षण और जनजातीय जीवन के दस्तावेजीकरण के लिए एक केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह शैक्षणिक जगत और व्यापकरूप से समाज में जनजातीय समुदायों के प्रति समझ, सम्मान और समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
डॉ. दिव्या के.	पीएचडी	सहायक प्रोफ़ेसर	जनजातीय अध्ययन, सामुदायिक विकास, जेंडर स्टडीज़, नारीवादी विधिक अध्ययन

डॉ. दिव्या के.

सहायक प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन / आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	"कम्युनिटी मेंटल हेल्थ प्रोग्राम फ़ॉर सिक्कल सेल पेशेंट्स: फ़ंक्शन्स ऑफ़ प्रोफ़ेशनल सोशल वर्कर्स – ए क्वालिटेटिव स्टडी इन आंध्र प्रदेश"	साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ पार्टिसिपेटिव डेवलपमेंट	0976-2701	2	करेस्पॉन्डिंग ऑथर
2	"डिजिटल फ़ाइनेंशियल लिटरेसी इन रूरल हाउसहोल्ड्स: ए स्टडी ऑफ़ मन्यम–परवतीपुरम डिस्ट्रिक्ट इन आंध्र प्रदेश"	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक पर्सपेक्टिव्स	1307-1637	4	करेस्पॉन्डिंग ऑथर

पुस्तक संपादित:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	संपादकों की संख्या
1	राइटिंग ट्राइबल हिस्ट्री ऑफ़ आंध्र प्रदेश	सन्निध्य बुक	3

प्रस्तुत शोधपत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	"ट्राइबल वुमन आंत्रप्रेन्योरशिप अमंग कुरिच्यास इन वायनाड — ए केस स्टडी"	ट्राइबल लाइवलीहुड पैटर्न्स: इश्यूज़ एंड स्ट्रैटेजीज़ फ़ॉर एम्पावरमेंट, 8–9 अगस्त, 2024	सामाजिक विज्ञान संकाय डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ओपन विश्वविद्यालय, हैदराबाद	दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
2	"रिविज़िटिंग महिमा: अनवीलिंग द महिमा इन्फ़्लुएंस ऑन ट्राइबल सोसायटीज़"	25–26 नवम्बर 2024	शास्त्रीय ओडिया अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र और सीटीयूएपी	दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
3	"जेंडर्ड इन्साइट्स इन ट्राइबल स्टडीज़: ब्रिजिंग थेओरी एंड प्रैक्टिस"	11–12 सितम्बर 2024	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	राष्ट्रीय संगोष्ठी

4	"एम्पावरिंग ट्राइब्स विथ डिजिटल आंत्रप्रेन्योरशिप: ए केस स्टडी फ्रॉम माधगा विलेज, अरकू वैली, आंध्र प्रदेश"	13 फ़रवरी 2025	प्रबंधन संकाय एसआरएम विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान	नेशनल सम्मेलन

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	"टू–डे वर्कशॉप ऑन फ़ोकस ग्रुप डिस्कशन (FGD)" में सिक्स सेशन्स में इनवाइटेड लेक्चर	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक और व्यवहार विज्ञान स्कूल, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, 20–21 अप्रैल 2024	विश्वविद्यालय स्तर
2	"इंट्रोडक्शन टू ट्राइबल सोशल वर्क" पर इनवाइटेड लेक्चर	सामाजिक कार्य विभाग, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, 22 अप्रैल 2024	विश्वविद्यालय स्तर
3	नेशनल वर्कशॉप में डिलीवर्ड टू लेक्चर्स: (1) "सावरा सागाज़: ट्रेसिंग आंध्र प्रदेश ट्राइबल लेगेसी एंड तमिल लैंग्वेज इन्फ़्लुएंस" (2) "तमिल रूट्स टू ट्राइबल रिदम्स: एक्सप्लोरिंग लिंग्विस्टिक इन्फ़्लुएंसेज़ इन केरल"	केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु, 24 जून 2024	राष्ट्रीय
4	"फ्रॉम पॉलिसी टू प्रैक्टिस: ट्राइबल डेवलपमेंट स्कीम्स एंड रोल ऑफ़ एनजीओज़ इन इंडिया" पर लेक्चर	सामाजिक कार्य विभाग, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश, 11 मार्च 2025	विश्वविद्यालय स्तर

सत्र की अध्यक्षता/रिसोर्स पर्सन:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	इन कैपेसिटी
1	"रेफ्रेशर कोर्स इन ट्राइबल कल्चर एंड फ़ोकलोर (इंटरडिसिप्लिनरी)" — 'ओरल ट्रेडिशन्स इन ट्राइबल कल्चर एंड फ़ोकलोर' पर सत्र प्रस्तुत	मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश — 19 सितम्बर 2024	रिसोर्स पर्सन
2	"टू–डेज़ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च इन ट्राइबल डेवलपमेंट" — 'ट्राइबल डेवलपमेंट: चैलेंजेज़, प्रॉब्लम्स एंड फ़्यूचर डाइरेक्शन्स'	देव संस्कृति विश्वविद्यालय, सांकरा, कुम्हारी, दुर्ग (छत्तीसगढ़) एंड जनजातिया शोध पीठ (एसएसएमडब्ल्यूए) — 10–11 अगस्त 2024	मुख्य वक्ता
3	"नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च इन ट्राइबल डेवलपमेंट इन इंडिया: पॉलिसीज़ एंड प्रोग्राम्स" — 'थिंकिंग पॉलिसीज़	सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन कल्याण संघ, 10 नवम्बर 2024	मुख्य वक्ता

	एंड प्रोग्राम्स फ़ॉर सस्टेनेबल ट्राइबल डेवलपमेंट इन इंडिया' पर व्याख्यान		
4	"टू–डेज़ नेशनल सेमिनार — ब्रेकिंग द चेन्स ऑफ़ एक्सक्लूज़न: सोशल एंड इकनॉमिक चैलेंजेज़ ऑफ़ एसटी"	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सिद्धिपेट, तेलंगाना — 26–27 मार्च 2025	रिसोर्स पर्सन
5	"नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन एम्पावरिंग ट्राइब्स विथ डिजिटल आंत्रप्रेन्योरशिप"	एसआरएम विश्वविद्यालय, 13 फ़रवरी 2025	सेशन चेयर्ड

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	बीओएस सदस्य, जनजातीय अध्ययन विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
2	बीओएस सदस्य, सामाजिक कार्य विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
3	बीओएस सदस्य, पत्रकारिता विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
4	एमए सोशल वर्क के लिए सदस्य, अध्ययन बोर्ड	जनजातीय कानूनी अध्ययन और जनजातीय अधिकार स्कूल, कलिंग सामाजिक विज्ञान संस्थान (केआइएसएस), भुवनेश्वर, ओडिशा
5	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति — जनजातीय अध्ययन विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
6	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति — पत्रकारिता विभाग	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, क्षमता निर्माण कार्यक्रम:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	वन वीक नेशनल लेवल फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (हाइब्रिड मोड) ऑन 'असिमिलेशन ऑफ़ इंडियन नॉलेज सिस्टम्स विथ एनईपी-2020: प्रॉस्पेक्ट एंड रेट्रोस्पेक्ट'	30 जुलाई से अगस्त 2024	प्रतिभागी
2	टू-डे वर्कशॉप ऑन "ओपन एक्सेस पब्लिशिंग सपोर्टेड बाय ओरसीआईडी-जीपीएफ"	12–13 दिसम्बर 2024	प्रतिभागी
3	टेन डेज़ ऑनलाइन नेशनल लेवल वर्कशॉप ऑन रिसर्च मेथडोलॉजी (ऑनलाइन)	7 से 18 जनवरी 2025	प्रतिभागी

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

'सागा ऑफ करेज: होनरिंग अल्लूरी सीतारामा राजू एंड हिस फॉलोवर्स'

जनजातीय अध्ययन विभाग, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 9 जुलाई 2024 को 'सगा ऑफ कोरेज: होनरिंग अल्लूरी सीतारामा राजू एंड हिस फॉलोवर्स' शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. टी.वी. कट्टिमनी, डॉ. वडरेवु सुंदर राव, और श्री गुंटा लक्ष्मण द्वारा पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। डॉ. राव ने जनजातीय विद्रोहों और गाम मल्लु डोरा एवं कोर्राबु कोट्टैया जैसे नेताओं पर प्रकाश डाला तथा इतिहास में उनके समावेशन की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री लक्ष्मण ने जनजातीय आंदोलनों को शिक्षा में शामिल करने पर बल दिया। कुलपति प्रो. कट्टिमनी ने अल्लूरी की समाधि पर अपनी यात्रा को स्मरण किया। संगोष्ठी का संयोजन डॉ. दिव्या के. ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनिरुद्ध कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया।

एम.ए. जनजातीय अध्ययन के विद्यार्थियों की फील्डवर्क गतिविधियाँ:

एम.ए. जनजातीय अध्ययन कार्यक्रम के फील्डवर्क प्रैक्टिकम के अंतर्गत प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने कोंडाकरकम गांवों का दौरा किया। विद्यार्थियों ने अवलोकन की विधि अपनाई और गांवों के प्रमुख संसाधन व्यक्तियों के साक्षात्कार लिए। फैकल्टी पर्यवेक्षक डॉ. दिव्या के. ने पंचायत अधिकारियों से संवाद किया, और विद्यार्थियों ने आंगनवाड़ी कर्मचारियों से बातचीत की। जनजातीय परिवारों एवं घरों का दौरा किया गया और विद्यार्थियों ने जनजातीय जीवन की वास्तविकताओं को समझा। डॉ. अनिरुद्ध कुमार, अध्यक्ष, जनजातीय अध्ययन विभाग एवं प्रो. सरतचंद्र बाबू मुक्कमाला (संकायाध्यक्ष) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मूल्यवान दिशा-निर्देश प्रदान किए।

राष्ट्रीय गौरव दिवस – जनजातीय गौरव दिवस:

उद्देश्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करने और जनजातीय विरासत का उत्सव मनाने के लिए, जनजातीय अध्ययन विभाग ने 15 नवंबर 2024 को जनजातीय गौरव दिवस 2024 का आयोजन किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, व्याख्यान और विद्यार्थियों द्वारा संचालित गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनमें भारत के इतिहास में जनजातियों के योगदान को उजागर किया गया।

मिलेट्स क्वेस्ट 2025: बिल्डिंग रेसिलिएंस, फीडिंग द वर्ल्ड

जनजातीय अध्ययन विभाग ने समाज विज्ञान, मानविकी एवं प्रबंधन विभागों के सहयोग से 24–25 फरवरी 2025 को "मिलेट्स क्वेस्ट 2025: बिल्डिंग रेसिलिएंस, फीडिंग द वर्ल्ड" शीर्षक से दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और जनजातीय किसानों ने भाग लिया जहाँ स्वास्थ्य, स्थिरता तथा खाद्य सुरक्षा में मिलेट्स की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डॉ. सी. तारा सत्यवती ने जनजातीय किसानों द्वारा मिलेट विविधता को संरक्षित करने के प्रयासों पर जोर दिया। प्रमुख वक्ताओं में श्री प्रकृतिवनम प्रसाद, सुश्री लहरी बाई, सुश्री पडला भूदेवी, और श्रीमती रैमाती घिउरिया शामिल थीं। सम्मेलन का संयोजन डॉ. दिव्या के. द्वारा किया गया, जिसने सीटीयूएपी की मिलेट अनुसंधान और स्वदेशी ज्ञान संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुनर्पुष्टि की।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ:

जनजातीय सांस्कृतिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण मिशन (टी सी आर् & टी ऍम), विशाखापत्तनम के साथ एक महीने की पेड इंटर्नशिप

1. एम.ए. जनजातीय अध्ययन (2023 बैच) के चौथे सेमेस्टर के तीन छात्र (पी. महेश, एस. विजय कुमार, एम. वंसी कृष्णा) दिसंबर 2024 में जनजातीय सांस्कृतिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण मिशन (टीसीआर & टीएम) विशाखापत्तनम की एक प्रतिष्ठित एक-महीने की पेड इंटर्नशिप के लिए चयनित हुए।
2. वी. हरीश चंद्र प्रसाद (रोल नंबर: 24204008), सेमेस्टर-2, एम.ए. जनजातीय अध्ययन, जनजातीय अध्ययन विभाग, ने ठोस और तरल संसाधन प्रबंधन (एसएलआरएम) मास्टर प्रशिक्षकों प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमटीटीपी), जट्टू भाव समाख्या ट्रस्ट, पार्वतीपुरम द्वारा आयोजित एक 10-दिवसीय संसाधन प्रबंधन कार्यशाला में भाग लिया (1 से 9 मार्च 2025)।
3. एम.ए. जनजातीय अध्ययन के छात्रों केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस - 2024 से संबंधित की प्रतियोगिताओं में भाग लिया। एम.ए. जनजातीय अध्ययन के छात्र: वी. नानी बाबू, के. प्रभाकर, वी. हरीश, ए. महेश बाबू, एस. डेविड, जी. कल्याण कुमार ने विश्वविद्यालय स्तर पर क्रिकेट, खो-खो, और वॉलीबॉल में प्रथम पुरस्कार जीते और उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्रऔर पदक प्रदान किए गए।
4. मिस्टर किल्लो प्रभाकर राव (रोल नंबर: 24204004, सेमेस्टर-II, एम. ए. जनजातीय अध्ययन छात्र, जनजातीय अध्ययन विभाग, सीटीयूएपी को यूजीसी-एनआईपी सारथी – भारत में उच्च शिक्षा के रूपांतरण में शैक्षणिक सुधारकों के लिए छात्र राजदूत के रूप में 1 जनवरी 2025 को चयनित किया गया।

विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

1. एम. वामसी कृष्णा (रोल नंबर**:** 23108004), एम.ए. जनजातीय अध्ययन (2023 बैच) के छात्र**,** को टीएचएएनएएल**,** केरल स्थित एक प्रमुख पर्यावरण एवं सामाजिक विकास संगठन**,** में आंध्र प्रदेश के ज़ोनल हेड के रूप में नियुक्त किया गया है।

2.19 पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग

विभाग का परिचय:

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश का पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग शैक्षणिक उत्कृष्टता और पेशेवर विकास का एक सशक्त केंद्र है। हमारा उद्देश्य पर्यटन और आतिथ्य शिक्षा में एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभरना है, जो ऐसे नेताओं का निर्माण करता है जो उद्योग की जटिलताओं और वैश्विक दृष्टिकोणों की गहन समझ रखते हों। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्ध, हमारा मिशन विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल और नैतिक मूल्यों से सशक्त बनाना है, ताकि वे पर्यटन और आतिथ्य की जीवंत दुनिया में सफल हो सकें।

हमारे विभाग में प्रतिष्ठित संकाय सदस्य हैं, जिनके पास शैक्षणिक विशेषज्ञता और उद्योग का अनुभव है, जो एक समृद्ध शिक्षण वातावरण बनाता है। हम अनुभवात्मक अधिगम को प्राथमिकता देते हैं, जिससे विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, उद्योग परिचय और व्यावहारिक परियोजनाओं के अवसर प्रदान किए जाते हैं। समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से, हमारा उद्देश्य ऐसे सर्वांगीण पेशेवर तैयार करना है जो निरंतर परिवर्तित हो रहे पर्यटन परिदृश्य की जटिलताओं को प्रभावी ढंग से संभाल सकें।

पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग अपनी सशक्त उद्योग-सम्बंध और प्लेसमेंट सहायता पर गर्व करता है। हमारा समर्पित प्लेसमेंट सेल अग्रणी संस्थानों के साथ मिलकर इंटर्नशिप और नौकरी के अवसर उपलब्ध कराता है, ताकि हमारे स्नातक आत्मविश्वास और दक्षता के साथ पेशेवर दुनिया में कदम रख सकें।

संकाय विवरण:

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता
प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा	पीएच.डी.	प्राध्यापक	पर्यटन एवं संस्कृति, पर्यटन भूगोल, पर्यटन विधि, पर्यटन हेतु लेखांकन एवं वित्त
डॉ. कुसुम	एमटीएम, एमबीए (एचएम), एम.फिल (टीएम), पीएच.डी., नेट-जेआरएफ	सहायक प्राध्यापक	पर्यटन विपणन, यात्रा संचालन और पर्यटन प्रबंधन

डॉ. जितेंद्र मोहन मिश्रा

प्राध्यापक

प्रकाशित शोध–पत्र:

क्र. सं.	शीर्षक	जर्नल	आईएसएसएन/आईएसबीएन	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	इम्पैक्ट ऑफ़ एजुकेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर ऑन एजुकेशनल आउटकम्स: ए मेडिएशन एनालिसिस ऑफ़ टीचिंग–लर्निंग एन्वायरन्मेंट इन ऑनलाइन टूरिज़्म एजुकेशन इन इंडिया	बाली जर्नल ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी, टूरिज़्म एंड कल्चर रिसर्च	3031-8580	02	सह लेखक
2	एक्सप्लोरिंग कोलकाता'स कुलिनरी हेरिटेज: ए कॉम्प्रेहेंसिव एनालिसिस ऑफ़ गैस्ट्रोनॉमी टूरिज़्म एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	काहियर्स मागेल्लानेस– एन एस	1624-1940	03	सह लेखक
3	गैस्ट्रोनॉमी टूरिज़्म इन कोलकाता: इकोनॉमिक इम्पैक्ट, एम्प्लॉयमेंट, एंड स्ट्रैटेजिक कोलैबोरेशन्स	फ़ोरम फ़ॉर लिंग्विस्टिक स्टडीज़	2705-0602	03	सह लेखक

प्रकाशित अध्याय:

क्र. सं.	शीर्षक	प्रकाशक	लेखकों की संख्या	मुख्य लेखक?
1	ओवर–टूरिज़्म इन द हिमालयन रीजन: एनविज़निंग सस्टेनेबल विज़िटर्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज़	आईजीआई ग्लोबल	02	सह लेखक

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतरराष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	"फ़ॉस्टरिंग आन्त्रप्रेन्यूरियल इकोसिस्टम्स: एस्टैब्लिशिंग इनोवेशन हब्स इन यूनिवर्सिटीज़" — शॉर्ट टर्म प्रोग्राम ऑन स्किल डेवलपमेंट एंड आन्त्रप्रेन्योरशिप, 22 जुलाई 2024	मालवीय मिशन शिक्षक केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय 22-27 जुलाई, 2024 के दौरान।	राष्ट्रीय

पीएच.डी.पर्यवेक्षण:

क्र. सं.	नाम	शीर्षक	स्थिति
1	डॉ. डी. सी. सोनी	ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ़ वॉलन्टूरिस्ट्स' इंटेंशन्स एंड लोकल कम्युनिटी परसेप्शन्स इन इंडिया	गाइडेड

2	डॉ. अडॉर्न वर्मा	एन एम्पिरिकल स्टडी ऑन इन्फ्लुएंस ऑफ़ सोशियो–साइकोलॉजिकल फ़ैक्टर्स ऑन सस्टेनेबल टूरिज़्म इन काज़ीरंगा नेशनल पार्क, असम	गाइडेड
3	श्री दिनेश कुमार जैसवाल	ट्रांस्फ़ॉर्मेशन इन ऑनलाइन टूरिज़्म एजुकेशन इन इंडिया — कंटेम्पररी प्रैक्टिसेज़ एंड फ़्यूचर स्ट्रैटेजीज़	गाइडेड

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय का नाम
1	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
2	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, व्यवसाय प्रबंधन विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
3	सदस्य, कार्यकारी परिषद	सीटीयूएपी, विजयनगरम

डॉ. कुसुम
सहायक प्राध्यापक

आमंत्रित व्याख्यान:

क्र. सं.	सम्मेलन / संगोष्ठी	आयोजक	अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय
1	फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन '"इमर्ज़िंग ट्रेंड्स इन हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री: इम्प्लिकेशंस फ़ॉर टीचिंग एंड करिकुलम डिज़ाइन'"	स्कूल ऑफ़ होटल प्रबंधन एवं पर्यटन, देश भगत विश्वविद्यालय, मंडी गोबिंदगढ़ (पंजाब), 6–10 जनवरी 2025 के दौरान	राष्ट्रीय

विश्वविद्यालय कोर्ट / अध्ययन बोर्ड की सदस्यता:

क्र. सं.	पदनाम	विश्वविद्यालय
1	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम
2	सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, व्यवसाय प्रबंधन विभाग	सीटीयूएपी, विजयनगरम

कार्यशाला में भागीदारी:

क्र. सं.	कार्यक्रम	अवधि	आयोजक
1	ओपन एक्सेस पब्लिशिंग	02 दिन (12–13 दिसम्बर 2024)	केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, विजयनगरम द्वारा केंद्रीय पुस्तकालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के सहयोग से तथा ओरसीआईडी–जीपीएफ के समर्थन से आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला
2	एडवांस्ड टूल्स इन रिसर्च	एक सप्ताह (17–24 जनवरी 2025)	अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र (सी आरआईटी), आईआईएस (मानित विश्वविद्यालय),जयपुर

शोधपत्र की समीक्षा:

क्र. सं.	जर्नल	प्रकाशक
1	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन	इंडर साइंस पब्लिशर्स

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम:

एक्सप्लोरिंग द डायनामिक्स ऑफ़ फोल्क टूरिज्म पर सारगर्भित सत्र

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के प्रबंधन अध्ययन संकाय ने "एक्सप्लोरिंग द डायनामिक्स ऑफ़ फोल्क टूरिज्म" विषय पर एक सारगर्भित सत्र का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सत्यजीत दास, प्रमुख एवं शोध मार्गदर्शक, सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र, कृष्णागुरु अध्यात्मिक विश्वविद्यालय, असम, उपस्थित रहे।

सत्र की शुरुआत प्रबंधन अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. दास ने लोक पर्यटन के सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और सतत पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय परंपराओं, लोककथाओं और स्वदेशी कलाओं को सामुदायिक आधारित पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

संकाय शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और क्षेत्रीय विकास तथा आर्थिक वृद्धि में लोक पर्यटन की भूमिका पर सार्थक चर्चा की। कार्यक्रम डॉ. दास के मूल्यवान विचारों के प्रति आभार व्यक्त करने हेतु धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ। यह सत्र लोक पर्यटन की विकसित होती प्रवृत्तियों और प्रभावों को समझने के लिए एक विचारोत्तेजक मंच सिद्ध हुआ।

अतिथि व्याख्यान: 'नेविगेटिंग केरियर अपॉर्च्यूनिटीज एट थॉमस कुक इंडिया ऍल्टीडी.'

पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग, प्रबंधन अध्ययन संकाय, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 6 अप्रैल 2024 को "नेविगेटिंग केरियर अपॉर्च्यूनिटीज एट थॉमस कुक इंडिया ऍल्टीडी." विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। श्री वेलपुला विजयमोहन, ब्रांच हेड – थॉमस कुक इंडिया लिमिटेड, विशाखापट्टनम, ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और संवाद किया। श्री विजयमोहन ने यात्रा और पर्यटन उद्योग में विभिन्न भूमिकाओं, विकास के अवसरों और कौशल आवश्यकताओं पर मूल्यवान अंतर्दृष्टियाँ साझा कीं। यह अतिथि व्याख्यान श्रृंखला विद्यार्थियों को उद्योग विशेषज्ञों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान करती है। कार्यक्रम धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ। संकाय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

'एनहैंसिंग कम्यूनिकेशन स्किल्स: की टू सक्सेस ईन द टूरिज्म इंडस्ट्री'

पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग, प्रबंधन अध्ययन संकाय, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 6 अप्रैल 2024 को "एनहैंसिंग कम्यूनिकेशन स्किल्स: की टू सक्सेस ईन द टूरिज्म इंडस्ट्री"" विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की। प्रो. टी. हरी बाबू, वाइस-प्रिंसिपल, लेंडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विजयनगरम ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और संवाद किया। प्रो. हरी बाबू ने पर्यटन उद्योग में प्रभावी संचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अतिथि व्याख्यान में मौखिक, गैर-मौखिक, लिखित और अंतर-सांस्कृतिक संचार कौशल जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया। कार्यशाला में सक्रिय सुनने, बोलने और लिखने में स्पष्टता, तथा सांस्कृतिक संवेदनशीलता जैसी तकनीकों को उत्कृष्ट ग्राहक सेवा प्रदान करने के लिए आवश्यक तत्वों के रूप में रेखांकित किया गया। कार्यशाला में यह भी चर्चा की गई कि डिजिटल संचार उपकरण ग्राहक संवाद को बेहतर बनाने में कैसे प्रभाव डालते हैं। विद्यार्थियों ने व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त की, जिससे वे अपनी संचार क्षमताओं में सुधार कर सकें, जो ग्राहक संतुष्टि और पर्यटन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कार्यशाला निरंतर सीखने और बदलते संचार रुझानों के प्रति अनुकूलन के महत्व को रेखांकित करती है। कार्यक्रम धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ।

'मास्टरिंग माईस एसेन्शियल स्किल्स फोर सक्सेस' पर आमंत्रित व्याख्यान

पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग, प्रबंधन अध्ययन संकाय, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 24 अप्रैल 2024 को एक आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया। वक्ता श्री चंदन लाल, एफसीएम ट्रैवल्स, दिल्ली ने विद्यार्थियों को संबोधित किया और संवाद किया। श्री चंदन लाल ने मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस, एंड एक्जिबिशन्स क्षेत्र (माईस) में सफलता के लिए आवश्यक मुख्य दक्षताओं पर प्रकाश डाला। वक्ता ने ग्राहक को समझने, प्रभावी संचार कौशल, कार्यक्रम की सूक्ष्म योजना बनाने और नवोन्मेषी समस्या-समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। व्याख्यान में नेटवर्किंग, वार्ताकौशल (नेगोशिएशन) तथा कार्यक्रमों के निर्बाध संचालन के लिए तकनीक के उपयोग के महत्व पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विद्यार्थियों को माईस उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों के बारे में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

2.20 सीटीयूएपी में कार्यक्रम एवं आउटरीच गतिविधियाँ

आदिवासी कला का उत्सव:राष्ट्रीय जनजातीय चित्रकार सम्मेलन

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 1–2 मार्च 2025 को एमआर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, फोर्ट कैंपस,विजयनगरम में "अदी चित्तारा:नेशनल ट्राइबल पेंटर्स कॉन्क्लेव" नामक एक जीवंत दो-दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री पुसापति अशोक गजपति राजू, पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री एवं चेयरमैन, एमएएनएसएएस; प्रो. शरथ आनंदमूर्ति, कुलपति, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक; पद्मश्री दुर्गा बाई, प्रसिद्ध गोंड चित्रकार; तथा प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, कुलपति, सीटीयूएपी द्वारा किया गया। समारोह में डॉ. के. वी. एल. राजू, करेस्पॉन्डेंट, एमएएनएसएएस, और प्रो. बी. एस. एन. राजू, प्राचार्य, एमआर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, भी उपस्थित रहे। सम्मानित अतिथियों ने सामूहिक रूप से भारत की सांस्कृतिक धरोहर के अभिन्न और मूल्यवान अंग के रूप में जनजातीय कला के संरक्षण और प्रोत्साहन के महत्व पर जोर दिया।

इस सम्मेलन में राजस्थान, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से 28 प्रसिद्ध जनजातीय कलाकारों ने भाग लिया। गोंड, वारली, सौर, और पिठोरा जैसी पारंपरिक कला शैलियों का प्रदर्शन करते हुए कलाकारों ने लाइव पेंटिंग सत्र और प्रदर्शनी में हिस्सा लिया, जिसमें विजयनगरम, बोब्बिली और विशाखापट्टनम से बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। इस आयोजन ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया, कलाकारों और जनता के बीच संवाद को प्रोत्साहित किया, और अपने कला कार्यों की प्रत्यक्ष बिक्री के माध्यम से जनजातीय कलाकारों के आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर उत्पन्न किए। समाजशास्त्र विभाग द्वारा अंग्रेज़ी, जनजातीय अध्ययन एवं सामाजिक कार्य विभागों के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित आदि चित्तारा कार्यक्रम ने सांस्कृतिक संरक्षण, अकादमिक सहयोग तथा स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के उत्सव के प्रति सीटीयूएपी की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया।

सीटीयूएपी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

हर वर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए वैश्विक स्तर पर आयोजित किया जाता है। इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन् वोमेन) ने वर्ष 2025 के लिए "फोर ऑल वोमेन एंड गर्ल्स: इक्वेलिटी, राइटों, एम्पावरमेंट" को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का विषय घोषित किया है। विश्वविद्यालय ने 7–8 मार्च 2024 को अपने कोंडाकरम, विजयनगरम परिसर में "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री दमयंती बेश्रा, प्रोफेसर एवं पूर्व प्राचार्य, एमपीसी ऑटोनॉमस कॉलेज, बारिपदा, थीं, जिन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव से सभा को संबोधित एवं प्रबुद्ध किया। उन्होंने साझा किया कि घर से लेकर कार्यस्थल तक जीवन के हर क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महिलाओं की उपस्थिति समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विविध दृष्टिकोण, कौशल और प्रतिभाओं का योगदान देकर उल्लेखनीय बदलाव लाती है। अपने अध्यक्षीय टिप्पणी में प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपी, ने महिलाओं के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर बल दिया कि सभी को ज्ञान प्राप्त करना चाहिए । उन्होंने अधिक समावेशी और न्यायसंगत वातावरण बनाने में महिलाओं के योगदान की सराहना की। डॉ. पी. श्रीदेवी, चेयरपर्सन, महिला प्रकोष्ठ, सीटीयूएपी, ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के विषय का परिचय प्रस्तुत किया। उत्सव के अंतर्गत एक महिला पदयात्रा (वुमन वॉक) का भी आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से विद्यार्थियों की एकल माताओं ने भाग लिया। महिला प्रकोष्ठ द्वारा एकल माताओं की शक्ति और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में उनके योगदान को सम्मानित किया गया। इस अवसर को विशेष बनाने हेतु रंगोली, वाद-विवाद और डॉक्यूमेंट्री प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, और विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। । विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।.

विश्वविद्यालय के 6वें स्थापना दिवस का उत्सव

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) का 6वाँ स्थापना दिवस 5 अगस्त 2024 को मनाया गया। कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने एक प्रेरणादायक मुख्य वक्तव्य दिया, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और अब तक पार की गई चुनौतियों पर चिंतन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीटीयूएपी जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए परंपरा और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए एक विशिष्ट भूमिका निभाता है। चुनौतियों के बावजूद, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक विकास और अवसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे वह क्षेत्र में समावेशी शिक्षा के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

आगे की दिशा में, प्रो.कट्टिमनी ने विश्वविद्यालय की दृष्टि और मिशन को रेखांकित किया, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार करना और ऐसा अनुसंधान बढ़ावा देना है जो जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाए। उन्होंने नवाचार के अवसरों को विकसित करने, अन्य संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने, और उत्कृष्टता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। स्थापना दिवस का समापन शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामुदायिक सशक्तिकरण के भविष्य के निर्माण पर नए सिरे से केंद्रित दृष्टिकोण के साथ हुआ।.

विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 9 अगस्त 2024 को विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया, जिसका वर्ष का विषय था — 'प्रोटेक्टिंग द राइट्स ऑफ़ इंडीजीनस पियोपल्स ईन वॉलंटरी आइसोलेशन एंड इनिशियल कॉन्टैक्ट.' । मुख्य वक्ता श्रीमती के. धरनी, सीईओ, 21वीं सेंचुरी ग्रुप ऑफ बिजनेसेज, ने एक प्रभावशाली संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने स्वदेशी समुदायों के अधिकारों की रक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से उन स्वदेशी समूहों के साथ सम्मानजनक संवाद और संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो स्वैच्छिक एकांत को चुनते हैं, ताकि उनकी स्वायत्तता और बाहरी खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्होंने समृद्ध जनजातीय विरासत का उत्सव मनाया और विश्वविद्यालय की स्वदेशी संस्कृति के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसके बाद एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें भारत और विश्व स्तर पर स्वदेशी अधिकारों से जुड़े समकालीन मुद्दों पर विचार प्रस्तुत किए गए। यह उत्सव न केवल जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को स्वदेशी समुदायों के अधिकारों की वकालत और सुरक्षा में अपनी भूमिका पर विचार करने के लिए प्रेरित भी किया।

हिन्दी दिवस का उत्सव

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 14 सितंबर 2024 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और माता सरस्वती की पूजा से हुई, जिससे आयोजन को धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. दिलीप सिंह ने हिन्दी भाषा और साहित्य पर अपने विचार साझा किए और उपस्थित सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिन्दी के विकास और संवर्धन में हर व्यक्ति अपनी भूमिका निभा सकता है तथा भाषा के भविष्य की संभावनाओं को तलाश सकता है। विशिष्ट अतिथि श्रीमती गीता वर्मा ने भी अपने मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किए, और उनकी उपस्थिति ने समारोह को एक महत्वपूर्ण आयाम प्रदान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने अध्यक्षीय संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने हिन्दी भाषा के महत्व और उसकी समृद्धि को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का समापन उन सभी व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया, और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को जारी रखने के

संकल्प के साथ। इस सत्र में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

विश्व पर्यटन दिवस 2024 का उत्सव

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने एमएएनएसएएस ट्रस्ट और एपी पर्यटन के सहयोग से विश्व पर्यटन दिवस 2024 का आयोजन विजयनगरम किले में किया, जिसका मुख्य विषय था "टूरिज्म एंड पीस"। कार्यक्रम में सूचनाप्रद कार्यशाला और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल थीं, जिन्होंने समुदायों के बीच सद्भाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में पर्यटन के महत्व को उजागर किया। मुख्य अतिथि सुश्री पुसापति अदिति विजयलक्ष्मी गजपति राजू, विधायक, विजयनगरम, ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा: विजयनगरम किला केवल एक स्मारक नहीं है; यह आध्यात्मिकता, शांति और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ऐसे ऐतिहासिक स्थलों को बढ़ावा देने से स्थानीय रोजगार में वृद्धि होगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, कुलपति, सीटीयूएपी ने की जिन्होंने पर्यटन की शांति, सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रो. के. वी. लक्ष्मीपति राजू, करेस्पॉन्डेंट, एमएएनएसएएस, ने पर्यटन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि पर्यटन विरासत को संरक्षित करने और संस्कृतियों को जोड़ने वाला पुल है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा, संकायाध्यक्ष प्रबंधन अध्ययन संकाय, सीटीयूएपी, के स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसने दिन की चर्चाओं के लिए माहौल तैयार किया। इस कार्यक्रम में प्रस्तुतियों में एसओएमएस और एमआरपीजी कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं जिनमें पारंपरिक ढिमसा नृत्य और कोलाटम शामिल थे, जिसने विजयनगरम किले के मुख्य द्वार पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सांस्कृतिक उत्सव ने क्षेत्र की समृद्ध विरासत और उसकी पर्यटन संभावनाओं को प्रतिबिंबित किया। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. टी. श्रीनिवासन, संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों एवं दोनों संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिससे विश्व पर्यटन दिवस 2024 का उत्सव अत्यंत सफल रहा। कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजन टीम डॉ. अप्पा साबा एल. वी. (कार्यक्रम के संयोजक), डॉ. गंगू नायडू मंडला (संकाय समन्वयक), डॉ. कुसुम (आयोजन सचिव), डॉ. देबांजना नाग (समन्वयक-सांस्कृतिक कार्यक्रम) को सराहा गया। दिवस ने समुदायों में शांति और समझ को बढ़ावा देने में पर्यटन की एकीकृत करने वाली शक्ति को रेखांकित किया।

'लेगल इम्प्लीकेशन ऑफ़ ड्रग एब्यूज, इलिसिट ट्रैफिकिंग एंड सेक्सुअल हैरासमेंट' पर कार्यशाला — आंतरिक शिकायत समिति द्वारा आयोजित

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) की आंतरिक शिकायत समिति ने 31 जुलाई 2024 को सीटीयूएपी सेमिनार हॉल में राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के सहयोग से 'लेगल इम्प्लीकेशन ऑफ़ ड्रग एब्यूज, इलिसिट ट्रैफिकिंग एंड सेक्सुअल हैरासमेंट' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती के. विजय कल्याणी, वरिष्ठ सिविल जज एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, विजयनगरम, थीं। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता श्री डी. विश्वनाथ, डीएसपी, दिशा एवं ट्रैफिक, विजयनगरम, रहे। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में मादक द्रव्य दुरुपयोग, अवैध तस्करी और यौन उत्पीड़न के खतरों और परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था तथा रोकथाम और उपलब्ध सहायता संसाधनों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपीद्वारा मुख्य अतिथि, प्रमुख वक्ता, आईसीसी की अध्यक्षा डॉ. परिकिपंडला श्रीदेवी, और आईसीसी सदस्य डॉ. प्रमा चटर्जी के साथ संयुक्त रूप से किया गया।

मुख्य अतिथि श्रीमती के. विजय कल्याणी ने कार्यक्रम के दौरान रैगिंग, मादक द्रव्य दुरुपयोग, उसके समाज पर प्रभाव, तथा यदि कोई विद्यार्थी मादक द्रव्य दुरुपयोग में लिप्त पाया जाए तो उठाए जाने वाले कानूनी उपायों जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने परिसर में रैगिंग और मादक द्रव्य दुरुपयोग से निपटने में जागरूकता और सक्रिय पहल के महत्व पर जोर दिया। श्री डी. विश्वनाथ, डीएसपी, दिशा एवं ट्रैफिक, ने मादक द्रव्य दुरुपयोग और महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर चर्चा की तथा महिलाओं को कानूनी उलझनों से बचने की सलाह दी। उन्होंने अपने अधिकारों को समझने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को कानूनी विवादों में उलझने से बचने के लिए सक्रिय उपाय अपनाने की सलाह दी, यह बताते हुए कि ऐसे मामलों से उत्पन्न तनाव और जटिलताएँ कितनी गंभीर हो सकती हैं।

इस कार्यक्रम में अन्य अतिथि वक्ताओं में सीएच. वी. एस. प्रसाद, सर्कल इंस्पेक्टर (स्पेशल एनफ़ोर्समेंट ब्यूरो); श्री के. रामाराव, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस (लॉ एंड ऑर्डर), विजयनगरम; और श्री बी. जगदीश्वर राव, सर्कल इंस्पेक्टर (स्पेशल एनफ़ोर्समेंट ब्यूरो) शामिल थे। इन अतिथियों ने मादक द्रव्य सेवन से दूर रहने और शैक्षणिक एवं करियर लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नशा मुक्ति से संबंधित चुनौतियों से निपटने में कानूनी सहायता के महत्व को भी रेखांकित किया।

अपने व्याख्यान में कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई और करियर विकास को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने मादक द्रव्य दुरुपयोग के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों का उल्लेख किया और बताया कि यह कैसे शैक्षणिक प्रगति और भविष्य के करियर अवसरों को प्रभावित कर सकता है। कुलपति ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी क्षमता का उपयोग करें और अपना समय एवं ऊर्जा शैक्षणिक प्रयासों और कौशल विकास गतिविधियों में लगाएँ, जो सफल करियर का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को परिसर में उपलब्ध सहायता और संसाधनों का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया, ताकि वे व्यक्तिगत एवं पेशेवर विकास की दिशा में स्वस्थ और केंद्रित दृष्टिकोण अपना सकें।

अतिरिक्त रूप से, वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अधिक पुस्तकों का पढ़ना और प्रेरक संसाधनों का उपयोग करने जैसी गतिविधियों में शामिल होने की सलाह दी, ताकि वे करियर में प्रेरित और केंद्रित रह सकें। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्तिगत प्रेरणा चुनौतियों को पार करने और शैक्षणिक तथा पेशेवर दोनों क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. दिव्या के., डॉ. कुसुम, डॉ. किशोर पडला, आईसीसी सदस्य सीटीयूएपी, सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, गैर-शिक्षण कर्मचारी, और सीटीयूएपी के सभी विद्यार्थी शामिल थे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह – 2025

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी 2025 को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद कुमार, पूर्व डीडीजी-रिसर्च, आईसीएआईसएटी, और ग्लोबल रिसर्च डायरेक्टर, प्रसाद सीड्स, हैदराबाद, ने "भारतीय कृषि में भारत के जनजातीय क्षेत्रों का योगदान:उनकी वर्तमान आवश्यकताएँ और भविष्य की संभावनाएँ" विषय पर एक ज्ञानवर्धक वक्तव्य दिया।

डॉ. अरविंद कुमार ने भारत की कृषि में जनजातीय समुदायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैव-विविधता संरक्षण, मिलेट्स, दालें, कंद-मूल जैसे पौष्टिक स्वदेशी फसलों की खेती, एग्रोफोरेस्ट्री, जैविक खेती, और पारंपरिक जल संरक्षण जैसी टिकाऊ पद्धतियों में जनजातीय समुदायों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जनजातीय किसानों द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें आधुनिक कृषि प्रथाओं, सिंचाई, बाज़ारों, और भूमि अधिकारों की सीमित पहुँच, साथ ही जलवायु परिवर्तन के प्रभाव शामिल हैं।

भविष्य की ओर देखते हुए, डॉ. कुमार ने बताया कि जनजातीय क्षेत्रों में ईको-टूरिज्म, जैविक खेती, और कृषि-व्यवसाय में अत्यधिकसंभावनाएँ हैं, जिन्हें डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और समावेशी नीतियों द्वारा ओर सशक्त किया जा सकता है। उन्होंने अपने वक्तव्य का समापन इस आग्रह के साथ किया कि वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं, और जनजातीय किसानों के बीच सहयोग आवश्यक है, ताकि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक नवाचारों को मिलाकर एक सतत एवं समृद्ध कृषि भविष्य का निर्माण किया जा सके।.

विभिन्न मंचों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश में 7 अगस्त 2024 को एक सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक जीवन कौशल से सुसज्जित करना और उनके व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गीतकार श्री सुद्दाला अशोक तेजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने रचनात्मक कला क्षेत्र के अनुभवों से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने यह रेखांकित किया कि सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास एक सर्वांगीण व्यक्तित्व के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, श्री तेजा ने बताया कि सामाजिक जागरूकता व्यक्तियों को दूसरों की भावनाओं, अनुभवों और सामाजिक परिस्थितियों को समझने में सक्षम बनाती है, जिससे बेहतर संचार, सहयोग और समावेशिता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्तित्व विकास, चरित्र, दृष्टिकोण और व्यवहार को निखारता है तथा नेतृत्व, सहानुभूति और प्रभावी संप्रेषण जैसे गुणों का निर्माण करता है।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने भी संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अवसरों को अपनाने और अपने शैक्षणिक तथा व्यक्तिगत जीवन में दृढ़ता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने चुनौतियों को पार करने और सफलता प्राप्त करने में धैर्य तथा सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को व्यावहारिक मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान की, यह बताते हुए कि सामाजिक जागरूकता और व्यक्तित्व विकास का समन्वय व्यक्तियों को अधिक सक्षम बनाता है, ताकि वे समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. एन. वी. एस. सूर्यनारायण और समिति सदस्यों द्वारा किया गया, तथा इसमें कुलसचिव प्रो. टी. श्रीनिवासन, संकायाध्यक्ष प्रो. सरतचंद्र बाबू, डॉ. जितेन्द्र मोहन मिश्र, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

नव-प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

सत्र 2024-25 के लिए नव-प्रवेशित स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु एक प्रवेश कार्यक्रम 30 सितंबर 2024 को केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण अभिमुखीकरण सत्र के रूप में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक संरचना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रो. टी. श्रीनिवासन ने विश्वविद्यालय की दृष्टि, मिशन और उद्देश्यों का परिचय देते हुए इसके मूल्यों और लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्र ने पाठ्यक्रम और सिलेबस का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया, जिससे विद्यार्थियों को उपलब्ध शैक्षणिक मार्गों के बारे में स्पष्ट जानकारी मिली।

प्रो. सरतचंद्र बाबू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की संरचना और प्रमुख पहलुओं की व्याख्या की करते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक यात्रा में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया। प्रो. एस.

बी. किवड़े ने विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रक्रिया का विवरण प्रस्तुत किया और मूल्यांकन पद्धतियों के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, डॉ. एन. वी. एस. सूर्यनारायण ने एंटी-रैगिंग उपायों और अनुशासन नीतियों पर मार्गदर्शन दिया ताकि परिसर में सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। सत्र के समापन पर, डॉ. डी. नारायण ने विश्वविद्यालय की पुस्तकालय संसाधनों, नियमों और विनियमों के बारे में जानकारी दी, जिससे विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक यात्रा को समृद्ध करने हेतु आवश्यक ज्ञान प्राप्त हुआ।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 का आयोजन केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश में 1 से 15 सितंबर तक किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय और आसपास के समुदायों में स्वच्छता, स्वास्थ्य-स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत "स्वच्छता शपथ" के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों और स्टाफ ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया, जिसेके बाद विश्वविद्यालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्वच्छता जागरूकता संदेशों को अपडेट किया गया। परिसर में व्यापक सफाई गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। 4 और 5 सितंबर को कोंडकारकम गाँव में एक नुक्कड़

नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्लास्टिक-मुक्त वातावरण की आवश्यकता पर जागरूकता फैलायी गई।

दूसरे सप्ताह में, विद्यार्थियों ने नारा लेखन, प्रश्नोत्तरी, और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिनका विषय जल संरक्षण और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को समाप्त करना था। 11 और 12 सितंबर को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हाथ धोने के महत्व और स्वच्छ भविष्य के निर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। स्वच्छता प्रतियोगिताओं और विश्वविद्यालय कैबिनेट की बैठक ने अभियान के उद्देश्यों को और सुदृढ़ किया, जिससे विश्वविद्यालय समुदाय में स्वच्छता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के मूल्यों को मजबूती से स्थापित किया जा सका।

अंतर- विश्वविद्यालयीय जनजातीय सांस्कृतिक सम्मेलन 2024: विरासत का भव्य उत्सव

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) के जनजातीय अध्ययन विभाग ने समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग के सहयोग से अंतर-विश्वविद्यालयीय जनजातीय सांस्कृतिक सम्मेलन–2024 का सफलतापूर्वक आयोजन 26 दिसंबर 2024 को किया। यह उल्लेखनीय सांस्कृतिक आयोजन सीटीयूएपी और सेंटुरियन विश्वविद्यालय, विजयनगरम को एक साथ लाते हुए जनजातीय विरासत और परंपराओं का अनोखा उत्सव रहा। इस सम्मेलन में आकर्षक

गतिविधियों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जिनमें जनजातीय नृत्य प्रस्तुतियाँ, जनजातीय नाटक, जनजातीय रैम्प वॉक तथा जनजातीय भाषाओं में दिए गए भाषण शामिल थे। दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी ने जनजातीय संस्कृतियों की जीवंतता और विविधता को उजागर किया, तथा भारत की सांस्कृतिक संरचना में उनके अमूल्य योगदान के प्रति गहन सराहना को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, कुलपति, सीटीयूएपी, प्रो. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव एवं कार्यकारी व शैक्षणिक प्रमुख, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली; श्रीमती मालविका जोशी; प्रो. प्रसंथा कुमार मोहंती; तथा डॉ. विश्वदीप शुक्ला, कुलपति, सेंट्यूरियन विश्वविद्यालय शामिल थे। इन प्रतिष्ठित अतिथियों ने सम्मेलन के आयोजन में विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के प्रयासों की प्रशंसा की तथा जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के महत्व पर बल दिया। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने प्रतिभागियों को उत्साहित किया, जिससे यह आयोजन एक यादगार क्षण बन गया जिसने एकता, रचनात्मकता और सांस्कृतिक गौरव का उत्सव मनाया। अंतर-विश्वविद्यालयीय जनजातीय सांस्कृतिक सम्मेलन–2024 वास्तव में सहयोग का एक प्रकाशस्तंभ साबित हुआ और जनजातीय समुदायों की समृद्ध एवं स्थायी विरासत को हार्दिक श्रद्धांजलि दी।

सीटीयूएपी ने देशभक्ति की भावना के साथ संविधान दिवस मनाया

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 26 नवंबर 2024 को भारतीय संविधान में निहित सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराते हुए गर्वपूर्वक संविधान दिवस मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को संविधान के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने दैनिक जीवन में इसके मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। समारोह की शुरुआत एक

रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, इसके बाद संविधान के मूल्यों पर विचारोत्तेजक चर्चा हुई।

संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, जिसका नेतृत्व कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने किया कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण था। इस वाचन ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के महत्व को रेखांकित किया, जिससे विश्वविद्यालय की इन मूल आदर्शों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता सुदृढ़ हुई। यह प्रतीकात्मक कदम राष्ट्र के लोकतंत्र को संचालित करने वाले मूल सिद्धांतों की याद दिलाता है।

कार्यक्रम में प्रो. मोहम्मद मियां, पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद, का मुख्य वक्तव्य भी शामिल था। प्रो. मियां ने संविधान की ऐतिहासिक यात्रा और आधुनिक भारत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने डॉ. बी. आर. अम्बेडकर और संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि को नमन करते हुए सभी से आह्वान किया कि वे संविधानिक मूल्यों को अपनाते हुए राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदान दें।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने कहा कि "भारतीय संविधान हमारी लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश है।" उन्होंने यह भी कहा कि संविधान दिवस मनाना न केवल संविधान निर्माताओं का सम्मान है, बल्कि नागरिकों को उनके कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जिसने इसे एक यादगार अवसर बना दिया, और उपस्थित लोगों में देशभक्ति और जिम्मेदारी की गहरी भावना उत्पन्न की।

स्वच्छता ही सेवा का आयोजन

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश में स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम 19 से 23 सितंबर तक आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित विभिन्न जागरूकता और जन-समर्थन कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलसचिव प्रो. टी. श्रीनिवासन और नोडल अधिकारी डॉ. बोंथू कोटैय्या के

नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह से हुई। इसके बाद परिसर में मानव श्रृंखला बनाई गई और जेएनटीयू जंक्शन तक एक रैली निकाली गई, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वच्छता से संबंधित संदेशों वाले पोस्टर और तख्तियाँ लेकर भाग लिया। कोंडकारकम गाँव में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक और रैली प्रस्तुत की, जहाँ उन्होंने स्थानीय नेताओं और विद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अभियान का संदेश आगे बढ़ाया। "एक पेड़ को गले लगाओ" कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के बीच के संबंध को ओर मजबूत किया।

सीटीयूएपी में स्वच्छता अभियान

18 दिसंबर 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में एक व्यापक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्वच्छता और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना था। इस पहल के तहत सीटीयूएपी कैंटीन सहित परिसर के सभी क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई। इस अभियान का नेतृत्व कुलपति प्रो. टी. वी. कट्टिमनी ने किया, जिनकी सक्रिय भागीदारी ने संकाय सदस्यों,

कर्मचारियों और विद्यार्थियों को प्रेरित किया। संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों ने भी शामिल होकर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व को रेखांकित किया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कचरे को जैविक और प्लास्टिक के रूप में अलग किया, जिससे पुनर्चक्रण और प्रभावी कचरा प्रबंधन के सिद्धांतों को मजबूत किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. बोंथू कोटैय्या, सह प्राध्यापक एवं कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया। स्वच्छता अभियान ने न केवल परिसर को पुनर्जीवित किया बल्कि सतत प्रथाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई, जिससे सीटीयूएपी की स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता और मजबूत हुई।

जनजातीय आबादी में सिकल सेल रोग के प्रभाव पर राष्ट्रीय बैठक

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने 11 से 13 नवंबर 2024 तक अनंतगिरी हिल्स, एएसआर जिला में "सिकल सेल डिसीज-रिलेटेड स्टिग्मा, इकोनोमिक लॉस, एंड क्वॉलिटी ऑफ़ लाइफ अमोंग ट्राइबल पॉप्युलेशंस ऑफ़ इंडिया" विषय पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता परियोजना के लिए तीन दिवसीय बैठक का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आईसीएमआर के

सामाजिक-व्यवहारिक प्रभाग द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय टास्क फोर्स परियोजना के अंतर्गत हुआ, जिसमें परियोजना अन्वेषकों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और सिकल सेल रोग (एससीडी) से प्रभावित रोगियों को एक मंच पर लाया गया ताकि जनजातीय समुदायों में इस रोग से उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की जा सके। डॉ. परिकिपंडला श्रीदेवी, संयोजक एवं प्रधान अन्वेषक, ने बैठक के विषय का परिचय दिया और देशभर से आए विशेषज्ञों का स्वागत किया।

बैठक में कई प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा मुख्य व्याख्यान दिए गए जिसमे डॉ. बोंथा वी. बाबू, निदेशक, एनआईआईरएनसीडी, ने एससीडी रोगियों में कलंक को कम करने पर अपने विचार साझा किए। प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, कुलपति, सीटीयूएपी, ने भारत सरकार द्वारा 2021 में शुरू किए गए सिकल सेल मिशन के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसका लक्ष्य देशभर में एससीडी रोगियों की स्क्रीनिंग और देखभाल को सुदृढ़ करना है। अन्य विशेषज्ञों जैसे डॉ. एन. जनार्धन (एनआईएमएचएएनएस) और डॉ. राहुल शिधाये, प्रवरा चिकित्सा विज्ञान संस्थान, ने जनजातीय क्षेत्रों में रोगियों के लिए कलंक को कम करने तथा देखभाल को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर चर्चा की।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से प्रभावशाली रहा, क्योंकि इसमें अराकू घाटी से आए एससीडी रोगियों की भागीदारी रही, जिन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव और बीमारी से निपटने की रणनीतियाँ साझा कीं, जिससे इस रोग से जूझ रहे लोगों के वास्तविक जीवन अनुभवों की अमूल्य समझ प्राप्त हुई। विशेषज्ञों जैसे डॉ. एस. बी. सुर्ती और डॉ. मधुस्मिता बाल द्वारा संचालित शोध विमर्श ने एससीडी देखभाल के लिए सरकारी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. योगिता शर्मा, सह-प्रधान अन्वेषक डॉ. अनिरुद्ध कुमार, तथा परियोजना स्टाफ सदस्यों डॉ. रवि बाबू बिरुदु और श्री अनिल के योगदान भी महत्वपूर्ण रहे।

सीटीयूएपीऔर आईआईटी -दिल्ली ने संयुक्त रूप से ओपन एक्सेस पब्लिशिंग पर कार्यशाला आयोजित की

केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटी-दिल्ली) ने ओरसीआईडी- जीपीएफ 2024 के समर्थन से 12–13 दिसंबर 2024 तक

ओपन एक्सेस पब्लिशिंग पर दो दिवसीय कार्यशाला का संयुक्त आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और शैक्षणिक कर्मचारियों को ओपन-एक्सेस पब्लिशिंग के मूल सिद्धांतों और व्यावहारिक पहलुओं पर व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करना था। कार्यशाला के संसाधन व्यक्तियों डॉ. नबी हसन, मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी दिल्ली, और डॉ. मोहित गर्ग, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, आईआईटी दिल्ली ने तकनीकी सत्रों के माध्यम से अपने ज्ञान और अनुभव से प्रतिभागियों को संबोधित किया और उन्हें प्रबुद्ध किया।

कार्यशाला में निम्नलिखित विषयों को शामिल किया गया, जैसे यूनेस्को के ओपन साइंस के मूल्य एवं सिद्धांत, ओपन एक्सेस मॉडल, ओपन पब्लिक लाइसेंसिंग, ओपन-एक्सेस पब्लिशिंग में नैतिक मानक, ओपन पब्लिशिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग। उद्घाटन सत्र को प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू, संकायाध्यक्ष, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय ने संबोधित किया। कार्यशाला की समन्वयक डॉ. परिकिपंडला श्रीदेवी और सह-समन्वयक डॉ. डी. नारायण ने न केवल विजयनगरम के आसपास के महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों, बल्कि आंध्र विश्वविद्यालय, आंबेडकर विश्वविद्यालय और नागार्जुन विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, पुस्तकालयाध्यक्षों और शोधार्थियों के लिए भी पंजीकरण और कार्यशाला संचालन को सुगम बनाया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपी, ने शैक्षणिक और शोध जगत में ओपन-एक्सेस पब्लिशिंग के तेजी से बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस पद्धति को अपनाकर शोधकर्ता अपने निष्कर्षों के प्रसार को व्यापक बना सकते हैं, वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दे सकते हैं, नवाचार को प्रोत्साहित कर सकते हैं और एक अधिक सुलभ ज्ञान भंडार का निर्माण कर सकते हैं। प्रो. टी. श्रीनिवासन, कुलसचिव, डॉ. प्रमा चटर्जी, समिति सदस्य, और सीटीयूएपी के अन्य सभी संकाय सदस्यों ने भी दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लेकर इसे सफल बनाया।

ठोस और द्रव संसाधन प्रबंधन (एसएलरएम) प्रशिक्षण कार्यक्रम

1 से 11 मार्च 2025 तक टीटीडी कल्याण मंडपम, पर्वतिपुरम में 10-दिवसीय एसएलरएम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य उन्नत कचरा प्रबंधन तकनीकों पर केंद्रित था। कार्यक्रम में पिछले दो दशकों में भारत की कचरा प्रबंधन में हुई प्रगति को रेखांकित किया गया,

जिसमें कचरा कम्पोस्टिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वेस्ट-टू-वेल्थ कार्यक्रम, और 2010 में एसएलरएम की शुरुआत शामिल है।

प्रशिक्षण में स्रोत पृथक्करण, कम्पोस्टिंग, विकेन्द्रीकृत संसाधन संग्रहण, और ग्रेवाटर प्रबंधन शामिल थे। प्रतिभागियों ने बगीचे के कचरे के प्रबंधन, पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग, बायोगैस उत्पादन, मल्टी-स्टोरेज एसएलरएम केंद्र, ई- कचरा पुनर्चक्रण, छत के बगीचे, और सस्टेनेबल लैंडस्केपिंग के बारे में सीखा। व्यावहारिक सत्रों में घर-घर कचरा सर्वेक्षण, सूखे पत्तों का प्रबंधन, और प्रभावी पृथक्करण अभ्यास शामिल थे। चर्चाओं में शून्य कचरा प्रबंधन सिद्धांतों पर जोर दिया गया, जिनमें कचरे को संसाधन के रूप में देखना, समय पर संग्रहण, और साफ किए गए कचरे का पुनर्विक्रय शामिल हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को सतत, पर्यावरण-अनुकूल कचरा प्रबंधन प्रणालियों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना था, जिससे सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा मिले और कचरे को धन में परिवर्तित किया जा सके, जो एक स्वच्छ, स्वस्थ पर्यावरण और दीर्घकालिक संसाधन संरक्षण में योगदान देगा। सीटीयूएपी के 30 छात्रों, डॉ. बोंथू कोटैय्या, सह प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष तथा डॉ. एम. प्रसाद, सहायक प्राध्यापक, भूविज्ञान विभाग ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

सीटीयूएपी और कुवेम्पु विश्वविद्यालय ने जनजातीय नायकों पर संगोष्ठी का आयोजन किया

कन्नड़ भारती विभाग, कुवेम्पु विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के सहयोग से 31 जनवरी और 1 फरवरी 2025 को जनजातीय सांस्कृतिक नायकों पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देशभर के विद्वानों और विद्यार्थियों ने भाग लिया, जहाँ भारत के सांस्कृतिक इतिहास में जनजातीय नेताओं के योगदान पर चर्चा की गई। डॉ.दिव्या के., सहायक प्राध्यापक, सीटीयूएपी ने आयोजन समिति सदस्य के रूप में संगोष्ठी में भाग लिया, जिससे शोध आदान-प्रदान और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा मिला। संगोष्ठी में जनजातीय ज्ञान प्रणालियों और नेतृत्व विरासतों के दस्तावेजीकरण और संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया, तथा यह रेखांकित किया गया कि वे पहचान, सामर्थ्य, और स्वदेशी गौरव पर समकालीन संवादों में कितने प्रासंगिक हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय ने अपने विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 18 मार्च 2025 को विश्वविद्यालय परिसर में एक निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को निःशुल्क चिकित्सीय जांच, परामर्श तथा निवारक स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता प्रदान करना था।

शलोम हेल्थ सेंटर से डॉ. अनिल बेंजामिन के नेतृत्व में अनुभवी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य पेशेवरों की एक टीम ने सामान्य स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण तथा बीएमआई आकलन किया। विद्यार्थियों को पोषण, मानसिक स्वास्थ्य एवं जीवनशैली प्रबंधन से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री पी. के. दाश ने विद्यार्थियों के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर जोर दिया और ऐसी पहलों के लिए निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव (प्रभारी) प्रो. टी. श्रीनिवासन ने विद्यार्थी कल्याण के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि भविष्य में नियमित रूप से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन विश्वविद्यालय की योजनाओं का हिस्सा रहेगा। शलोम हेल्थ सेंटर के डॉ. अनिल बेंजामिन ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल, स्वस्थ जीवनशैली विकल्पों तथा मानसिक कल्याण पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

इसके अतिरिक्त, छात्राओं के लिए एक विशेष परामर्श सत्र आयोजित करने हेतु एक प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ को भी आमंत्रित किया गया। इस सत्र में मासिक धर्म स्वास्थ्य, प्रजनन स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। यह सत्र अत्यंत संवादात्मक रहा, जिसमें छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली, जिन्होंने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। विश्वविद्यालय ने स्वस्थ परिसर वातावरण को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित करने की योजना बनाई है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में उपलब्धि हेतु विश्वविद्यालय द्वारा बाला श्री का सम्मान

विश्वविद्यालय ने श्री कुसुम्बा बाला श्री नंदक को 10 से 12 जनवरी 2025 के दौरान नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 के अंतर्गत "विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग" में उनकी उत्कृष्ट सहभागिता के लिए गर्वपूर्वक सम्मानित किया। राष्ट्रीय मंच पर संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत कर, उच्च स्तरीय चर्चाओं में भाग लेकर तथा विकसित भारत की परिकल्पना को आकार देने वाली गतिविधियों में सहभागिता कर विकसित भारत चैलेंज में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बाला श्री ने इस प्रतिष्ठित यात्रा की शुरुआत तेलंगाना के माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा द्वारा दिए गए सम्मानजनक विदाई समारोह से की। इसके पश्चात उन्होंने अपने विषय "विकास भी विरासत भी" को प्रतिष्ठित मार्गदर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया। उनके समृद्ध अनुभवों में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया, श्री आनंद महिंद्रा और डॉ. एस. सोमनाथ द्वारा संबोधित उद्घाटन सत्र में भाग लेना, सुश्री पालकी शर्मा उपाध्याय, सुश्री जान्हवी सिंह तथा पद्मश्री श्री रोमालो राम जैसी प्रसिद्ध हस्तियों के साथ संवाद करना, और माननीय केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी के साथ औपचारिक रात्रिभोज में सहभागिता शामिल रही। उनकी सहभागिता का एक महत्वपूर्ण क्षण माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर रहा, जिसके पश्चात विकसित भारत @2047 की दिशा में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करने वाला प्रेरणादायक ग्रैंड प्लेनरी सत्र आयोजित हुआ।

इन उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि 22 जनवरी 2025 को जुड़ी, जब भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय में आयोजित विशेष भारतीय भाषा संगम कार्यक्रम में बाला श्री को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विशिष्ट अतिथियों एवं भारतीय शिक्षण मंडल, तेलंगाना प्रांत द्वारा सम्मानित किया गया। उनकी ये उपलब्धियाँ उनके समर्पण, बौद्धिक क्षमता और नेतृत्व गुणों को प्रतिबिंबित करती हैं, जो विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं।

भाषा अधिगम को बढ़ावा देने हेतु "स्टेप इंटू तेलुगु" पर एक सत्र

विश्वविद्यालय ने 10 सितंबर 2024 को "स्टेप इंटू तेलुगु: मास्टर द एसेंशियल्स विथ ईज़" शीर्षक से एक विशेष सत्र का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य प्रारंभिक शिक्षार्थियों के लिए तेलुगु भाषा को अधिक सुलभ बनाना था। इस सत्र को आवश्यक शब्दावली, मूल व्याकरण और दैनिक संवाद कौशल का परिचय देने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिससे एक संरचित एवं प्रोत्साहनपूर्ण शिक्षण वातावरण प्रदान किया गया। संसाधन व्यक्ति, डॉ. दीपा गुप्ता, जो एक प्रसिद्ध लेखिका एवं बहुभाषी शिक्षाविद् हैं, ने स्थानीय भाषा सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को तेलुगु भाषा में निहित सांस्कृतिक गहराई को समझने के लिए प्रेरित किया। उनकी रोचक प्रस्तुति शैली से अनेक प्रतिभागी प्रेरित हुए और उन्होंने तेलुगु में संवाद करने के प्रति अपने बढ़े हुए आत्मविश्वास को साझा किया।

कार्यक्रम में प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपी की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं के अध्ययन की भूमिका को सशक्त सामुदायिक संबंधों के निर्माण और सांस्कृतिक समझ को बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से इस सत्र में भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम परिसर में भाषाई समावेशन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सार्थक कदम सिद्ध हुआ।

CTUAP द्वारा फिनटेक एवं साइबर सुरक्षा पर युवामंथन हैकाथॉन का आयोजन

विश्वविद्यालय ने यूजीसी के तत्वावधान में 19 मार्च 2025 को युवामंथन हैकाथॉन का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें "इनोवेट, सेक्योर, लीड: एम्पावरिंग फिनटेक एंड साइबरसिक्योरिटी थ्रू हैकाथॉन्स" विषय पर विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने सहभागिता की। यह कार्यक्रम वित्तीय प्रौद्योगिकी, डिजिटल सुरक्षा में उभरते रुझानों तथा 2027 तक विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार-विमर्श के लिए एक गतिशील मंच सिद्ध हुआ। विद्यार्थियों ने फिनटेक के भविष्य, साइबर सुरक्षा की चुनौतियों, डिजिटल नागरिकों की जिम्मेदारियों तथा भारत के विकसित होते तकनीकी परिदृश्य पर गहन और विचारोत्तेजक चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। उनकी उत्सुकता सुरक्षित डिजिटल लेन-देन को सुदृढ़ करने, साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने और राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों के अनुरूप उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने हेतु प्रस्तावित नवाचारी समाधानों में परिलक्षित हुई।

कार्यक्रम में डॉ. सुब्रत कुमार परिदा, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग, सेंट्यूरियन विश्वविद्यालय सहित प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने तकनीकी परिवर्तन को आगे बढ़ाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और डिजिटल वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करने हेतु नवाचारी समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. जितेंद्र मोहन मिश्रा, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन संकाय ने प्रतिभागियों की प्रतिबद्धता और दूरदर्शी दृष्टिकोण की सराहना की। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ प्रशासक जैसे प्रो. टी. श्रीनिवासन, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय एवं कुलसचिव (प्रभारी) तथा प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू, संकायाध्यक्ष, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करने वाले पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। इस प्रभावशाली पहल के माध्यम से केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश ने युवा नवोन्मेषकों को प्रोत्साहित करने, विद्यार्थियों को समकालीन ज्ञान से सशक्त बनाने तथा रचनात्मकता, नेतृत्व और तकनीकी उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

सीटीयूएपी में प्रभावशाली युवामंथन एमयूएन 2024 के आयोजन के साथ युवाओं ने बहस का नेतृत्व किया

विश्वविद्यालय ने यूजीसी के तत्वावधान में 27 अप्रैल 2024 को युवामंथन मॉडल यूनाइटेड नेशंस (वाईएमयूएन) का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने दो सत्रों में आयोजित इस बौद्धिक रूप से समृद्ध कार्यक्रम में भाग लिया। प्रातःकालीन सत्र में "लाइफस्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट" विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसका उद्घाटन पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ प्रो. राघवेंद्र पी. तिवारी, माननीय कुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय; प्रो. टी. वी. कट्टिमनी, माननीय कुलपति, सीटीयूएपी; प्रो. टी. श्रीनिवासन, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय एवं कुलसचिव (प्रभारी) तथा प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू, संकायाध्यक्ष,, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय; प्रो. जितेंद्र मोहन मिश्रा, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन संकाय तथा विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में तात्कालिक पर्यावरणीय चिंताओं पर चर्चा की गई तथा यह रेखांकित किया गया कि अत्यधिक उपभोग और संसाधनों के दोहन पर आधारित आधुनिक जीवनशैली किस प्रकार जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता ह्रास तथा वैश्विक खाद्य एवं जल संकट जैसी समस्याओं को तीव्र कर रही है। वक्ताओं ने सतत जीवनशैली अपनाने की तात्कालिक आवश्यकता पर बल दिया और युवाओं से हरित तथा अधिक सुदृढ़ भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सायंकालीन सत्रों में सीओपी 29 (यूएनएफसीसीसी) तथा एआईपीपीएम (अखिल भारतीय राजनीतिक दल बैठक) के गतिशील सिमुलेशन आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों को वास्तविक कूटनीतिक एवं राजनीतिक प्रक्रियाओं का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। सीओपी 29 में प्रतिनिधियों ने वैश्विक तापन, जलवायु नीति और सतत विकास जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया तथा पर्यावरणीय क्षरण से निपटने हेतु व्यावहारिक रणनीतियाँ प्रस्तुत कीं। साथ ही, एआईपीपीएम सत्र में देशभर के मंत्रियों और राज्य नेताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय पर्यावरण नीतियों और दल-विशेष पहलों पर सशक्त चर्चा की। संयुक्त रूप से इन सत्रों ने विद्यार्थियों को अपनी वार्ता एवं मोलभाव कौशल को निखारने, पर्यावरणीय शासन की जटिलताओं को समझने तथा नीति निर्माण में युवाओं की भूमिका के महत्व को जानने के लिए एक समग्र मंच प्रदान किया। वाईएमयूएन के माध्यम से सीटीयूएपी ने जागरूक, जिम्मेदार और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील वैश्विक नागरिकों के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया।

सीटीयूएपी यूथ पार्लियामेंट ने जीवंत नीतिगत संवाद को प्रोत्साहित किया

विश्वविद्यालय ने यूजीसी के तत्वावधान में 18 मार्च, 2025 को युवामंथन मॉडल यूथ पार्लियामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने "विकसित भारत: केरियर डेवलपमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप, एंड इम्प्लॉयमेंट" विषय पर जीवंत नीतिगत विचार-विमर्श में भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेतृत्व, विश्लेषणात्मक सोच और लोकतांत्रिक समझ को प्रोत्साहित करते हुए शासन में युवाओं की भागीदारी को सुदृढ़ करना था। विद्यार्थियों ने संसद सदस्य, अध्यक्ष और सचिवालय स्टाफ जैसी भूमिकाएँ निभाईं, जिससे कार्यवाही यथार्थवादी और बौद्धिक रूप से प्रेरक बनी। (डॉ.) के. वी. लक्ष्मीपति राजू, कोरेस्पोंडेंट – एमएएनएसएएस, जैसे विशिष्ट गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और भारत के भविष्य के निर्माण देने में युवाओं की भागीदारी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। प्रो. टी. श्रीनिवासन, कुलसचिव (प्रभारी) ने प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण और विचारोत्तेजक सहभागिता की सराहना की, और कार्यक्रम का समापन उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

वरिष्ठ प्रशासक प्रो. टी. श्रीनिवासन, कुलसचिव (प्रभारी), प्रो. एम. सरतचंद्र बाबू, संकायाध्यक्ष,, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय; प्रो. जितेंद्र मोहन मिश्रा, संकायाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन संकाय; तथा विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य इस पहल के समर्थन हेतु उपस्थित रहे। विचार-विमर्श में करियर विकास, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तथा इन चिंताओं के समाधान में राज्य और राष्ट्रीय सरकारों की जिम्मेदारियों से जुड़े तात्कालिक मुद्दों को रेखांकित किया गया। यह यूथ पार्लियामेंट समावेशिता, जागरूकता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाला एक सार्थक मंच सिद्ध हुआ, जिसने विद्यार्थियों को समग्र और समाधान-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

भाग–3: केंद्रीय सुविधाएँ

3.1. बुनियादी ढांचागत सुविधाएं

कैफेटेरिया: विश्वविद्यालय में विशाल पूर्णत: वातानुकूलित कैफेटेरिया है, जिसमें एक समय में 100 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था है।

सेमिनार हॉल: सेमिनार हॉल 150 से अधिक विद्यार्थियों की क्षमता वाला है, जो 168×96 इंच के पूर्ण सक्रिय एलईडी स्क्रीन और डिजिटल पोडियम से सुसज्जित है।

स्मार्ट क्लासरूम: सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम बनाया गया है, जिनमें इंटरएक्टिव कैमरा और माइक्रोफोन, टचस्क्रीन डिजिटल पोडियम, 55 इंच के स्मार्ट बिजनेस टीवी, तथा वायर्ड और वायरलेस माइक्स उपलब्ध हैं।

वाई-फाई और एलएएन: पूरा विश्वविद्यालय एक्सेस पॉइंट्स और स्विचों के माध्यम से पूर्णतः वाई-फाई-सुविधायुक्त है, तथा समर्पित हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड एलएएन उपलब्ध है। स्मार्ट कंप्यूटर लैब: कंप्यूटर लैब में 100 से अधिक कंप्यूटर हैं, जो वाई-फाई एवं ब्रॉडबैंड दोनों से जुड़े हैं। लैब डिजिटल पोडियम और 55 इंच के स्मार्ट बिजनेस टीवी से भी सुसज्जित है।

एक्सेस स्विच–टाइप 3 (सिस्को) मॉडल, 16x1जी, 4x10जी, पीओईस्विच, 1 राउटर (सिस्को) मॉडल, 100 संख्या.1जीबीएएसई, 10जीबीएएसई, 100जीबीएएसईपैसिव कॉपर केबल 3 मीटर, 1 सिस्कोफायरपावर 2140 फ़ायरवॉल, 2 कोर स्विच (सिस्को) मॉडल, 7 एक्सेस स्विच–टाइप 1 और 2 (सिस्को) मॉडल—24/48 पोर्ट, 1 डीऍन्एसिक्योरिटी (सिस्को) मॉडल अप्लायंस, 1 सिस्को डीऍन्ए सेंटर एप्लायंस (जेन–2) विथ 44 कोर

3.2 पोर्टेबल प्रयोगशालाएँ

3.2.1 जैव प्रौद्योगिकी विभाग में उपकरण

जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित प्रयोगशाला सुविधाएँ उपलब्ध हैं। सभी प्रयोगशालाएँ सूक्ष्मजीवविज्ञान, आणविक जीवविज्ञान, जैव रसायन एवं प्रतिरक्षाविज्ञान के प्रयोगों के लिए आवश्यक बुनियादी उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिससे विद्यार्थी जैव प्रौद्योगिकी के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित हो सकें।

Spectrophotometer

Magnetic Stirrer

High speed centrifuge (16k rpm)

Laminar Air Flow

Digital Weighing Balance

Double Beam UV Spectrophotometer

Water Bath

PCR

Nano

Incubators

Permanent glass slides containing specimens

Colorimeter

Specimen

3.2.2 वनस्पति विज्ञान विभाग में उपकरण

वनस्पति विज्ञान विभाग विद्यार्थियों को पादप विज्ञान में उच्च अध्ययन के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करता है, न केवल उन्हें सीखने और अनुसंधान की ओर उन्मुख करता है बल्कि समाज को व्यापक रूप से योगदान देने हेतु भी मार्गदर्शन प्रदान करता है। विभाग में सुव्यवस्थित प्रयोगशाला और एक वनस्पति उद्यान है, जिसमें प्रायोगिक कक्षाएँ और शोध कार्य संचालित किए जाते हैं। सीटीयूएपी का वनस्पति विज्ञान विभाग उच्च स्तरीय उपकरणों से सुसज्जित है, जिसकी तुलना किसी भी शोध प्रयोगशाला से की जा सकती है, और यह विभाग विद्यार्थियों को उनके करियर में ऊँचाइयों तक पहुँचने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रमुख उपकरण

Ultrasonic Homogenize

PCR Unit

Ice Flaker

Ultrapure (Type 1) Water System

Gel Doc System

Microscope

Vertical Autoclave

Water Bath

Refrigerator

Real-time PCR

Digital pH Meter

MINI-PAM

3.2.3 रसायन विज्ञान प्रयोगशालाएँ

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश के बी. एससी. (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) रसायन विज्ञान तथा एम. एससी. (रसायन विज्ञान) विद्यार्थियों हेतु निम्नलिखित प्रयोगशाला सुविधाएँ उपलब्ध हैं। सभी प्रयोगशालाएँ अकार्बनिक रसायन, कार्बनिक रसायन और भौतिक रसायन के प्रयोगों हेतु आवश्यक बुनियादी उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिससे विद्यार्थी रसायन विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित हो सकें।

Inorganic Chemistry Lab

Organic Chemistry Lab

Physical Chemistry Lab

उपकरण एवं यंत्र

बी.एससी. (ऑनर्स/ऑनर्स विद रिसर्च) रसायन विज्ञान एवं एम. एससी. रसायन विज्ञान के विद्यार्थियों हेतु अकार्बनिक, कार्बनिक एवं भौतिक रसायन प्रयोगों के लिए प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, शोध परियोजनाएँ कर रहे विद्यार्थियों को विशिष्ट शोध उपकरणों तक पहुँच प्रदान की जा सकती है, जिससे वे अनुसंधान कार्य कर सकें।

Gas Chromatography

FT-IR Spectrophotometer

3.2.4 कंप्यूटर लैब

कंप्यूटर लैब 100 से अधिक उच्च कॉन्फ़िगर सिस्टम से सुसज्जित है जिससे दोनों वाई-फाई एवं लेन ब्रॉडबैंड कनेक्शन है। यह डिजिटल पोडियम और 55 इंच के स्मार्ट बिजनेस टीवी से भी सुसज्जित है। सभी सिस्टम नवीनतम एंटी-वायरस सॉफ़्टवेयर एवं नवीनतम सॉफ़्टवेयर से लैस हैं।

विद्यार्थियों को सेमेस्टर के विषयों से संबंधित जॉब पोर्टल, ई-बुक, व्यावहारिक और सैद्धांतिक सामग्री/वीडियो खोजने के लिए 24 x 7 की सुविधा प्रदान की गयी है , कंप्यूटर लैब शिक्षकों को सिद्धांत और व्यावहारिक सत्रों के लिए लाइव प्रदर्शन देने में भी सहायक है ।

सभी सिस्टम LAN सुविधा के माध्यम से आपस में जुड़े हुए हैं। कंप्यूटर लैब में पारंपरिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लिए पारंपरिक ब्लैक बोर्ड और सफेद मार्कर बोर्ड की सुविधा भी उपलब्ध है।

3.2.5 सर्वर रूम:

विश्वविद्यालय अपने शिक्षकों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अत्याधुनिक कैंपस-वाइड नेटवर्क के द्वारा इंटरनेट-सक्षम कंप्यूटिंग और पर्याप्त वाई-फाई की सुविधाएँ प्रदान करता है। नेटवर्क दिग्गज CISCO कंपनी द्वारा प्रस्तुत निम्नलिखित विश्वस्तरीय उपकरणों के माध्यम से ये सभी सुविधाएँ सर्वर रूम में एकीकृत की गई हैं। वाई-फाई और लैन: पूरे विश्वविद्यालय को एक्सेस पॉइंट, स्विच और समर्पित उच्च गति ब्रॉडबैंड लैन कनेक्शन के माध्यम से पूरी तरह से कनेक्टेड वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गयी है।

नेटवर्क दिग्गज CISCO द्वारा प्रदान किया गया सर्वर रूम उपकरण

- 2 एक्सेस स्विच - प्रकार 3 (सिस्को) मॉडल
- 2 16x1G, 4x10G, PoE स्विच
- 1 राउटर (सिस्को) मॉडल
- 3 मीटर के 1GBASE, 10 GBASE और 100GBASE पैसिव कॉपर केबल 100 संख्या में
- 1 सिस्को फायरपावर 2140 फ़ायरवॉल
- 2 कोर स्विच (सिस्को) मॉडल
- 7 एक्सेस स्विच - टाइप 1 और 2 (सिस्को) 24 पोर्ट/48 पोर्ट मॉडल,
- 1 DNS सुरक्षा (सिस्को) मॉडल उपकरण, 1 सिस्को डीएनए सेंटर एप्लायंस (जनरेशन 2) 44 कोर के साथ।

3.2.6 प्रयोगशाला/भूविज्ञान संग्रहालय

- भूविज्ञान संग्रहालय खनिजों और शैलों के नमूनों से सुसज्जित है।
- ऑप्टिकल खनिज-विज्ञान प्रयोगशाला उन्नत माइक्रोस्कोप से सुसज्जित है।

3.2.7 ग्रीन रूम उपकरण:

प्रिंट प्रयोगशाला

किसी भी मीडिया संस्थान में व्यावसायिक प्रशिक्षण के मूलभूत क्षेत्रों में से एक, प्रिंट मीडिया प्रयोगशाला एक प्रमुख इकाई है। इसमें 20 एचपी डेस्कटॉप कंप्यूटर शामिल हैं, जिनका उपयोग लैब जर्नल डिजाइनिंग, इंटरनेट सर्फिंग और प्रिंटिंग के लिए किया जाता है। यह लैब वर्तमान प्रयोगशाला जर्नल तैयारी की प्रवृत्तियों को पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

टेलीविज़न स्टूडियो

पत्रकारिता विभाग में विद्यार्थियों के लिए वीडियो संपादन और फिल्म निर्माण सीखने के लिए एक टेलीविजन स्टूडियो है। यह मल्टीकैम सेटअप, प्रभावी रूप से कार्यात्मक हाईडेफिनिशन - कैमरे, कैमकोर्डर, साउंड रिकॉर्डर, एक एडिटिंग बे, टेलीप्रॉम्प्टर और माइक्रोफोन, मल्टीकैमरा - प्रोडक्शन के लिए विज़न मिक्सर और ऑडियो मिक्सर के साथ एक प्रोडक्शन कंट्रोल रूम और एक पेशेवर लाइटिंग सिस्टम से सुसज्जित है, जिसका उपयोग विद्यार्थी फोटोग्राफी और वीडियो, समाचार क्लिप, फिल्म और वृत्तचित्र बनाने के लिए करते हैं। साथ ही, फोटो जर्नलिज्म के कौशल सीखने और उसमें महारत हासिल करने के लिए विभिन्न प्रकार के कैमरे उपलब्ध हैं।

स्क्रीनिंग हॉल

लघु लेकिन सुव्यवस्थित स्क्रीनिंग हॉल विद्यार्थियों के लिए डॉक्यूमेंट्री/फ़िल्में देखने का महत्वपूर्ण स्थान है और छोटे स्तर के फिल्म समारोहों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं के आयोजन के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करता है। हॉल पूर्णत: वातानुकूलित है। नवीनतम ऑडियो-वीडियो प्रोजेक्शन सिस्टम से सुसज्जित यह हॉल 100 से अधिक व्यक्तियों के बैठने की क्षमता रखता है।.

3.3 कौशल विकास केन्द्र

विश्वविद्यालय में कौशल विकास केंद्र एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से बेरोजगार युवाओं विशेषतः जनजातीय युवाओं को सशक्त बनाना है। समावेशी विकास और वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए स्थापित यह केंद्र विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए समर्पित है, जो उनकी रोजगार क्षमता और आर्थिक संभावनाओं को बढ़ाएगा।

यह केंद्र विभिन्न क्षेत्रों जैसे सिविल, रेफ्रिजरेशन, इलेक्ट्रिकल आदि में कौशल विकास कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला प्रस्तुत करता है। इन कार्यक्रमों को विद्यार्थियों की विशिष्ट आवश्यकताओं और रुचियों के अनुरूप सावधानीपूर्वक बनाया गया है, ताकि उन्हें समकालीन व्यवहारिक कौशल सेट प्रदान किया जा सके।

अनुभवी प्रशिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में, कौशल विकास केंद्र में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिसमें व्यावहारिक शिक्षा और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य ना केवल कुशल श्रमिकों को तैयार करना है, बल्कि नवोन्मेषकों और समस्या समाधानकर्ताओं को भी तैयार करना है।

इसके अतिरिक्त, यह केंद्र, राष्ट्रीय निर्माण अकादमी, आंध्र प्रदेश सरकार, आंध्र प्रदेश कौशल विकास निगम, कौशल विकास मंत्रालय, आंध्र प्रदेश सरकार, DAIKIN, और स्थानीय उद्योगों तथा संगठनों के साथ सक्रिय सहयोग करता है, जिससे विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और नौकरी के अवसर प्रदान किये जाते हैं। यह केंद्र सीखने से कमाई तक एक सहज परागमन सुनिश्चित करता है, और युवाओं को अपने समुदायों के विकास में सार्थक योगदान देने में सशक्त बनाता है।

विश्वविद्यालय का कौशल विकास केंद्र, आंध्र प्रदेश के जनजातीय समुदायों के बीच सकारात्मक परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।कौशल विकास केंद्र के अंतर्गत "आदिवासी कौशल केंद्र" ने 4 दिसंबर 2022 से अपने कार्य का आरंभ किया। केंद्र के द्वारा शुरुआत के दिनों से ही राष्ट्रीय निर्माण अकादमी (एनएसी) के सहयोग से विभिन्न कौशल विकास गतिविधियाँ आयोजित की जाती है ।

1.4 केंद्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय की स्थापना और उद्घाटन 20 जुलाई 2022 को माननीय कुलपति प्रो. टी.वी. कट्टीमनी की उपस्थिति में गिरिजन भवन में की गई, जो विश्वविद्यालय के निकट स्थित है। केंद्रीय पुस्तकालय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक समुदाय के लिए सूचना का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।पुस्तकालय को शैक्षणिक समुदाय के लिए एक ज्ञान केंद्र एवं राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर ज्ञान के प्रवेश द्वार के रूप में विकसित किये जाने की अपेक्षा है। पुस्तकालय 7000 से अधिक पुस्तकों और अन्य आरएफआईडी उपकरणों से सुसज्जित है, जो विशेष रूप से परिसर में शिक्षाविदों और विश्वविद्यालय से संबंधित सभी व्यक्तियों तक ज्ञान की पहुँच सुनिश्चित करता है। पुस्तकालय मुख्य रूप से विश्वविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यकर्मो और शोध कार्यकर्मो पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विश्वविधयालय के मुख्य शिक्षा केंद्र के रूप में विकसित होने के लिए प्रयासरत है।

मुख्य विशेषताएँ:

- केंद्रीय पुस्तकालय में सभी आंतरिक कार्य पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत हैं और कोहा सॉफ्टवेयर पैक्टेज़ीका उपयोग करते हुए आरएफआईडी प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्वचालित हैं।
- ऑनलाइन एक्सेस स्टेशन और अन्य बुनियादी सुविधाएं जैसे कि वाई-फाई कनेक्टिविटी और वेबोपैक तथा अन्य प्रसार सामग्री के लिए डिस्प्ले कियोस्क हैं।
- सामाजिक नेटवर्किंग और सूचना प्रबंधकों के लिंक का प्रभावी उपयोग करते हुए देशभर से विद्वानों के पत्रों के सूक्ष्म दस्तावेज़/पुनर्मुद्रण प्राप्त करना।
- संसाधन-साझाकरण एवं अन्य सूचना सेवाएँ: स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख संस्थागत पुस्तकालयों के सूचना संसाधनों के उपयोग का सतत प्रयास।

पुस्तकालय में निम्नलिखित नवीन उपकरण और प्रणालियाँ स्थापित की गईं:

(क) ब्रदर डीसीपी-बी7500डी प्रिंटर और दस्तावेज़ स्कैनर - 1
(ख) आईडी कार्ड के लिए ईपीएसओएन और ज़ेबरा रंग प्रिंटर - 02
(ग) कैनन आईआर 2625 फोटो कॉपी मशीन - 01
(घ) इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ एसर कंप्यूटर प्रणाली - 16
(ङ) वोल्टास एयर कंडीशनर - 10
(च) ब्लू स्टार जल शुद्धिकरण यंत्र और कूलर – 01
(छ) टीऍस्सी बारकोड प्रिंटर

संसाधन:

1. प्रिंट पुस्तकें: 17000 वॉल्यूम

2. ई-जर्नल्स: 30 प्रकाशकों के 13000+ ई-जर्नल्स

3. समाचारपत्र: 6
   - तेलुगु: ईनाडु, साक्षी, ABN-आंध्र ज्योति
   - अंग्रेज़ी: टाइम्स ऑफ़ इंडिया, द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस

4. पत्रिकाएँ: 49 पत्रिकाएँ

ई-रिसोर्सेज़ (ओएनओएस)		
क्र. सं.	**प्रकाशक / प्लेटफ़ॉर्म का नाम**	**जर्नल्स की संख्या**
1	एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट जर्नल्स	2387
2	स्प्रिंगर नेचर जर्नल्स	2404
3	अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (एसीएस)	87
4	आईईईई जर्नल्स	210
5	टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल्स	2548
6	वाइली जर्नल्स	1333
7	सेज पब्लिशिंग जर्नल्स	988
8	ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस जर्नल्स	375
9	एमराल्ड पब्लिशिंग जर्नल्स	311
10	कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस जर्नल्स	442
11	अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी (एएमएस) जर्नल्स	9
12	अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ़ फ़िज़िक्स जर्नल्स	28
13	अमेरिकन सोसाइटी फ़ॉर माइक्रोबायोलॉजी जर्नल्स	25
14	बेंथम साइंस जर्नल्स	118
15	इंस्टिट्यूट ऑफ़ फ़िज़िक्स (आईओपी) जर्नल्स	74
16	अमेरिकन फ़िज़िकल सोसाइटी जर्नल्स	15
17	एएससीपीजर्नल्स ऑनलाइन	36
18	एसीएमडिजिटल लाइब्रेरी	158
19	एनुअल रिव्यूज़ जर्नल्स	51
20	प्रोजेक्ट म्यूज़	731
21	एसपीआईई डिजिटल लाइब्रेरी	11
22	आईसीई पब्लिशिंग जर्नल्स	34
23	एएसएमई जर्नल्स ऑनलाइन	35
24	एएएएस – साइंस	1
25	बीएमजीजर्नल्स	36

26	कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी प्रेस जर्नल्स	8
27	इंडियनजर्नल्स.कॉम	258
28	लिपिनकॉट विलियम्स एंड वॉकिंस (वॉल्टर्स क्लूवर) जर्नल्स	305
29	थीमे जर्नल्स	51
30	अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ़ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स जर्नल्स	9

मासिक पत्रिकाएँ		
क्र. सं.	**पत्रिका का नाम**	**आवृत्ति**
1	इकनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल वीकली	साप्ताहिक
2	द इकनॉमिस्ट – इंटरनेशनल एडिशन	साप्ताहिक
3	एम्प्लॉयमेंट न्यूज़	साप्ताहिक
4	इंडिया टुडे – इंग्लिश	साप्ताहिक
5	द वीक	साप्ताहिक
6	आउटलुक	10-दिन में एक बार
7	बिज़नेस टुडे	पाक्षिक
8	फ़ोर्ब्स इंडिया	पाक्षिक
9	विजेता कम्पटीशन्स – तेलुगू	पाक्षिक
10	फ़्रंटलाइन	पाक्षिक
11	टाइम – इंटरनेशनल एडिशन	पाक्षिक
12	डाउन टू अर्थ	पाक्षिक
13	बिज़नेस वर्ल्ड	पाक्षिक
14	दलाल स्ट्रीट	पाक्षिक
15	स्पोर्ट्स स्टार	पाक्षिक
16	आउटलुक – बिज़नेस	मासिक
17	दृष्टि करंट अफ़ेयर्स टुडे	मासिक
18	सीएससी – सिविल सर्विस क्रॉनिकल – इंग्लिश	मासिक
19	सीएसआर – कम्पटीशन सक्सेस रिव्यू – इंग्लिश	मासिक
20	सीएसआर – जी.के. टुडे – इंग्लिश	मासिक
21	योजना – इंग्लिश	मासिक
22	प्रतियोगिता दर्पण – इंग्लिश	मासिक
23	डिजिट	मासिक
24	पीसी क्वेस्ट	मासिक
25	डेटा क्वेस्ट	मासिक
26	वुमेन्स एरा	मासिक
27	रीडर्स डाइजेस्ट	मासिक

28	कोंडे नास्ट ट्रैवलर	मासिक
29	एमटीजी – बायोलॉजी टुडे	मासिक
30	हिंदू धर्मम् – तेलुगू	मासिक
31	जूनियर साइंस रिफ्रेशर	मासिक
32	आर्किटेक्चर + डिज़ाइन	मासिक
33	लिविंग ईटीसी – इंटीरियर एंड डिज़ाइन	मासिक
34	एसएमई – स्मॉल एंड मीडियम आंत्रप्रेन्योर	मासिक
35	महेंद्राज़ मास्टर इन करंट अफ़ेयर्स	मासिक
36	कुरुक्षेत्र	मासिक
37	वर्ल्ड फोकस करंट अफ़ेयर्स	मासिक
38	फ़ॉर्च्यून इंडिया	मासिक
39	बीएससी – बैंकिंग सर्विस क्रॉनिकल – इंग्लिश	मासिक
40	इलेक्ट्रॉनिक्स फ़ॉर यू	मासिक
41	ओपन सोर्सेज़	मासिक
42	आउटलुक मनी	मासिक
43	स्मार्ट फ़ोटोग्राफ़ी	मासिक
44	सीएसआईआर – साइंस रिपोर्टर	मासिक
45	शाइन इंडिया – तेलुगू	मासिक
46	योजना – तेलुगू	मासिक
47	विवेक – तेलुगू	मासिक
48	कम्पटीशन रिफ्रेशर	मासिक
49	आईआईटीमद्रास – शास्त्र	द्वि-मासिक

डेटाबेस: इन-हाउस (कोहा में उपलब्ध)

1. पुस्तकें
2. जर्नल/मैगज़ीन (मुद्रित और ईसंस्करण-)
3. स्टाफ प्रकाशन आईडीआर@सीटीयूएपी
4. आईआरएनएस@सीटीयूएपी
5. संकाय प्रकाशन डेटा

सुविधाएँ एवं सेवाएँ

- ✓ पुस्तक उधार सेवा
- ✓ संदर्भ सेवा
- ✓ रेफ़रल सेवा
- ✓ कोर्स रिज़र्व सेवा
- ✓ @आईएनएफएफडी के माध्यम से सभी ई-रिसोर्सेज का रिमोट एक्सेस
- ✓ वेब ओपीएसी
- ✓ नाममात्र शुल्क पर प्रिंटिंग और दस्तावेज़ स्कैन सेवा

- ✓ ड्रिलबिट से साहित्यिक चोरी की जाँच
- ✓ कंप्यूटर पर इंटरनेट ब्राउज़िंग
- ✓ दस्तावेज़ वितरण सेवा
- ✓ ई-रिसोर्सेज का रिमोट एक्सेस
- ✓ उपयोगकर्ता शिक्षा सेवा
- ✓ शोध सहायता सेवाएँ
- ✓ वाई-फाई सुविधा
- ✓ कोर्स रीडिंग
- ✓ रीडिंग एरिया में एयर कंडीशनिंग
- ✓ स्मार्ट कार्ड सुविधा
- ✓ स्वयं चेक-इन और चेकआउट सुविधा

कार्य समय

केंद्रीय पुस्तकालय सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक, सोमवार से शुक्रवार खुला रहेगा। सार्वजनिक अवकाश, शनिवार एवं रविवार को पुस्तकालय बंद रहेगा।.

उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तक उधार विशेषाधिकार

क्र. सं.	अधिकार	पुस्तकों की संख्या	ऋण अवधि	नवीनीकरण की अनुमति
1	प्राध्यापक / सह प्राध्यापक / सहायक प्राध्यापक	10	90 दिन	3
2	अधिकारी एवं स्टाफ	5	30 दिन	3
3	शोधार्थी	6	15 दिन	3
4	पीजी विद्यार्थी	4	15 दिन	3
5	यूजी विद्यार्थी	3	15 दिन	3

लाइब्रेरी URL (Library URL): https://opac.ctuaplibrary.in/

कॉन्टैक्ट:

डॉ. शंकर रेड्डी कोल्ले
विश्वविद्यालय लाइब्रेरियन
मो.: 9742749018
ईमेल: librarian@ctuap.ac.in

3.5 डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीआसीई)

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने डॉ. अंबेडकर फाउंडेशन, नई दिल्ली के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) के तत्वावधान में डॉ.अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीआसीई) की 22 अप्रैल 2022 स्थापना जो 2026 तक मान्य है। इस योजना के माध्यम से, केंद्र अनुसूचित जाति (एससी) और ओबीसी विद्यार्थियों को सर्वोत्तम एवं निःशुल्क कोचिंग सुविधाएँ प्रदान करके प्रतियोगी परीक्षाओं में सशक्त करेगा, साथ ही ₹4,000 प्रति माह की वजीफा राशि भी दी जाएगी।यह योजना पूरे भारत के प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश से एक, कुल 29 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में संचालित है।प्रत्येक केंद्र में कोचिंग के लिए 100 सीटें स्वीकृत की गई हैं, और प्रत्येक विद्यार्थी के लिए ₹75,000 का अनुदान प्रदान किया जाता है।कोचिंग हेतु स्वीकृत कुल सीटों में से 33% सीटें एससी और ओबीसी श्रेणी की योग्य महिला उम्मीदवारों को वरीयता के आधार पर दी जा सकती हैं। केंद्र की स्थापना के बाद, विश्वविद्यालय ने केंद्र की प्रगति के लिए विभिन्न कदम उठाए।

3.6 परिवहन सुविधा

भाग- 4: प्रकोष्ठ एवं समितियां

4.1 समान अवसर प्रकोष्ठ

प्रकोष्ट के विषय में: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय में समान अवसर केंद्र (ईओसी) की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर वंचित समुदाय के विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार के लिए उपचारात्मक पाठ्यक्रमों सहित उपयुक्त पाठ्यक्रमों का विकास और उनकी निगरानी करना है। समान अवसर केंद्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के विद्यार्थियों को सक्षम बनाने के लिए सुधारात्मक कोचिंग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग कक्षाएं प्रदान करता है। यह विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन में कुशलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए आवश्यक स्तर तक पहुँचने में सहायता करता है और उनकी असफलता तथा ड्रॉप-आउट दर को कम करके आगे की शैक्षणिक पढ़ाई के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है।

उद्देश्य: विश्वविद्यालय में समान अवसर केंद्र द्वारा संचालित गतिविधियों के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- वंचित समुदाय (स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर) के विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार हेतु उपचारात्मक कोचिंग, यूजीसी-नेट/जेआरएफ कोचिंग और अखिल भारतीय सेवाओं में प्रवेश के लिए कोचिंग सहित उपयुक्त कार्यक्रमों/योजनाओं का विकास करना या उनके कार्यान्वयन की निगरानी करना।
- वंचित समुदाय के विद्यार्थियों के शैक्षिक सशक्तीकरण हेतु आवश्यक वित्तीय और अन्य संसाधनों की व्यवस्था करने के उद्देश्य से सरकार और अन्य वित्त पोषण एजेंसियों (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों सहित) के साथ समन्वय स्थापित करना।
- वंचित वर्गों के विद्यार्थियों को विशेष रूप से शैक्षणिक, वित्तीय और अन्य मामलों में जानकारी प्रदान करना तथा परामर्श एवं मार्गदर्शन केंद्र के रूप में कार्य करना।
- वंचित समुदाय और विभिन्न सामाजिक पृष्ठभूमियों के विद्यार्थियों के बीच स्वस्थ अंतर-व्यक्तिगत संबंधों के विकास के लिए एक सामाजिक रूप से अनुकूल वातावरण का निर्माण करना।
- शैक्षणिक संवाद और पाठ्येतर गतिविधियों के लिए शिक्षकों और वंचित समुदाय के विद्यार्थियों के बीच सौहार्दपूर्ण आपसी संबंधों को विकसित करने में सहायता करना।

संरचना:

क्र. सं.	सदस्य का नाम	पद
1	प्रो. एम. शरतचंद्र बाबू	अध्यक्ष
2	प्रो. जितेन्द्र मोहन मिश्रा	सदस्य (सलाहकार)
3	डॉ. पी.एस. लता कल्यमपुडी	सदस्य
4	डॉ. प्रमा चटर्जी	सदस्य

4.2 राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ (एनएसएस)

सीटीयूएपी के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ ने अपनी स्थापना के बाद से दो इकाइयों के साथ कार्य करना प्रारंभ किया है जोकि जरूरतमंद लोगों की सहायता के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में विद्यार्थीयो की ऊर्जा को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है। एनएसएस सेल का नेतृत्व डॉसूर्यनारायण द्वारा किया जा रहा है .एस.वी.एन ., जो एनएसएस के सिद्धांत को सिद्ध करने के लिए कार्यरत हैं "मैं नहीं बल्कि आप", जो लोकतांत्रिक जीवन के मूल तत्व को दर्शाता है और निस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को बनाए रखता है। एनएसएस विद्यार्थियों के विकास में सहायता करता है और दूसरों के दृष्टिकोण की सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करता है, साथ ही अन्य जीवों के प्रति भी संवेदनशीलता प्रदर्शित करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का दर्शन इस सिद्धांत में एक उत्कृष्ट मल है, जो इस विश्वास को रेखांकित करता है कि किसी व्यक्ति का कल्याण अंततः समाज के समग्र कल्याण पर निर्भर करता है, और इसलिए, राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक समाज की भलाई के लिए प्रयासरत रहेंगे।

उद्देश्य:

सीटीयूएपी एनएसएस प्रकोष्ठ के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- वे जिस समुदाय में कार्यरत हैं, उसे समझना
- अपने समुदाय के संदर्भ में स्वयं को समझना।
- समुदाय की आवश्यकताओं एवं समस्याओं की पहचान करना तथा उन्हें समाधान प्रक्रिया में शामिल करना।
- आपस में सामाजिक एवं नागरिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना।
- व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने में अपने ज्ञान का सदुपयोग करना।
- समूह में रहने एवं जिम्मेदारियाँ साझा करने हेतु आवश्यक कौशल विकसित करना।
- सामुदायिक भागीदारी को व्यवस्थित करने के कौशल अर्जित करना।
- नेतृत्व गुण एवं लोकतांत्रिक दृष्टिकोण विकसित करना।
- आपात स्थितियों एवं प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की क्षमता विकसित करना राष्ट्रीय एकीकरण एवं सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का अभ्यास करना।

4.3 एंटी-रैगिंग प्रकोष्ठ:

एंटी-रैगिंग समिति

क्र. सं.	नाम	पदनाम
1	कुलपति	अध्यक्ष
2	प्रो. टी. श्रीनिवासन	संयोजक
3	डॉ. पी. श्रीदेवी	सदस्य
4	डॉ. अनिरुद्ध कुमार	सदस्य
5	डॉ. गंगू नायडू मंडला	सदस्य
6	डॉ. कुसुम	सदस्य
7	श्री च. उदय कुमार	सदस्य (वरिष्ठ छात्र)
8	सुश्री एस. नीलावती	सदस्य (वरिष्ठ छात्रा)
9	श्री पी. रामा कृष्णा	सदस्य (वरिष्ठ विद्यार्थी के अभिभावक)
10	श्रीमती वेन्नेला कुमारी	सदस्य (वरिष्ठ विद्यार्थी के अभिभावक)

समिति के बारे में:

एंटी-रैगिंग समिति, जिसे सीटीयूएपी, विजयनगरम की सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत गठित किया गया है, का उद्देश्य परिसर में रैगिंग की समस्या को रोकने हेतु निवारक उपाय विकसित करना तथा रैगिंग- मुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। मूल्यांकन अवधि के दौरान, एंटीरैगिंग-समिति ने एंटी-रैगिंग स्क्वॉड, हॉस्टल वार्डन एवं अनुशासन समिति के सहयोग से परिसर में रैगिंग एवं अन्य अनुशासनहीनता की घटनाओं की जांच की। मूल्यांकन अवधि दौरान न तो कोई रैगिंग का मामला दर्ज हुआ और न ही यूजीसी/हेल्पलाइन को कोई सूचना दर्ज की गई । समिति ने अपने पूर्ववर्ती निर्णयों की समीक्षा और शून्यसहिष्णुता नीति को लागू करने के उपायों पर चर्चा करने के -लिए आवधिक बैठकें आयोजित कीं । विश्वविद्यालय में बैनर प्रदर्शित किए गए, जिनमें रैगिंग की घटनाओं और उनके परिणामों, हानिकारक प्रभावों, दंड, रैगिंग विरोधी हेल्पलाइन नंबर और समिति के सदस्यों के विस्तृत संपर्क नंबर शामिल किये गये । अभिविन्यास कार्यक्रम और प्रवेश विवरणिका में हलफनामा शामिल करने के, साथ ही यूजीसी डीओ पत्र संख्या एफ.1-15/2009 (एआरसी) भाग-III, दिनांक: 24 जुलाई 2015 और यूजीसी डीओ पत्र संख्या एफ.1-15/2009 (एआरसी) भाग-III, दिनांक: 25 फरवरी, 2016 का गंभीर संज्ञान लिया गया। जिसके परिणामस्वरूप, त्वरित कार्यान्वयन ने परिसर में रैगिंग को पूरी तरह से रोकने में सहायता की। समिति अपने दायित्वों के प्रति गंभीर है और रैगिंग-मुक्त वातावरण विकसित करने तथा शैक्षणिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रही है।

एंटी रैगिंग समिति के उद्देशय:

एंटी-रैगिंग समिति विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग-मुक्त वातावरण की संस्कृति के निर्माण और संरक्षण के लिए एक पर्यवेक्षी और सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करेगी। एंटी रैगिंग स्काड एंटी रैगिंग समिति की देखरेख में कार्य करेगा और रैगिंग की किसी भी घटना के लिए

छात्रावासों, बसों, कैंटीन, कक्षाओं और विद्यार्थियों के एकत्र होने के अन्य स्थलों की जांच में संलग्न होगा तथा विद्यार्थीयो को रैगिंग के दुष्परिणामों और संबंधित दंड प्रावधानों के बारे में जागरूक करने का कार्य भी करेगी। रैगिंग समिति विभिन्न गतिविधियों के द्वारा विश्वविद्यालय में रैगिंग के समस्या को रोकने हेतु गतिविधियों के माध्यम से रणनीतियाँ एवं कार्ययोजनाएँ तैयार करेगी।

एंटी रैगिंग स्काड का उद्देश्य:

एंटी रैगिंग स्काड एंटी रैगिंग समिति की देखरेख में कार्य करेगा और आवश्यकतानुसार समिति से परामर्श करेगा। इस स्काड का उद्देश्य कक्षाओं, कैंटीन, बसों, मैदानों, छात्रावासों आदि जैसे विद्यार्थी एकत्रीकरण स्थलों पर रैगिंग की घटनाओं की निगरानी करना और उन्हें रोकना है। स्काड रैगिंग के खतरों और उससे संबंधित दंड के बारे में विद्यार्थीयो को विभिन्न तरीकों से जागरूक करेगा। विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा में मार्गदर्शन करने और उनके व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए एंटी रैगिंग स्काड द्वारा सकारात्मक सुदृढ़ीकरण गतिविधियों का अयोजन किया जाएगा।

एंटी-रैगिंग स्काड

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	मोबाइल नंबर
1	डॉ. किशोर पडाला सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग फैकल्टी (पुरुष)	8087392269
2	डॉ. प्रमा चटर्जी सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग फैकल्टी (महिला)	9685385479
3	श्री बद्री नारायण, इंटीग्रेटेड एमबी एटीटीएम सीनियर छात्र (पुरुष)	9912064509
4	सुश्री माज्जी दिव्या, इंटीग्रेटेड एम. एससी. रसायन विज्ञान सीनियर छात्रा (महिला)	9515676746
5	श्री केतावत किशन, III सेमेस्टर, बी. एससी. वनस्पति विज्ञान जूनियर छात्र (पुरुष)	7249009448
6	सुश्री के. लावण्या, I सेमेस्टर, एम. एससी जैव प्रौद्योगिकी जूनियर छात्रा (महिला)	9492326859
7	श्री सत्य राव कोराडा, सुरक्षा प्रभारी गैर-शिक्षण (पुरुष)	9703837204
8	श्रीमती जे. सुमलता, अवर श्रेणी लिपिक गैर-शिक्षण (महिला)	9032833125
9	डॉ. एन.वी.एस. सूर्यनारायण, प्रशासनिक अधिकारी (काउंसलर	9666633885

4.4 महिला प्रकोष्ठ

प्रकोष्ठ के बारे में: (संवेदनशीलता**,** नीति कार्यान्वयन**,** निगरानी एवं शिकायत निवारण हेतु)

उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला प्रकोष्ठ की स्थापना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह भारत के संविधान की प्रस्तावना में निहित "समानता का दर्जा और अवसर" के सिद्धांतों के अनुरूप है, जो सभी नागरिकों के लिए की वकालत करता है। "पद और अवसर की समानता" भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15(1) लिंग के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है, जबकि अनुच्छेद 15(3) महिलाओं के कल्याण हेतु विशेष प्रावधान करने की अनुमति देता है। महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता सिद्ध की है, हालाँकि उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद; उन्हें अभी भी समाज एवं शैक्षणिक संस्थानों दोनों में अनेक चुनौतियों और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं को दूर करने तथा समावेशी वातावरण सुनिश्चित करने हेतु उच्च शिक्षा संस्थानों में महिला प्रकोष्ठों की स्थापना एक आवश्यक कदम है। यूजीसी देशभर के उच्च शिक्षा संस्थानों में सुरक्षित, संरक्षित और हिंसा-मुक्त वातावरण विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता के अनुरूप, शिक्षण, गैर-शिक्षण, संविदा कर्मचारियों एवं छात्राओं सहित विश्वविद्यालय की सभी महिलाओं के लिए गरिमापूर्ण एवं अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने हेतु केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश ने "महिला प्रकोष्ठ" की स्थापना की है। यह यूजीसी के दिशानिर्देशों के - अनुसार भी है, जिसे यूजीसी दिशा उच्च शिक्षण संस्थानों में) निर्देश-महिला कर्मचारियों और छात्राओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारणविनियम (, 2015 के रूप में जाना जाता है। महिला प्रकोष्ठ लैंगिक समानता की वकालत करने, महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देने, सहायता और सुरक्षा प्रदान करने और इस प्रकार विविध क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। महिला प्रकोष्ठ का उद्देश्य विश्वविद्यालय की महिलाओं को समाजिक बाधाओं को तोड़ने, नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाने, और विभिन्न जागरूकता, संवेदनशीलता एवं समग्र विकास पहलों के माध्यम से अधिक न्यायसंगत और प्रगतिशील समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए सशक्त बनाना है।

महिला प्रकोष्ठ के उद्देश्य:

- **लैंगिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देना:** विद्यार्थियों और स्टाफ के बीच लैंगिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यशालाएँ**,** सेमिनार एवं चर्चाएँ आयोजित करना।
- **महिलाओं के मुद्दों को संबोधित करना:** संस्थान में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली सुरक्षा**,** उत्पीड़न एवं भेदभाव जैसी चुनौतियों की पहचान करना और उनका समाधान करना।
- **महिलाओं के विकास का समर्थन:** मेंटरशिप कार्यक्रम**,** कौशल-विकास कार्यशालाएँ एवं नेतृत्व प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं के व्यक्तिगत एवं पेशेवर विकास को प्रोत्साहित करना और उनका समर्थन करना ।

- **परामर्श और सहायता प्रदान करना:** व्यक्तिगत, शैक्षणिक या व्यावसायिक समस्याओं का सामना कर रही महिलाओं के लिए परामर्श सेवाएँ प्रदान करना एवं उन्हें अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना।
- **नीतियों की निगरानी और क्रियान्वयन:** यूजीसी के यौन उत्पीड़न संबंधी दिशा निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना और संस्थान के भीतर लैंगिक समानता नीतियों एवं पहलों की प्रभावशीलता की निगरानी करना।
- **महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना:** अधिक समावेशी वातावरण बनाने के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक, प्रशासनिक और पाठ्येतर गतिविधियों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना ।
- **सहयोग एवं नेटवर्किंग:** महिला सशक्तिकरण के लिए विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदानप्रदान करने के लिए अन्य संस्थानों-, संगठनों और महिला समूहों के साथ सहयोग को बढ़ावा देना ।
- **कानूनी जागरूकता:** महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में शिक्षित करना एवं उनके हितों की रक्षा करने संबंधित कानूनों और विनियमों की जानकारी प्रदान करना।
- **जागरूकता अभियान का आयोजन:** स्वास्थ्य, पोषण, कानूनी अधिकार एवं सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता अभियान आयोजित करना, ताकि महिलाओं को ज्ञान एवं संसाधनों से सशक्त किया जा सके।

महिला प्रकोष्ठ की संरचना

क्र. सं.	नाम एवं पदनाम	पद
1	डॉपरीकीपांडला श्रीदेवी ., सह प्राध्यापक -, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	अध्यक्षा
2	डॉ. दिव्या के., सहायक प्राध्यापक, जनजातीय अध्ययन विभाग	सदस्य
3	डॉ. प्रमा चटर्जी, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग	सदस्य
4	डॉ. लता कल्यांपुड़ी, सहायक प्राध्यापक, कंप्यूटर साइंस विभाग	सदस्य
5	श्रीमती सुमलता जे.,, कार्यालय सहायक	सदस्य
6	डॉ. कुसुम, सहायक प्राध्यापक, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग	सदस्य–सचिव

4.5 आंतरिक शिकायत समिति (आईआईसी)

उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और विद्यार्थियों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण के लिए 2 मई 2016 के राजपत्र अधिसूचना के अंतर्गत भारतीय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के उप-विनियम (1) के तहत "आंतरिक शिकायत समिति" (आईसीसी) का गठन किया गया है। इसी उद्देश्य के लिए पहले से कार्यरत किसी भी मौजूदा समिति (जैसे यौन उत्पीड़न के खिलाफ लिंग संवेदीकरण समिति (जीएससीएएसएच)) को आईसीसी के रूप में पुनर्गठित किया जाएगा।

आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ:

विश्वविद्यालय का आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ शैक्षिक समुदाय के भीतर शिकायतों विशेष रूप से भेदभाव और अन्य दुराचार से संबंधित शिकायतों के निवारण हेतु एक महत्वपूर्ण तंत्र के रूप में कार्य करता है। विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के कल्याण और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए आईसीसी गरिमा, सम्मान और समानता को बढ़ावा देने वाले सकारात्मक कार्य वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।.

आईसीसीके उद्देश्य

1. सुरक्षित और सहयोगी वातावरण सुनिश्चित करना: आईसीसी का प्रमुख उद्देश्य एक ऐसा वातावरण निर्मित करना है जहाँ महिला कर्मचारी बिना किसी प्रतिशोध के भय के अपनी चिंताओं को उठाने के लिए सुरक्षित और समर्थित अनुभव करें। इसके लिए एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है जहाँ उत्पीड़न और भेदभाव को सहन नहीं किया जाता है और जहाँ प्रत्येक को अपनी बात कहने का अधिकार प्राप्त है।
2. लैंगिक समानता को बढ़ावा देना: आईसीसीका लक्ष्य शैक्षणिक क्षेत्र में महिलाओं को असमान प्रभावित करने वाले प्रणालीगत मुद्दों का समाधान कर लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। इसमें लैंगिक पूर्वाग्रह, अवसरों तक समान पहुँच सुनिश्चित करना और महिलाओं को उनके करियर में उन्नति में सहायता प्रदान करना शामिल है।
3. निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रियाओं को सक्षम बनाना: आईसीसी शिकायतों के की जांच के लिए अपनी प्रक्रियाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने का प्रयास करता है। इसमें स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करना, निष्पक्ष जांच करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी संबंधित पक्षों के साथ सम्मान और गरिमा के साथ व्यवहार किया जाए शामिल है।

आईसीसी का विज़न:

1. उत्पीड़न और भेदभाव के प्रति शून्य सहिष्णुता: आईसीसी एक ऐसे विश्वविद्यालय समुदाय की परिकल्पना करता है जहाँ किसी भी प्रकार के उत्पीड़न और भेदभाव को सहन नहीं किया जाता है। यह सम्मान और समावेशिता की संस्कृति विकसित करने की आकांक्षा रखता है, जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को महत्व दिया जाता है और उसका सम्मान किया जाता है।

2. महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाना: आईसीसी महिला कर्मचारियों को उनकी भूमिकाओं में सफलता के लिए आवश्यक सहायता और संसाधन प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना चाहता है। इसमें परामर्श सेवाएँ, कानूनी सहायता और पेशेवर विकास के लिए मेंटरशिप कार्यक्रमों तक पहुँच प्रदान करना शामिल है।
3. जागरूकता और रोकथाम का विकासआईसीसी का उद्देश्य शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों : के माध्यम से उत्पीड़न और भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना, रोकथाम की रणनीतियों और हस्तक्षेप तकनीकों को प्रोत्साहित करना है, जिससे एक अधिक सतर्क और सहायक समुदाय का निर्माण हो सके।

आईसीसी का नेतृत्व

1. विविधता और समावेश के प्रति प्रतिबद्धता: आईसीसी का नेतृत्व विविधतापूर्ण और समावेशी होना चाहिए, जो विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर विभिन्न अनुभवों और दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करता हो। इसमें ऐसे व्यक्ति शामिल होने चाहिए जो लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हों और जिन्हें महिला कर्मचारियों के समक्ष आने वाले मुद्दों की गहरी समझ हो।
2. असहमति समाधान में विशेषज्ञता: आईसीसी के नेतृत्व को असहमति समाधान, मध्यस्थता और कानूनी प्रक्रियाओं में विशेषज्ञता प्राप्त होनी चाहिए। उन्हें पेशेवरता, सहानुभूति और विवेक के साथ संवेदनशील मुद्दों को संभालने की क्षमता होनी चाहिए।
3. उपलब्धता और उत्तरदायित्व: आईसीसी का नेतृत्व विश्वविद्यालय समुदाय की सभी सदस्यों के लिए सुलभ होना चाहिए और अपने कार्यों के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। उन्हें महिला कर्मचारियों द्वारा उठाई गई चिंताओं के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए और प्रणालीगत मुद्दों को हल करने के लिए प्रभावी परिवर्तन लागू करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।

निष्कर्ष के रूप में, विश्वविद्यालय का आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ अकादमिक समुदाय की शिकायतों के समाधान और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में कार्य करता है। सम्मान, समावेशिता और जवाबदेही की संस्कृति को प्रोत्साहित करके, यह एक सुरक्षित और सहायक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहाँ महिला कर्मचारी उन्नति कर सके।

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) की जिम्मेदारियाँ

(क) यदि कोई कर्मचारी या विद्यार्थी पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की इच्छा रखता है, तो सहायता प्रदान करना;

(ख) शिकायतकर्ता के अधिकारों को कमजोर किए बिना न्यायसंगत और निष्पक्ष सुलह के माध्यम से मुद्दों का पूर्वानुमान लगाने और उन्हें संबोधित करने के लिए विवाद निवारण और संवाद के तंत्र प्रदान करना, और विशुद्ध रूप से दंडात्मक दृष्टिकोणों, जो भविष्य में असंतोष, अलगाव या हिंसा की भावना को उत्पन्न करते हो, की आवश्यकता को न्यूनतम करना हैं ।

(ग) व्यक्ति की पहचान उजागर न करके शिकायतकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करना, तथा शिकायत के लंबित रहने के दौरान स्वीकृत अवकाश या उपस्थिति आवश्यकता में छूट या अन्य विभाग या पर्यवेक्षक के पास स्थानांतरण के माध्यम से अनिवार्य राहत प्रदान करना, या अपराधी के स्थानांतरण का प्रावधान करना;

(घ) यह सुनिश्चित करना कि यौन उत्पीड़न की शिकायतों के समाधान के दौरान पीड़ितों या गवाहों को परेशान नहीं किया जाए और न ही उनके साथ भेदभाव किया जाए;

(ङ) किसी संरक्षित व्यक्ति के खिलाफ प्रतिशोध या प्रतिकूल कार्रवाई को रोकना सुनिश्चित करना, क्योंकि कर्मचारी या विद्यार्थी संरक्षित गतिविधि में संलग्न है।

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अनुसार, निम्नलिखित सदस्यों की एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है:

क्र. सं.	नाम	नामित पद
1	डॉ. परिकिपांडला श्रीदेवी	पीठासीन अध्यक्षा
2	डॉ. के. दिव्या	सदस्य
3	डॉ. प्रमा चटर्जी	सदस्य
4	डॉ. कुसुम	सदस्य
5	डॉ. किशोर पडाला	सदस्य
6	श्रीमती पद्मजा	एनजीओ सदस्य

4.6 संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी)

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) में संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी) विद्यार्थियों और शिक्षकों में नवाचार और उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ निर्देशों के -के दिशा (एमआईसी) तहत स्थापित, सीटीयूएपी में आईसीसी का उद्देश्य एक सक्रिय पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है जो रचनात्मक विचारों को पोषित करता है, स्टार्टअप को प्रोत्साहित करता है और विभिन्न विषयों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है। कार्यशालाओं, हैकथॉन और मेंटरशिप कार्यक्रमों का आयोजन करके, परिषद युवा नवोन्मेषकों को नई तकनीकों का अन्वेषण करने और सामाजिक चुनौतियों, विशेष रूप से आदिवासी समुदाय और ग्रामीण विकास से संबंधित समस्याओं के लिए अभिनव समाधान खोजने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

विश्वविद्यालय में आईआईसी शिक्षा और उद्योग के बीच एक सेतु का कार्य करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव प्राप्त हो। यह ज्ञान के आदान प्रदान और कौशल विकास को सुविधाजनक-बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के साथ सहयोग को प्रोत्साहित करता है। अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से, परिषद विश्वविद्यालय के समग्र विकास में योगदान देने का प्रयास करती है, नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो शिक्षा और प्रौद्योगिकी के माध्यम से आदिवासी और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के विश्वविद्यालय के विज़न के साथ संरेखित होती है।

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अनुसार, निम्नलिखित सदस्यों की आईआईसी का गठन किया गया है:

क्र. सं.	नाम	नामित पद
1	प्रो. टी. श्रीनिवासन	अध्यक्ष
2	प्रो. जितेंद्र मोहन मिश्रा	संयोजक
3	डॉ. बोंथु कोटैया	नवाचार गतिविधि समन्वयक
4	डॉ. अप्पासाबा एल.वी.	स्टार्टअप गतिविधि समन्वयक
5	डॉ. सुरेश बाबू कालिदिंडी	इंटर्नशिप समन्वयक
6	डॉ. अनिरुद्ध कुमार	आईपीआर गतिविधि समन्वयक
7	डॉ. आई. तरकेश्वर राव इप्पिली	सोशल मीडिया समन्वयक
8	डॉ. एम. प्रसाद	सदस्य
9	डॉ. किशोर पडाला	सदस्य
10	डॉ. एन.वी.एस. सुर्यानारायण	सदस्य

विशेषज्ञ समिति के सदस्यगण:		
क्र. सं.	**नाम**	**भूमिका**
11	डॉ. बी.के. साहू, निदेशक, एनआरडीसी, विशाखापत्तनम	आईपी विशेषज्ञ पेटेंट/विशेषज्ञ
12	प्रो. एच. पुरूषोत्तम, आईपीआरचेयर प्रोफेसर, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम	स्टार्टअप/पूर्व विद्यार्थी उद्यमी
13	श्री एन. श्रीनिवास	निकटवर्ती उद्योग/उद्योग संघ/ पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थक विशेषज्ञ
14	निदेशक, इनक्यूबेशन सेंटर, सेंटूरियन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश	निकटवर्ती इनक्यूबेशन सेंटर
15	श्री बी. विकास, 6वां सेमेस्टर, एकीकृत एम.एससी., रसायन विज्ञान, सीटीयूएपी	छात्र प्रतिनिधि
16	सुश्री नीरजा, द्वितीय सेमेस्टर, एमबीए, सीटीयूएपी	छात्रा प्रतिनिधि

4.7 अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी):

प्रकोष्ठ के विषय में:

विश्वविद्यालय का अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (आरडीसी) नवाचार और ज्ञान निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। आरडीसी का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में अनुसंधान, विकास और नवाचार को संवर्धित करना है।

अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के कार्य:

(क) **अनुसंधान:** संगठन के लक्ष्यों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान का संचालन करना।

(ख) **विकास:** नए उत्पादों, सेवाओं, प्रक्रियाओं या प्रौद्योगिकियों का निर्माण और सुधार।

(ग) **नवप्रवर्तन:** नए विचारों, प्रयोगों और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करके नवप्रवर्तन की संस्कृति को विकसित करना।

(घ) **सहयोग:** आंतरिक टीमों, बाहरी साझेदारों और विशेषज्ञों के साथ मिलकर ज्ञान और संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाना।

(ङ) **वित्तपोषण:** अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए अनुदान, निवेश या बजट आवंटन जैसे वित्तपोषण स्रोतों की पहचान और प्रबंधन करना।

(च) **बौद्धिक संपदा (आईपी) प्रबंधन:** अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के माध्यम से उत्पन्न बौद्धिक संपदा, जैसे कि पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क का संरक्षण एवं प्रबंधन

निदेशक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ: **प्रो. एम. शरतचंद्र बाबू**

भाग-5: परीक्षा अनुभाग

5.1 कार्य, डिजिटल पहल और उपलब्धियाँ

1. परिचय

परीक्षा अनुभाग शैक्षणिक ईमानदारी को बनाए रखने और संस्थागत मानकों को कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें परीक्षाओं का सुचारू और कुशल संचालन, समय पर प्रमाणन, और छात्र-केंद्रित डिजिटल सेवाओं का कार्यान्वयन शामिल है। शैक्षणिक वर्ष 2024–25 एक परिवर्तनकारी चरण रहा, जिसमें परीक्षा प्रक्रियाओं का समार्थ पोर्टल और एनएडी/डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म के जैसे माध्यम से सफलतापूर्वक डिजिटलीकरण किया गया । इन प्रगतियों के साथ-साथ मुख्य जिम्मेदारियों का समय पर निष्पादन भी हुआ, जिसमें सेमेस्टर परीक्षाओं का संचालन, प्रमाणपत्रों का निर्गमन, और दीक्षांत समारोह से संबंधित गतिविधियों में सहयोग शामिल है।

2. समार्थ पोर्टल का कार्यान्वयन

परीक्षा अनुभाग ने प्रमुख परीक्षा-संबंधी प्रक्रियाओं को समार्थ ई-गवर्नेंस पोर्टल पर सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया, जो शिक्षा मंत्रालय की एक डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संचालन का स्वचालन और सरलता है।

मुख्य विशेषताएँ:

- छात्र परीक्षा प्रपत्रों की डिजिटल सबमिशन और प्रोसेसिंग
- परीक्षा शुल्क का ऑनलाइन भुगतान
- हॉल टिकट का निर्माण
- परीक्षा समय-सारणी और परिणाम प्रकाशन का एकीकरण
- मूल्यांकित डेटा का समार्थ पोर्टल पर डिजिटलीकरण
- सेमेस्टर ग्रेड कार्ड समार्थ छात्र पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए
- पारदर्शिता में वृद्धि और मैनुअल त्रुटियों में कमी

इस बदलाव ने परिचालन क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार किया है, प्रशासनिक कार्यभार को कम किया है और सभी हितधारकों के साथ तेज व प्रभावी संचार को सक्षम बनाया है।

3. एनएडी और डिजिलॉकर के साथ एकीकरण

भारत सरकार की डिजिटल पहलों के अनुरूप, परीक्षा अनुभाग ने राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) और डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म के साथ सफलतापूर्वक एकीकरण किया, जिससे शैक्षणिक अभिलेखों तक सुरक्षित, त्वरित पहुँच सुनिश्चित हो सके।

उपलब्धियाँ:

- सभी नव-अभ्यर्थित विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी का निर्माण
- सेमेस्टर मार्कशीट्स का डिजिलॉकर में अपलोड
- विद्यार्थियों के लिए सत्यापित शैक्षणिक दस्तावेजों तक त्वरित डिजिटल पहुँच

- उच्च शिक्षा संस्थानों और नियोक्ताओं के लिए सुरक्षित एवं छेड़छाड़-रोधी दस्तावेज सत्यापन की सुविधा

इस पहल ने न केवल विद्यार्थी गतिशीलता को बढ़ाया है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रमाणपत्र सत्यापन प्रक्रिया को भी सुगम बनाया है।

4. सेमेस्टर परीक्षाओं का संचालन

संचालन संबंधी चुनौतियों के बावजूद, परीक्षा अनुभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2024–25 के दौरान सभी यूजी, पीजी और एकीकृत कार्यक्रमों के लिए विषम और सम सेमेस्टर परीक्षाओं का प्रभावी रूप से संचालन किया।

मुख्य सांख्यिकी:

- परीक्षार्थियों की संख्या:
- विषम सेमेस्टर: 427
- सम सेमेस्टर: 293
- निर्धारित समय-सीमा में मूल्यांकन पूर्ण
- समार्थ पोर्टल और एनएडी (डिजिलॉकर) पर परिणामों की समय पर घोषणा

परीक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन और मजबूत सुरक्षा उपायों ने सभी परीक्षाओं के निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया।

5. प्रमाणपत्रों का निर्गमन

परीक्षा अनुभाग ने पात्र एवं स्नातक विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षणिक प्रमाणपत्र समयबद्ध और व्यवस्थित तरीके से जारी किए।

जारी किए गए प्रमाणपत्रों के प्रकार:

- स्थानांतरण प्रमाणपत्र (टीसी)
- अध्ययन और आचरण प्रमाणपत्र
- माइग्रेशन प्रमाणपत्र
- कोर्स पूरा होने का प्रमाण पत्र
- अनंतिम डिग्री प्रमाणपत्र (पीडीसी)

कुल प्रमाणपत्र जारी:

- शैक्षणिक वर्ष के दौरान 157 विद्यार्थियों को उपरोक्त में से एक या अधिक प्रमाणपत्र जारी किए गए।

6. भावी योजनाएँ

- संस्थागत आवश्यकताओं के अनुरूप समार्थ पोर्टल मॉड्यूल का निरंतर उन्नयन

- समार्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रमाणपत्र निर्गमन लागू करना, ताकि पूर्णतः डिजिटल एवं छात्र-केंद्रित प्रणाली स्थापित की जा सके

7. निष्कर्ष

शैक्षणिक वर्ष 2024–25 परीक्षा अनुभाग के लिए एक मील का पत्थर रहा, जो डिजिटल परिवर्तन, परिचालन क्षमता और छात्र सेवा प्रदान में उल्लेखनीय प्रगति से चिह्नित है। समार्थ पोर्टल के सफल कार्यान्वयन और एनएडी/डिजिलॉकर के साथ एकीकरण ने एक पारदर्शी, कुशल और छात्र-अनुकूल परीक्षा प्रणाली की मजबूत नींव रखी है। परीक्षा अनुभाग निरंतर सुधार, नवाचार, और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि संस्थान के शैक्षणिक मिशन का समर्थन हो और मानकों को बनाए रखा जा सके।

भाग-6: वित्तीय जानकारी

6.1 वर्ष 2024–25 के लिए विश्वविद्यालय की वित्तीय जानकारी

1. वित्त के स्रोत:

(क). अनुदान सहायता (जीआईए): विश्वविद्यालय को वेतन, आवर्ती और पूंजीगत मदों के तहत विश्वविद्यालय के संचालन हेतु यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से अनुदान प्राप्त होता है।

(ख). आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी): विश्वविद्यालय निर्धारित दर के अनुसार विद्यार्थियों से प्रवेश एवं अन्य शुल्क एकत्र करता है। टेंडर आवेदन धनराशि, भर्ती शुल्क, बैंक जमा पर ब्याज, परियोजनाओं से ओवरहेड शुल्क आदि भी आईआरजी का हिस्सा होते हैं।

(ग). वर्ष 2024–25 के लिए प्राप्त जीआईए और आईआरजी

क्रमांक	आवंटन का शीर्ष	राशि (लाख रुपये में)
01	जीआईए – वेतन	575.00
02	जीआईए – आवर्ती	560.00
03	जीआईए – पूंजीगत	400.00
04	जीआईए – कैंपस निर्माण	4000.00
05	आईआरजी	32.92

2. निधि का उपयोग: विश्वविद्यालय अपनी अधिकांश व्यय आवश्यकताओं को यूजीसी/शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त जीआईए के माध्यम से पूरा करता है। सभी व्यय विश्वविद्यालय अधिनियम, विधियों, मैनुअल, जीएफआर 2017 और केंद्रीय स्वायत्त निकायों पर लागू सभी प्रक्रियाओं के अनुसार किए जाते हैं। उपयोग का विवरण वित्तीय वर्ष 2024–25 के लेखा-परीक्षितखातों में उपलब्ध है।

3. स्थायी परिसर का निर्माण:

राज्य सरकार ने अपने आदेश संख्या 97, दिनांक 14 जून 2022 के माध्यम से, विजयनगरम जिले के चिन्नेड़ापल्ली और मारीवालसा गांवों में विश्वविद्यालय को भूमि आवंटित की। 519.03 एकड़ भूमि 07.07.2023 को विश्वविद्यालय को सौंपी गई। मेसर्स मेकॉन लिमिटेड (सीपीएसयू) को विधिवत टेंडर प्रक्रिया का पालन करते हुए 30.10.2023 को स्थायी परिसर के चरण-I निर्माण के लिए पीएमसी के रूप में नियुक्त किया गया। 27.12.2023 को पीएमसी के साथ एमओयू के अनुसार कार्य पूर्ण होने की अवधि एमओयू पर हस्ताक्षर की तिथि से 42 माह निर्धारित है। निर्माण कार्य पीएमसी द्वारा नियुक्त ठेकेदारों के माध्यम से प्रगति पर है। 31.03.2025 तक, पीएमसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, भौतिक प्रगति 16% तथा वित्तीय प्रगति 12.17% है।

4. वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान वित्त समिति की बैठकों की संख्या

क्रमांक	वित्त समिति	बैठक की तिथि
01	वित्त समिति की 5वीं बैठक	20 जून 2024
02	वित्त समिति की 6वीं बैठक	11 नवंबर 2024
03	वित्त समिति की 7वीं बैठक	17 फरवरी 2024

5. वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए संसद के दोनों सदनों के समक्ष लेखा–परीक्षित खातों के प्रस्तुतिकरण की तिथि

क्रमांक	विवरण	तिथि
1	विश्वविद्यालय / संस्थान द्वारा खातों का अंतिम रूप	20.06.2024
2	सक्षम प्राधिकारी द्वारा खातों की स्वीकृति	29.06.2024
3	एजी (आडिट) को खातों का प्रस्तुतिकरण	29.06.2024
4	एजी (आडिट) द्वारा निरीक्षण प्रारंभ	10.07.2024
5	एजी (आडिट) द्वारा निरीक्षण पूर्ण	26.07.2024
6	विश्वविद्यालय / संस्थान को एजी (आडिट) द्वारा ऑडिटेड खातों का प्रेषण	23.10.2024
7	मंत्रालय द्वारा प्राप्ति की तिथि	16.01.2025
8	लोकसभा में प्रस्तुतिकरण की तिथि	24.03.2025
9	राज्यसभा में प्रस्तुतिकरण की तिथि	26.03.2025

6. वर्ष 2024–25 के दौरान अनुसंधान परियोजनाएँ

क. जारी परियोजनाओं की कुल संख्या: 6 परियोजनाओं

ख. वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान प्राप्त अनुदान: ₹24.36 लाख

7. **अन्य जानकारी :**विश्वविद्यालय ने "वित्त एवं लेखा परीक्षा मैनुअल" तैयार किया है तथा उसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

8. लेखा–परीक्षित खातों को वार्षिक प्रतिवेदन के साथ संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

<u>संपर्क करें</u>:

केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश
कोंडाकरकम ग्राम, कंटोनमेंट (पोस्ट)
विजयनगरम, आंध्र प्रदेश**,** भारत**.**
535003,
संपर्क: 08922-296033, 08922-296044
ईमेल**:** registrar@ctuap.ac.in

<u>Contact Us</u>:

Central Tribal University of Andhra Pradesh
Kondakarakam Village, Cantonment (S.P.O),
Vizianagaram, Andhra Pradesh, INDIA.
PIN: 535003.
Phone Numbers: 08922-296033, 08922-296044
Email: registrar@ctuap.ac.in

Locate on Google Map: https://maps.app.goo.gl/BzAh5oEKMR48hSxG9